सुविचार
हम उन लोगों से भी सीख सकते हैं, जिन लोगों से हम खुद को श्रेष्ठ समझते हैं।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 17 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 297 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

इंडस्ट्री में आउटसाइडर्स को लेकर बोलीं...

SHARE

सेंसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

ईडी ने 20 लोगों को भेजा समन, पूछताछ के लिए बुलाया

RANCHI : झारखंड में शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी ने 20 लोगों को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। ईडी ने देवघर, जामताड़ा और गोड्डा से जुड़े लोगों को समन भेजा है। ईडी ने जिन्हें समन भेजा है वे शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी के सहयोगी हैं। समन जारी किए गए व्यक्तियों से 18 नवंबर से हर दिन पूछताछ होगी। बता दें कि ईडी ने बीते 19 अक्टूबर शराब माफिया योगेंद्र तिवारी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। शराब घोटाले में ईडी ने 23 अगस्त को राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के आवास सहित कुल 36 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी में रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव के ठिकाने से ईडी को 30 लाख रुपये नकदी मिले थे। उस वक्त योगेंद्र तिवारी के ठिकानों से भी भारी मात्रा में दस्तावेज मिले थे। ईडी को यह भी जानकारी मिली थी कि वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव का राज्य के शराब कारोबार में बड़ा निवेश था। पूर्व में 21 मार्च की आयकर विभाग की छापेमारी में यह खुलासा हुआ था कि शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी ने करीब 15 करोड़ से अधिक की अघोषित संपत्ति अर्जित की है।

हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक 22 नवंबर को

RANCHI : झारखंड कैबिनेट की बैठक 22 नवंबर को होगी। इस संबंध में गुरुवार को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सूचित किया है कि मंत्रिपरिषद् की बैठक 22 नवंबर 2023 को शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी।

रेप विक्टिम के बच्चे का डीएनए टेस्ट सही नहीं : हाईकोर्ट

MUMBAI : बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि गोद लेने (एडॉप्शन) के बाद रेप विक्टिम के बच्चे का डीएनए टेस्ट कराना सही नहीं है। ऐसा करना बच्चे और उसके भविष्य के हित में नहीं है। जस्टिस जीए सनप की सिंगल बेंच ने 17 साल की लड़की से रेप करने के आरोपी को जमानत देते हुए यह टिप्पणी की। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि रेप के बाद लड़की प्रेग्नेंट हो गई थी। इस पर कोर्ट ने पुलिस से पूछा कि क्या उसने बच्चे का डीएनए टेस्ट कराया था? इस पर पुलिस ने बताया कि डिलीवरी के बाद लड़की ने बच्चे को एडॉप्शन के लिए एक संस्था में दे दिया था। वहां से रेप पीड़ित के बच्चे को किसी ने गोद ले लिया। बच्चे को गोद लेने वाले माता-पिता के बारे में संस्था ने पुलिस को कोई जानकारी नहीं दी। हाईकोर्ट ने कहा कि संस्था का ऐसा करना बिल्कुल सही था। कोर्ट ने यह भी कहा, 'चूंकि बच्चे को गोद ले लिया गया है, इसलिए उस बच्चे का डीएनए टेस्ट उसके और उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं हो सकता।'

गुड बाई एवरीवन का मैसेज मां को भेज नर्सिंग कॉलेज के छात्र ने लगा ली फांसी, मचा हड़कंप

फंखा और गले में लगी रस्सी की तस्वीर भी भेजी, मेदांता में भर्ती

CRIME REPORTER RANCHI : साइन अब्दुरर्ज्जाक अंसारी नर्सिंग कॉलेज ओयना इरबा का एक 22 वर्षीय छात्र शुभम कुमार ने अपनी मां के मोबाइल पर मैसेज भेजा गुड बाई एवरीवन और फांसी के फंदे पर झूल गया। मैसेज के साथ फंखा और गले में लगी रस्सी की तस्वीर भी अपनी मां को भेजा था। बुधवार रात 10 बजे के करीब हुई इस घटना से कालेज में हड़कंप मच गया। छात्र को फंदे से उतार मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। जहां आइसीयू में डॉ. आनंद कुमार झा द्वारा उसका उपचार किया गया। बताया गया कि फिलहाल छात्र बोल नहीं पा रहा है लेकिन खतरे से बाहर बताया गया है। छात्र मोकामा बिहार का निवासी है और साइन नर्सिंग कालेज बीएससी तृतीय वर्ष का छात्र है। मैसेज मिलने पर मां पिंकी देवी व पिता पप्पू सिंह सुबह हॉस्पिटल पहुंचे। मां बार-बार रो रही थी, बोली बेटा अक्सर कालेज में प्रताड़ित किए जाने के संबंध में बता रहा था। उसे नहीं समझ पाने पर अफसोस जताते हुए बोली पढाई छोड़ने की बात बेटा बोलता था। कॉलेज द्वारा दस लाख रुपये लेने के बाद ही जाने दिया जाएगा।

सड़क पर उतरकर हंगामा करते नर्सिंग कॉलेज के छात्र।

कॉलेज के छात्रों ने किया हंगामा, पुलिस का घेरा तोड़ सीएम से मिलने गए, झड़प

छात्र के फांसी लगाए जाने से नाराज छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर हंगामा किया। लगभग 200 की संख्या में छात्र छात्राएं मेदांता हास्पिटल पहुंचे और गेट के आगे धरने पर बैठ गए। छात्राओं ने कालेज के निदेशक व प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए। कहा कि कालेज के सभी छात्र-छात्राओं को प्रताड़ित किया जाता है। प्रताड़ना से तंग आकर ही छात्र को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा। इससे पूर्व भी दो छात्राएं आत्महत्या कर चुकी हैं। धरना-प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राएं निदेशक पर कार्रवाई करने व न्याय की मांग कर रहे थे। प्रशासन द्वारा कोई पहल नहीं होता देख धरने पर बैठे सभी छात्र उठ कर पैदल ही सीएम से मिलने चल दिए। हालांकि रास्ते में ओरमांझी सीओ नितिन शिवम गुप्ता, बीडीओ विजय कुमार व थाना प्रभारी आलोक कुमार द्वारा समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन वे नहीं माने और रिंग रोड होते हुए सीएम से मिलने पैदल ही आगे बढ़ गए। छात्रों के सीएम के पास पहुंचने से रोकने के लिए प्रशासन द्वारा रास्ते में रिंग रोड चुट्टू के पास जिला महिला-पुरूष पुलिस बल के साथ घेराबंदी कर रखी थी। जैसे ही छात्र पहुंचे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। लेकिन छात्र जबरन घेरा तोड़ आगे बढ़ने लगे। इस दौरान कुछ छात्रों को पुलिस पकड़ भी लिया था। जिसे छुड़ाने के लिए छात्राएं पुलिस से उलझ गईं। इस दौरान पुलिस के साथ हल्की झड़प भी हुई। सड़क में छात्राएं दौड़ रही थी और पुलिसबल दौड़ा रहे थे।

आज आसमान में होगी उल्काओं की आतिशबाजी

AGENCY BHOPAL : खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए 17 नवंबर की रात बेहद रोमांचक होने वाली है। इस दिन रात में टूटते तारों (उल्काओं) की श्रृंखला देखने को मिलेगी। इस दौरान ऐसा लगेगा मानो आसमान में आतिशबाजी हो रही है। भोपाल की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि शुक्रवार रात में पूर्वी आकाश में चमकते उल्काओं की आतिशबाजी मध्यरात्रि 12 बजे से आरंभ होगी। उन्होंने बताया कि उल्काओं को टूटते तारे भी कहा जाता है, लेकिन वे वास्तव में तारे नहीं हैं। धूल और छोटी चट्टान जब पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में बहुत तेज गति से टकराती हैं तो जलने से उत्पन्न आकाश में प्रकाश की धारियां जैसी दिखाई देती हैं, जों उल्का कहलाती हैं। उल्कापात तब होता है जब पृथ्वी किसी धूमकेतु या क्षुद्रग्रह द्वारा गिराए गए मलबे से होकर गुजरती है। वे हर साल लगभग उसी समय फिर से घटित होते हैं, जब पृथ्वी अपनी कक्षा में घूमती है और फिर से मलबे से होकर गुजरती है।

- धूमकेतु या क्षुद्रग्रह द्वारा गिराए गए मलबे से होकर गुजरेगी पृथ्वी

नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व आज से, तालाबों के हाल बेहाल

राजधानी में लोक आस्था का महापर्व छठ की तैयारी जोर शोर से शुरू हो गई है। हर जगह छठ के गाने बजने लगे हैं। शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय पर्व शुरू होगा। पंडित राजेन्द्र पांडेय ने गुरुवार को बताया कि 17 को नहाय खाय के साथ पर्व शुरू होगा। 18 को खरना होगा। 19 की शाम 05:22 बजे अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और 20 को प्रात: 06:39 बजे उदीयमान सूर्य को अर्घ्य एवं छठ का पारण होगा। लेकिन शहर के कई तालाबों की हालत अब तक नहीं सुधारी गई है। जेल चौक तालाब में कचरो का अंबार लगा हुआ है। ऐसे में छठव्रतियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

लुगू पहाड़ पर नहीं लगेगा पावर प्लांट

धार्मिक धरोहर को हर हाल में संरक्षित करेगी सरकार

- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई टीएसी की 26वीं बैठक
- टीएसी की उप समिति को एक वर्ष का अवधि विस्तार

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में जनजातीय परामर्शदात्री परिषद (टीएसी) की 26वीं बैठक हुई। इसमें टीएसी ने बोकारो जिला स्थित आदिवासी संतालियों के धार्मिक धरोहर लुगू पहाड़ पर दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित लुगू पहाड़ जल विद्युत पंप भंडारण परियोजना को किसी भी हाल में स्थापित नहीं होने दिए जाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया। बैठक में प्रो. स्टीफन मरांडी, सदस्य झारखंड विधानसभा सह टीएसी सदस्य की अध्यक्षता में गठित उप समिति के कार्यकाल को अगले एक वर्ष के लिए अवधि विस्तार दिए जाने संबंधी प्रस्ताव पर सहमति दी गई। साथ ही टीएसी ने सीएनटी एक्ट के अंतर्गत 26 जनवरी, 1950 के समय राज्य के भीतर जो जिले और थाने स्थापित थे, उन्हीं को जिला और थाना मानते हुए धारा-46 के तहत जमीन-खरीद बिक्री के लिए मान्यता प्रदान किए जाने का निर्णय लिया। बैठक में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री सह टीएसी के उपाध्यक्ष चम्पई सोरेन, विधायक सह टीएसी सदस्य प्रो. स्टीफन मरांडी, सीता सोरेन, दीपक बिरुआ, भूषण तिर्की, सुखराम उरांव, दशरथ गगराई, विकास कुमार मुंडा, राजेश कच्छप, सोनाराम सिंकू, शिल्पी नेहा तिर्की, मनोनीत सदस्य विश्वनाथ सिंह सरदार जमल मुंडा, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे सहित अन्य उपस्थित थे।

झारखंड मंत्रालय में जनजातीय परामर्शदात्री परिषद की बैठक में सीएम।

भावनाओं से नहीं होने देंगे खिलवाड़

मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष जनजातीय परामर्शदात्री परिषद हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार हर हाल में आदिवासी समुदाय की आस्था और विश्वास का धार्मिक धरोहर लुगू पहाड़ को संरक्षित करने का काम करेगी। हमारी सरकार किसी भी समुदाय के भावनाओं से खिलवाड़ नहीं होने देगी। जनभावना के अनुरूप टीएसी द्वारा लुगू पहाड़ जल विद्युत पंप भंडारण परियोजना को लुगु पहाड़ में नहीं स्थापित होने दिए जाने के संबंध में बैठक में लिया गया निर्णय महत्वपूर्ण है। बैठक में वर्तमान राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर 15 नवंबर से 29 दिसंबर तक राज्यव्यापी अभियान आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं प्रभारी मंत्री को अपनी महती भूमिका निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। योजना के तहत आयोजित होने वाले शिविरों में बिरसा आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, जाति, आय, जन्म, मृत्यु, दिव्यांगता प्रमाण पत्र सहित सर्वजन पेंशन, सावित्रीबाई फुले बालिका समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना आदि का लाभ शत-प्रतिशत लाभुकों को सुनिश्चित कराया जा सके, इस निमित्त गहन विचार-विमर्श किया गया।

वन पट्टा वितरण में तेजी लाने का निर्देश

वन अधिकार अंतर्गत अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान के तहत राज्य के वैसे आश्रित जो वनों पर निर्भर हैं उनके बीच व्यक्तिगत एवं सामुदायिक पट्टे का वितरण तेज गति से किए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही झारखंड में पेसा कानून लागू किए जाने संबंधी प्रस्ताव पर विचार-विमर्श हुआ। टीएसी के सदस्यों से राज्य में बेहतर पेसा कानून लागू किया जा सके इस निमित्त उनके लिखित सुझाव भी मांगे गए। छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 पर चर्चा सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विकासात्मक मुद्दों पर गहन विचार विमर्श-किया गया।

टनल हादसा : अमेरिकी मशीन से ड्रिलिंग शुरू, 2-3 दिन और लग सकते हैं रेस्क्यू में

116 घंटे से अधिक समय से फंसे हैं 40 मजदूर

AGENCY UTTEAKASHI : उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निमार्णाधीन सिल्क्यारा टनल में 116 घंटे (4 दिन से ज्यादा) से 40 मजदूर फंसे हैं। इन्हें निकालने की हर कोशिश अब तक नाकामयाब रही है। गुरुवार 16 नवंबर सुबह नए सिरे से अमेरिकन ऑगर्स मशीन को इंस्टाल कर रेस्क्यू शुरू किया गया। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह गुरुवार को टनल के अंदर जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने कहा- मजदूर टनल के अंदर 2 किलोमीटर की खाली जगह में फंसे हुए हैं। हमारी कोशिश इस रेस्क्यू ऑपरेशन को 2-3 दिन में पूरा करने की है।

मजदूरों के परिजनों व अन्य श्रमिकों में बढ़ रहा गुस्सा

उत्तरकाशी के सिल्क्यारा टनल में फंसे 40 मजदूरों के परिजनों, स्थानीय लोगों एवं अन्य श्रमिकों का सब्र गुस्से में तब्दील हो रहा है। सभी सुरंग की कार्यदायी संस्था को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। कुछ श्रमिकों द्वारा बताया जा रहा है कि 12 नवंबर को सुरंग के 200 मीटर हिस्से का मलबा पहले हल्के से नीचे गिरा। इस जगह पर लगातार मलबा गिरता था और श्रमिक भीतर काम पर जाते वक्त यहां से बचकर निकलते थे। उस दिन जब हल्का मलबा गिरा तो एक शॉटक्रिट मशीन व एक बूमर मशीन काम कर रही थी

वैशाली एक्सप्रेस की बोगी में लगी आग, 12 घंटे में दूसरी घटना

ETAWAH : नई दिल्ली से बिहार के सहरसा जा रही वैशाली एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगने की वजह से 19 यात्री घायल हो गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाकर घायल यात्रियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। 11 यात्रियों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी रेफर किया गया है। 12 घंटे के भीतर ट्रेन में आग लगने की यह दूसरी घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार नई दिल्ली से बिहार के सहरसा जा रही वैशाली एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लग गई थी। दमकल की टीम ने आग को बुझाया।

पीएम के दौरे को लेकर पक्ष-विपक्ष आमने सामने

चुनावी था प्रधानमंत्री का दौरा : जेएमएम

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने प्रधानमंत्री के झारखंड दौरे को चुनावी दौरा बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में आदिवासी जनजाति के बारे में खूब भाषण दिया। लेकिन हास्यास्पद बात थी कि प्रधानमंत्री आदिवासी जीवन और परंपरा के बारे में उन्हें कुछ जानकारी नहीं है। झारखंड विधानसभा से सरना धर्म कोड का प्रस्ताव पास कर केंद्र को भेजा। लेकिन यह सिर्फ आदिवासी के नाम पर राजनीति करने आते हैं। उन्हें आदिवासी से कोई लेना देना नहीं है। भट्टाचार्य गुरुवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

सुप्रियो विक्षिप्त मानसिकता से ग्रस्त : भाजपा

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद समीर उरांव ने गुरुवार को झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान की कड़ी भर्त्सना करते हुए आक्रोश व्यक्त किया। उरांव ने कहा कि पर सुप्रियो भट्टाचार्य विक्षिप्त मानसिकता से ग्रस्त हो चुके हैं। इसलिए उनका इलाज मानसिक आरोग्य शाला कांके में कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, हैं जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु में जाकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा को इससे दिक्कत है।

मोदी की गारंटी का मतलब अडानी की 'गारंटी' : राहुल

कांग्रेस का मतलब मजदूरों-युवाओं की सरकार

AGENCY CHURU : कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को तारानगर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस और भाजपा में बहुत बड़ा फर्क है। नरेंद्र मोदी कहते हैं मोदी की गारंटी। मोदी की गारंटी का मतलब अडानी की गारंटी जबकि कांग्रेस का मतलब किसानों, मजदूरों और युवाओं की सरकार। यही फर्क है कांग्रेस और भाजपा की सरकारों में। जिले के तारानगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार नरेंद्र बुडानिया के समर्थन में चुनावी सभा में राहुल गांधी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के समय नरेन्द्र मोदी के कहने पर देश में थाली बज रही थी, लेकिन राजस्थान के घरों में फूड पैकेट मिल रहा था, दवाईयां मिल रही थी। मरीजों की रक्षा हो रही थी, क्योंकि हम गरीबों, किसानों और मजदूरों की सरकार चलाते हैं।

न्यूजक्लिक मामले में अमेरिकी कारोबारी को ईडी का समन

NEW DELHI : न्यूजक्लिक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एनफोर्समेंट डायेक्टरेट (ईडी) ने गुरुवार को अमेरिकन कारोबारी नेविल रॉय सिंघम को समन जारी किया है। एजेंसी के मुताबिक, सिंघम चीन के शंघाई में रह रहा है। इसलिए ईडी ने विदेश मंत्रालय की मदद से चीनी अधिकारियों को समन भेजा, ताकी वे उसे सिंघम तक पहुंचा सकें। ईडी ने ईमेल भेजकर क्यूबा-श्रीलंकाई मूल के सिंघम को भारत स्थित ऑफिस आकर अपने बयान दर्ज कराने के लिए कहा है। दरअसल, न्यूजक्लिक पर चीनी प्रोपेगेंडा फैलाने के बदले पैसे लेने का आरोप है। न्यूजक्लिक को खासतौर पर सिंघम की ओर से पैसे मिलने का आरोप है। पिछले साल भी ईडी ने सिंघम को समन जारी किया था, लेकिन चीनी अधिकारियों ने तब यह समन स्वीकार करने से मना कर दिया था।

रॉकेट एलवीएम 3 एम4 क्रायोनिक का हिस्सा 5 महीने बाद लौटा वापस, प्रशांत महासागर में गिरा

चंद्रयान-3 के रॉकेट का हिस्सा नियंत्रण से बाहर

AGENCY NEW DELHI : चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान को इस साल के जुलाई महीने में पृथ्वी से करीब 36,000 किलोमीटर की दूरी पर भेजने वाला रॉकेट एलवीएम 3 एम4 क्रायोनिक करीब पांच महीने बाद वापस लौट आया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात करीब 2.30 बजे के आसपास इस रॉकेट का एक हिस्सा अनियंत्रित होकर अमेरिका के पास प्रशांत महासागर में गिर गया। इसरो ने कहा कि इस पर नियंत्रण नहीं किया जा सकता था।

प्रशांत महासागर में गिरने वाला रॉकेट एलवीएम-3 एम4 क्रायोजेनिक का ऊपरी हिस्सा था।

पांच महीने से पृथ्वी का लगा रहा था चक्कर

इसरो ने इस बात की पुष्टि की है कि चंद्रयान-3 को पृथ्वी के ऊपर करीब 133 किलोमीटर*35,823 किलोमीटर की कक्षा में स्थापित करने वाला क्रायोजेनिक रॉकेट का ऊपरी हिस्सा करीब पांच महीने बाद वापस लौट आया है और अमेरिका के पास प्रशांत महासागर में जाकर गिरा। इसरो ने बताया कि रॉकेट के इसी हिस्से ने चंद्रयान-3 को उसकी कक्षा में स्थापित किया था। इसके बाद यह पृथ्वी के चारों को चक्कर लगाते हुए इसके नजदीक आ रहा था। इसरो ने जानकारी दी कि 15 नवंबर 2023 की देर रात पौने तीन बजे के आसपास चंद्रयान-3 के रॉकेट का ऊपरी हिस्सा अमेरिका के तट से दूर उत्तरी प्रशांत महासागर में गिरा। नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड इसे ट्रैक कर रहा था। उसने ट्रैकिंग के बाद इसरो से बातचीत करके अंतरिक्ष से धरती पर आने वाली वस्तु की पहचान की। इसरो ने इस बात की पुष्टि भी कर दी है।

124 दिनों में लौटा वापस

इसरो ने इंटर-एजेंसी स्पेस डेबरी कॉर्डिनेशन कमेटी (आईएडीसी) को बताया कि यह बात पहले से तय थी कि पृथ्वी की निचली कक्षा से किसी भी चीज को वापस लौटने में करीब 124 दिन लगते हैं। एलवीएम-3 एम4 रॉकेट का ऊपरी हिस्सा भी अनुमानित 124 दिन में ही वापस लौटा है। इसरो ने बताया कि धरती पर लौटते समय रॉकेट के ऊपरी हिस्से से किसी प्रकार के नुकसान से बचाने के लिए अंतरिक्ष में ही इसका पैसिवेशन कर दिया गया था।

सर्दी और सौंदर्य

त्वचा की करें विशेष देखभाल

दीपावली के बाद ही हल्की-हल्की सुहावनी ठंड दस्तक देने लगती है। मौसम में आए इस परिवर्तन के साथ ही त्वचा भी अपना रंग बदलने लगती है। मौसम में आया बदलाव कई समस्याओं को जन्म देता है। सर्दी का मौसम आते ही त्वचा के रूखेपन की समस्या सबसे प्रमुख होती है। त्वचा के साथ ही हमारे बाल भी ड्राय होने लगते हैं। सर्दियों में हमारी त्वचा किसी भी क्रीम या तेल को जल्दी सोखकर फिर से रुखी हो जाती है, जिससे सर्दियों में त्वचा को सुरक्षित रखना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। इस मौसम में पैरों में बिवाईयाँ, होठ फटना, रूखे बाल होना आदि समस्याएँ आम होती हैं। यदि इस मौसम में त्वचा को साज-संभालकर रखा जाए तो वर्ष भर त्वचा पर अधिक ध्यान नहीं देना पड़ता है। पोषक आहार, मेकअप टिप्स और कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर सर्दियों में भी आप अपनी त्वचा को जवाँ-जवाँ रखकर अपने सौंदर्य को बरकरार रख सकते हैं।

त्वचा में लाए निखार

1) टमाटर को काटकर उसका रस अपने चेहरे व होठों पर लगाएँ।
2) ग्लिसरिन में नींबू व पानी की थोड़ी मात्रा मिलाने से त्वचा नहीं फटती है।
3) संतरे व नींबू के छिलकों का पावडर दही व बेसन के साथ मिलाकर लगाने से त्वचा में चमकदार होती है।
4) सर्दियों में पैडीक्योर व मैनीक्योर जरूर कराएँ।
5) घर हो या बाहर पैरों में मोजे जरूर पहनें।

भोजन में करें शामिल

1) सलाद व सूप हमारी त्वचा व शरीर दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। इनका नियमित सेवन त्वचा में रंगत लाता है।
2) जहाँ तक हो सके जंक फुड का सेवन करने से बचें।
3) जितना अधिक हो सकें, पानी का सेवन करें।
4) रोज सुबह उठकर नींबू का रस या आँवले के रस को शहद मिलाकर पिएँ।
5) सुबह के नाश्ते में अंकुरित दालों को शामिल करें।

सर्दियों में सेहत की देखभाल

जाड़े के मौसम को आम तौर पर स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार इस मौसम में जठराग्नि प्रबल होती है। भोजन ठीक से पचता है और शरीर में %धातु निर्माण% अच्छा होता है।

खुली हवा से बचें

सर्दियों की हवा में नमी का प्रवाह रहता है। ठण्डी हवा के संपर्क में आने से छाती का जल कफ के रुप में जम जाता है। इससे छाती, गले तथा नाशिका में संक्रमण फैलता है। जिसे जुकाम व नजला कहते हैं। इसके कारण बुखार, निमोनिया तथा खांसी हो जाती है। इससे बचने के लिसे जरुरी है कि खुली हवा के सम्पर्क में आने से जितना बचा जाये उतना ही अच्छा है।

व्यायाम करें?, चुस्त रहे

सर्दियों में निष्क्रियता सबसे खतरनाक होती है। इस मौसम में खूब शारीरिक परिश्रम करना चाहिए तथा नियमित व्यायाम करें। इससे शरीर की रोगप्रतिरोधात्मक शक्ति का विकास होता है तथा वातावरण में फैले बैक्टीरिया से लड़ने की शक्ति मिलती है। सर्दियों में अधिकांश लोग घरों के अन्दर दुबक कर बैठे रहते हैं जिससे उनको भोजन पचाने में कठिनाई हो सकती है। यही नहीं इस मौसम में सर्वाधिक गरिष्ट पदार्थों का सेवन किया जाता है जिसके कारण पेट बाहर आ जाता है। इस मौसम में जितना अधिक गरिष्ठ भोजन किया जाता है उसे पचाने के लिये उतना ही शारीरिक परिश्रम करने की जरुरत होती है। इस लिये स्वस्थ रहने के लिये आवश्यक है, खूब परिश्रम करें।

धूप का भरपूर आनन्द लें

सर्दियों की धूप वैसे भी काफी सुहावनी लगती है। धूप से विटामिन डी भरपूर मात्रा में मिलता है जो त्वचा के लिये सबसे अनुकूल आहार है। धूप से सुस्त पड़ी त्वचा को ऊर्जावान आहार मिलता है। इस लिये सुबह उगते सूर्य की किरणों का भरपूर आनन्द लेना नहीं भूलें। इससे जहां मन को सुकून मिलता है वहीं शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा मिलती है। इससे रोगप्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ती है। सर्दियों में अधिक समय तक अंधेरे में नहीं रहना चाहिए। इससे हमारा इम्यून सिस्टम बिगड़ सकता है। सर्दियों में पानी खूब पीना चाहिए। यह शरीर के लिये शोधक के रुप में काम करता है। इससे अंदरुनी सफाई हो जाती है।

सांस संबंधी रोग

जो लोग खासी, नजला, एलर्जी व सांस से संबंधित रोगों से पीड़ित हैं, उन्हें गर्म जल से स्नान करना चाहिए। ऐसे लोगों को अदरक, लहसुन, अजवायन डालकर सब्जियों के सूप पीने चाहिए। हर दिन च्यवनप्राश का सेवन करना भी हितकर है। कमजोर लोगों, बच्चों व वृद्धों को हर रोज सुबह-शाम शहद का सेवन करना चाहिए।

सर्दियों में स्वस्थ रहने के सूत्र

सर्दियों को स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अनुकूल मौसम माना जाता है। इस सीजन में पाचन शक्ति काफी मजबूत रहती है, भूख बढ़ती है, संक्रमण फैलाने वाले वायरस निष्क्रिय हो जाते हैं तथा व्यक्ति तुलनात्मक रुप से अधिक स्वस्थ रहता हैं लेकिन सर्दियां हृदय, अस्थमा, जोड़-हड्डी तथा एलर्जी के रोगियों के लिये कई चुनौतियां पैदा करती है जिनका इस मौसम में खास ध्यान रखने की जरुरत होती है। सर्दियों में रक्त धमनियां सिकुड़नें के कारण सर्वाधिक हृदयघात होते हैं। सर्दी को सबसे अधिक स्वास्थ्यकारी मौसम कहा जाता है। पश्?चिमी देशों के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के पीछे वहां का ठण्डा मौसम तथा सुखद तापमान जिम्मेवार है। हमारी कुछ लापरवाही के कारण ही इस मौसम में रोग घेरता है। यहां सर्दियों में स्वस्थ रहने के सात नुस्खे दिये जा रहे है जिनका अनुसरण कर शरद ऋतु का पर्याप्त आनन्द लिया जा सकता है।

वार्म ड्रेसअप

इस मौसम में कभी सर्दी कम तो कभी ज्यादा होती है। इस लिये कपड़े पहनने में लापरवाही न करें। सर्दी कम रहने पर भी गर्म कपड़े से परहेज न करें। सिर, हाथ तथा पैरों को कवर करने का खास ख्याल रखें क्योंकि शरीर में ठण्ड का प्रकोप सबसे पहले सिर, पैर, नाक,छाती व कान से शुरू होता है।

गरम भोजन व पेय

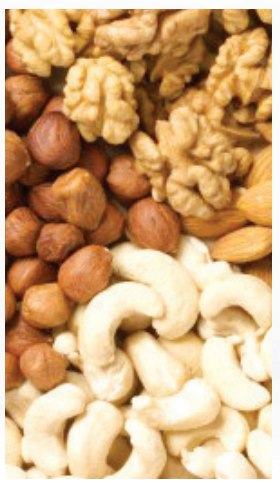

भारतीय परम्पराओं व रीति रिवाजों में मौसम के हिसाब से खान-पान निर्देशित है। सर्दियों में शीतल पेय, आइसक्रीम, दही की लस्सी आदि ठण्डे पदार्थों को सेवन पूरी तरह से त्यागना चाहिए। इसके स्थान पर कॉफी, दूध, छाछ, सूप, हलवा आदि ऊर्जावान खाद्य व पेय पदार्थों का सेवन कर?।

लहसुन एक औषधीय पदार्थ है जिसके प्रयोग से छोटी-बड़ी बीमारी में लाभ होता है। लहसुन का नियमित सेवन हृदय व एलर्जी के रोगियों के लिये अमृत समान लाभकारी है। लहसुन में पाया जाने वाला सल्फाइड्स रक्तचाप कम करने में मदद करता है। लहसून वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने के लिये भी ऊर्जा प्रदान करता है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण इन्फे क्शन से लड़ने में मदद करते हैं। यह सर्दी, जुकाम और कफ समस्या का कारगर इलाज है। यह एक चमत्कारिक गुणों वाली औषधि है। सर्दियों में मेथी दाने का नियमित इस्तेमाल अस्थमा, गठिया, एसिडिटी, कफ आदि की कारगर औषधी है। मेथी रक्त ग्लूकोज और कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित क रती है। डायबिटीज रोगियों के लिए बहुत ही लाभकारक माना गया है।

मदिरा से परहेज

कुछ लोग सर्दी से बचने के लिये मदिरा का सहारा लेते हैं लेकिन ध्यान रखें कि मदिरा पी कर कभी भी बाहर नहीं घूमना चाहिए। मदिरा से शरीर में गरमाहट आती है परन्तु खुलें में घूमने शरीर का तापमान असामान्य हो सकता है जो किसी बड़े स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

नियमति शरीर की सफाई

सर्दियों में लोग नहाने से बचते हैं। पानी से दूरी बनाये रखते हैं। जबकि इस मौसम में गुनगुने पानी से हर दिन स्नान करना चाहिए। इससे हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत रहता है। सार्दियों में शरीर की उपरी त्वचा का तापमान ठण्डा व अन्दरुनी गरम रहता है। सर्दियों में रक्त धमनियां सिकुड़ जाती है। स्नान से त्वचा चेतन होती है तथा बैक्टीरियों से मुक्ति मिलती है। गर्म पानी में तुलसी के पत्ते, अजवायन, मेथी आदि पका कर स्नान करने से त्वचा खुष्क व मुरझाती नहीं हैं।

रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाएं

जो लोग अपनी रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाना चाहते हैं, उन्हें सर्दियों में पौष्टिक भोजन अपनी पाचन शक्ति के अनुसार करना चाहिए। गाजर, शलजम, मूली, लौकी, पालक, मेथी, बथुआ आदि को आहार में स्थान देने और इनका सूप बनाकर पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसके अलावा बादाम, अखरोट, खजूर व किशमिश का सेवन दूध के साथ करने से भी हमारे शरीर का रोग प्रतिरोधक तत्र मजबूत होता है। गाजर, चुकंदर, आवला व पालक के जूस में पुदीने के रस को डालकर दिन में पीने से शरीर में पर्याप्त मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट्स प्राप्त होते हैं। ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को विभिन्न रोगों से बचाते हैं।

मौसम का दूसरा पहलू

अपनी अनेक खामियों के साथ सर्दियों का मौसम बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर लोगों के लिए तकलीफें भी पैदा करता है। इसी तरह उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, दमा व जोड़ों के दर्द से पीड़ित लोगों के लिए भी यह मौसम चुनौतियां पैदा करता है। ऐसे लोगों को इस मौसम में अपने चिकित्सक से परामर्श लेकर खान-पान और सेहत संबंधी अन्य बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, गर्दन दर्द और मासपेशियों में दर्द की शिकायत से ग्रस्त लोगों को नियमित रूप से पूरे शरीर में गुनगुने तिल के तेल से मालिश करनी चाहिए। इसके अलावा सौंठ व मेथी का बराबर मात्रा में चूर्ण बनाकर इस मिश्रण में से एक-एक चम्मच सुबह व शाम सेवन करना चाहिए। उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों को योगासन, सुबह की सैर और हल्का व्यायाम करना चाहिए। नित्य एक चम्मच लहसुन का रस, एक चम्मच प्याज का रस और एक चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार सेवन करें। प्रातःकाल एक कप पानी में अर्जुन की छाल उबालकर छानकर पिएं।

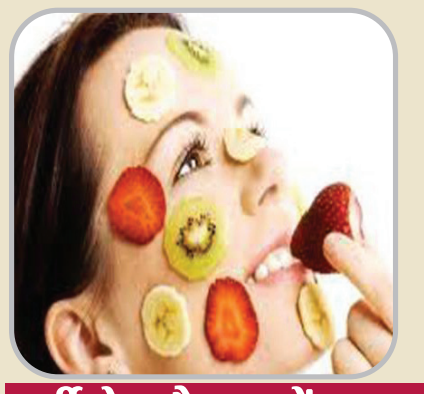

सर्दी के मौसम में त्वचा की सामान्य देखभाल

सर्दी का मौसम प्रारम्भ हो रहा है,कुछ विशेष प्रकार की समस्याएं इस मौसम में होती है। यदि पहले से ही कुछ सावधानी बरती जाए तो हमारी सर्दी भी सुहानी हो सकती है।प्रमुख रूप से निम्नांकित समस्याएं त्वचा में सर्दी के साथ प्रारम्भ होती है।

एड़ी फटना, त्वचा का सूखना, सूर्य के प्रकाश से एलर्जी, रूसी

इनमें से हम एक एक कर इन समस्याओं के बारे में बात करेंगे.एडी फटने के बारे में हम पिछली पोस्ट में बात कर चुके हैं आशा है कुछ लोगों को इससे अवश्य ही लाभ होगा.आज हम सूखी तव्चा देगे ऐरोसिस के बारे में जानेंगे।

सितंबर के अंत से अक्टूबर के प्रारंभ तक कभी भी सर्दी का मौसम प्रारंभ हो सकता है,और जैसे ही वातावरण में हल्की सी भी ठंडक आने लगती है। त्वचा की चिकनाइ या नमी कम होने लगती है संभवतया मौसम के रूखे पन से ये संभव है, एक त्वचा विज्ञानी होने के नाते मैं ये जानता हूं कि सर्दी के प्रथम सप्ताह में ही किसी भी चर्म रोग चिकित्सक के पास पहुंचने वाले मरीज त्वचा के रूखेपन से परेशान होते हैं। इसके कारण फटी फटी सी लगती है, लाल हो जाती है और जलन होने लगती है। कई बार खूजली करते करते मरीज बेहाल हो जाता है और इससे संक्रमण होकर फोड़े-फुंसी भी बन सकते हैं। छोटे बालकों में और खासकर जिनके एटोपी अर्थात एलर्जी की समस्या रहती है उनमें तो ये बहुत ही गंभीर रूप से होती है।

उपचार

सामान्यतया हम इसे खुजली की समस्या मान लेते हैं और अधिकतर फैमिली फिजिशियन भी इसे इस रूप में ही देखते हैं, और उपचार करने का प्रयास करते हैं। त्वचा के रूखे पन की समस्या माइस्चराइजर, पेट्रोलियम जेली, ग्लिसरीन आदि चीजों से बड़ी आसानी से ठीक हो सकती हैं।

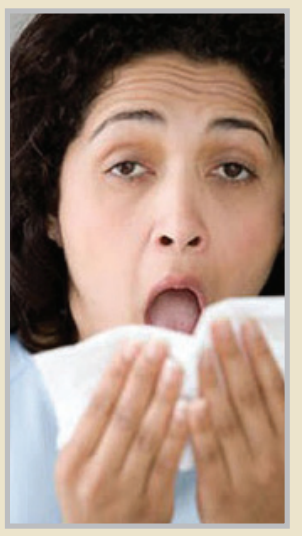

कुछ सावधानियां जो लगाने के समय ध्यान रखनी चाहिए जैसे नहाने के बाद शरीर को तौलिये से ज्यादा न रगड़ें बल्कि हल्के हाथ से पेट ड्राय करें, जिससे कुछ नमी त्वचा में बाकी रहे। पैट्रोलियम जैली यथा वैसलीन जैसे पदार्थ त्वचा पर एक परत बना देते हैं जिससे नमी और चिकनाई शरीर पर बनी रहती है। ग्लिसरीन जैसे पदार्थ हाइग्रोस्कोपिक होते हैं जो त्वचा में उपलब्ध पानी के साथ जुडकर पानी को अधिकाधिक समय तक तव्चा में बनाए रखते हैं। चेहरे पर लगाते समय सावधानी रखें कि चिकनाइ वाली चाज न लगाकर प्रकृति वाली 15 से 25 वर्ष की उम्र में क्योंकि मुंहांसे होने का भी डर होता है इसलिए कम चिकनाई वाली चीज जैसे कोल्ड क्रीम का उपयोग करना चाहिए और फिर भी यदि लगे की थोडी बहुत फुंसियां जैसी निकल रही है तो किसी तव्चा विशेषज्ञ से बात करनी चाहिए,

ध्यान रहे कि यहां मैं जो भी बता रहा हूं वे सब सामान्य उपाय हैं जिनसे हम लाभ उठा सकते हैं। यदि कुझ ज्यादा ही समस्या है तो विशेषज्ञ से निश्चित ही मिलें, कोई भी मॉश्चराइजर काम लें पर ध्यान रखें कि जहां ठीक ठाक ठण्ड पडती है वहां दो तीन महीने कम से कम लगाना पडता है इसलिये ज्यादा महंगा नहीं हो,ज्यादा सुगंध वाला नहीं हो अन्यथा एलर्जि शुरु हो जाती है,और नहाने के तुरंत बाद ईसे लगावें क्योंकि तब त्वचा में उपस्थित नमी ही हमें लंबे समय तक इस समस्या से बचाती है। आने वाली कड़ियों में हम ऊपर लिखी अन्य समस्याओं के बारे में बात करें।

पीएम का काफिला रोकने वाली महिला को भेजा सलाखों के पीछे

आईपीसी की धारा 341, 283, 353, 186 के तहत दर्ज किया गया मामला

CRIME REPORTER RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारकेड में प्रवेश करने वाली महिला संगीता झा को गुरुवार को जेल भेज दिया गया। महिला के खिलाफ गुरुवार को एफआईआर दर्ज की गई। इसको लेकर एसपीजी ने रांची पुलिस से रिपोर्ट मांगी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री की ड्यूटी पर तैनात इंस्पेक्टर विनोद पासवान ने रांची के कोतवाली थाना में महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। प्राथमिकी में कहा गया है कि संगीता झा द्वारा किया गया कृत्य एक गंभीर अपराध की श्रेणी में है। इस संबध में कोतवाली थाने में कांड संख्या 385/23 किया गया। प्राथमिकी में आईपीसी की धारा 341, 283, 353, 186 लगाई गई है। महिला पुलिस पदाधिकारी ने पूछताछ के दौरान अनुसंधान के क्रम में संगीता झा को न्यायालय में प्रस्तुत किया जहां से संगीता झा को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पीएम नरेंद्र मोदी की लैंड क्रूजर कार के समाने आई मलि को हटाती पुलिस।

काफिला के सामने आ गई थी महिला

पीएम नरेंद्र मोदी का काफिला बुधवार की सुबह करीब नौ बजे राजभवन से निकलकर रांची एसएसपी आवास से होकर रेडियम रोड से गुजर रहा था, इस दौरान गार्डन फ्रेश नामक दुकान के ठीक सामने पीएम की लैंड क्रूजर कार वहां पहुंची तो उसी समय संगीता झा नामक महिला सुरक्षा घेरे को तोड़कर पीएम की गाड़ी के सामने पहुंच गई। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने आनन-फानन में महिला को पीएम के कारकेड से बाहर निकाला। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपीजी ने रांची पुलिस से रिपोर्ट मांगी थी। इस मामले में कार्रवाई करते हुए बुधवार रात ही मौके पर तैनात एक एएसआई अबु जफर, एक हवलदार छोटेलाल टुडू और एक सिपाही रंजन कुमार को रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने निलंबित कर दिया। महिला को हिरासत में लेने के बाद उससे कड़ाई से पूछताछ की गई है। उसके बैकग्राउंड के बारे में भी रांची पुलिस ने पूरी जानकारी इकट्ठा की। बताया जाता है कि महिला पति से परेशान थी। वह प्रधानमंत्री से मुलाकात करने दिल्ली भी गई थी। बुधवार को जब उसे जानकारी मिली कि प्रधानमंत्री रेडियम रोड से होकर गुजरने वाले हैं तब वो दौड़ कर उनके काफिले में घुस गई।

सुरक्षा पर चूक : बाबूलाल मरांडी ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

RANCHI : सुरक्षा में हुई चूक को लेकर भाजपा ने सवाल खड़ा किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी और भाजपा विधायक दल के नेता अमर कुमार बाउरी सहित अन्य ने भी चिंता जाहिर करते इसकी जाँच की मांग की है। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी बात रखते कहा है कि प्रधानमंत्री की गाड़ी के ठीक सामने किसी व्यक्ति का अचानक से आ जाना सुरक्षा की भारी चूक है। हमारा देश पहले भी कई बड़े हादसे देख चुका है। ऐसे भी यह चूक नजरंदाज के योग्य बिलकुल भी नहीं है हेमंतजी। बाबूलाल ने पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जाँच होनी चाहिए क्योंकि जो राज्य अपने प्रधानमंत्री को ढंग से सुरक्षा नहीं दे सकता, वो आम आदमी को क्या सुरक्षा देगा?

हो एनआइए से जांच

अमर बाउरी ने भी सोशल मीडिया के जरिये पीएम मोदी के काफिले में अचानक से एक महिला के सामने आने की घटना पर रोष जाहिर किया है। इस पर सवाल खड़ा करते इसे हादसा, संयोग या प्रयोग की कैटेगरी में रखा है। कहा है कि झारखंड में एक ओर कुंठित मानसिकता वाले कांग्रेसी लगातार प्रधानमंत्रीजी के दौरे को लेकर अनाप झ शनाप झ आग उगल रहे हैं, और अब अचानक से प्रधानमंत्रीजी की गाड़ी के समक्ष एक महिला दौड़कर आ जाती है। मिली जानकारी के मुताबिक सरकार ने इस बेहद ही गंभीर मामले पर महिला मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थी कह कर लीपा पोती कर दिया। इससे पूर्व पंजाब की कांग्रेस सरकार ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का कुंठित प्रयास किया था। बाउरी के मुताबिक राज्य सरकार महज खानापूर्ति ना कर उच्च स्तरीय कमेटी से मामले की जांच करवाए।

बिना पूर्वानुमति लिए झारखंड के आईपीएस कर रहे विदेश यात्रा, राज्य सरकार ने लिया संज्ञान, डीजीपी को लिखा पत्र

CRIME REPORTER RANCHI : सरकार से बिना पूवार्नुमति लिए झारखंड के कई आईपीएस अधिकारियों द्वारा विदेश यात्रा किया गया है। इस मामले को राज्य सरकार द्वारा गंभीरता से लिया गया है। जिसके बाद सरकार के उप सचिव अजय कुमार द्वारा झारखंड के डीजीपी को पत्र लिखा गया है। लिखे पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार के समक्ष कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें विदेश यात्रा के लिए सरकारी सेवक द्वारा सरकार से पूवार्नुमति नहीं ली गई। जबकि कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी आदेश में साफ तौर पर कहा गया है कि विदेश यात्रा के लिए सरकारी सेवक द्वारा सरकार से पूवार्नुमति लेना आवश्यक है।

स्वीकृति से पूर्व ही दी जाती है टिकट बनवाने या यात्रा की जानकारी : अधिकारियों और कर्मचारियों कफ विदेश यात्रा की स्वीकृति हेतु प्रकरण निदेशालय को प्राप्त होते हैं। प्रायः यह देखा गया है कि निदेशालय को प्रकरण कार्मिक द्वारा की जाने वाली विदेश यात्रा प्रारंभ होने की तिथि से ठीक पूर्व या कई बार उस तिथि के उपरांत प्राप्त होते हैं। कार्मिकों द्वारा सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने से पूर्व ही यात्रा का टिकट बनवाने या यात्रा प्रारंभ किए जाने की जानकारी दी जाती है। विभाग की आवश्यकता और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुमति देते हुए प्रस्तावित तिथियों में बदलाव या कमी की जा सकती है, जिससे उन्हें असुविधा होती है।

विदेश यात्रा के लिए ये हैं निर्देश

- सरकारी सेवक को विदेश यात्रा पर जाने के कम से कम तीन सप्ताह पूर्व सरकार को जानकारी देनी होगी।
- विदेश यात्रा के लिए विभागाध्यक्ष की पूर्व अनुमति आवश्यक है। स्वीकृति जारी किए जाने से पूर्व यात्रा कार्यक्रम स्वीकृत मानकर उसे अंतिम रूप नहीं दिया जाए।
- विदेश यात्रा कार्यक्रम इस प्रकार बनाया जाए कि उनकी यात्रा से पदीय दायित्वों में व्यवधान पैदा ना हो। यथासंभव अवकाश अवधि में ही विदेश यात्रा के लिए कार्यक्रम बनाएं।
- विदेश यात्रा की अनुमति के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है, कि अवकाश स्वीकृति के निर्धारित समय पश्चात यदि कार्मिक कर्तव्य स्थान पर उपस्थित नहीं होता है तो कर्तव्य से अनुपस्थित मानते हुए संबंधित के खिलाफ आरएसआर 1951 के नियम 86 के प्रावधान के अनुसार, अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
- विदेश में स्वीकृत अवकाश अवधि से अधिक नहीं ठहरेंगे।
- विदेश से भिजवाए गए त्यागपत्र को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

अमन साहू गिरोह के नाम पर पशु कारोबारी से मांगी रंगदारी, दो अपराधियों का पुलिस ने दबोचा, गए जेल

CRIME REPORTER RANCHI : जेल में बंद अपराधी अमन साहू के नाम पर पशु कारोबारी से रंगदारी की मांगी गयी है। नगड़ाटोली के रहने वाले पशु कारोबारी राणा राहुल कुमार सिंह से अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने फोन कर रंगदारी मांगी है। रंगदारी नहीं देने पर राणा राहुल कुमार सिंह और उनके परिवार के सदस्य को खत्म करने की भी धमकी दी गयी है। इस संबंध में राणा राहुल कुमार सिंह ने लालपुर थाना में रंगदारी मांगने व धमकी मिलने की प्राथमिकी दर्ज करायी है। पशु कारोबारी ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि उन्हें पहली बार

धमकी वाला फोन 12 अक्टूबर को आया। उनके मोबाइल पर शाम के 4 बजकर 22 में कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मयंक सिंह बताया। उसने कहा कि वह अमन साहू गिरोह से बोल रहा है। मयंक सिंह ने राणा राहुल सिंह को धमकी देते हुए कहा कि वे जो कह रहे हैं, उसे पूरा करो, नहीं तो उनको व परिवार के सदस्यों को मार दिया जायेगा। मयंक सिंह ने दूसरी बार कारोबारी को 14 अक्टूबर की शाम 3.53 बजे कॉल कर धमकी दी। इस बार उसने कारोबारी को कहा कि वह उसकी बातों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसका अंजाम उन्हें भुगतना होगा। पुलिस ने इस मामले में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

मयंक सिंह से हुई बातचीत का मिला चैट

लालपुर थाना पुलिस ने रंगदारी मांगने के मामले में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में बिहार के पटना के बख्तियारपुर थाना निवासी मुकेश सिंह उर्फ खली और पटना के अठमलगोला थाना निवासी आकाश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों ने पूछताछ में बताया कि कुख्यात अपराधी अमन साव के सहयोगी मयंक सिंह के गैंग से जुड़े है। पूर्व में मुकेश सिंह उर्फ खली अपहरण और आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है। एसपी ने बताया कि दोनों के पास से दो मोबाईल फोन बरामद किया गया है। बरामद मोबाइल से मयंक सिंह से हुई बातचीत का सारा चैट बरामद किया गया है। दोनों अपराधियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

झारखंड विस का स्थापना दिवस 22 नवंबर को, तैयारियां जोरों पर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा की 23वीं वर्षगांठ 22 नवंबर है। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो के नेतृत्व में समारोह को यादगार बनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। 23 नवंबर को बॉलीवुड सिंगर जावेद अली और गजल गायक कुमार सत्यम अपने सुरों से समा बांधेंगे जबकि बीच-बीच में रविंद्र सोनी हास्य का तड़का डालेंगे। विधानसभा स्थापना दिवस समारोह की शुरूआत पूर्वाह्न 11:00 बजे राज्यपाल के गार्ड ऑफ ऑनर से शुरू होगी। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन करेंगे और मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे। दीप प्रज्वलन के बाद चयनित उत्कृष्ट विधायक और विधानसभा के उत्कृष्ट कर्मी सम्मानित किए जाएंगे। इसके बाद देश की सीमा पर और नक्सल अभियान में शहीद और शांतिकाल में वीरता प्राप्त झारखंड के बहादुर पुलिसकर्मियों और जवान सम्मानित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अगले पड़ाव में राज्य के खिलाड़ियों और 10वीं, 12वीं समेत अन्य शैक्षणिक संस्थान के टॉपर छात्र-छात्राएं सम्मानित होंगे। साथ ही सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाले राष्ट्रपति पदक से सम्मानित और चंद्रयान-3 मिशन में भूमिका निभाने वाले राज्य के वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान 12:50 बजे त्रैमासिक पत्रिका उड़ान समेत अन्य पुस्तकों का विमोचन होगा।

जेएससीए स्टेडियम में कल से शुरू होगा लीजेंड्स लीग क्रिकेट

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) स्टेडियम में 18 नवंबर से लीजेंड्स लीग क्रिकेट का उद्घाटन मैच 18 नवंबर को होगा। जेएससीए को पांच मैचों की मेजबानी मिली है। यह क्रिकेट लीग नौ दिसंबर तक चलेगा। इसमें क्रिकेट जगत के खिलाड़ी दिखाई देंगे। एलआईसी ने इस सीजन के टिकटों की बिक्री होना शुरू हो गई है। जेएससीए में आयोजित सभी मुकाबले के टिकट पेटीएम और पेटीएम इनसाइडर पर उपलब्ध है। रांची में सभी मैच जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे और टिकटों की कीमत 249 रुपये से शुरू होगी। पेटीएम और पेटीएम इनसाइडर से अहम साझेदारी कर उन्हें एक्सक्लूसिव टिकटिंग पार्टनर बनाया है। भारत के पांच शहरों देहरादून, रांची, जम्मू, विशाखापत्तनम और सूरत में होने वाले ये मैच यादगार बनने वाले हैं। टूनार्मेंट के टिकट जल्द ही पेटीएम और पेटीएम इनसाइडर से खरीदे जा सकेंगे। एलएलसी-2023 का उद्घाटन मैच 18 नवंबर को रांची के जेएससीए स्टेडियम में इंडिया कैपिटल्स और भीलवाड़ा किंग्स के बीच होगा। मैच शाम सात बजे से शुरू होगा। टूनार्मेंट के पहले मैच में 18 नवंबर को पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर (इंडिया कैपिटल्स) और इरफान पठान (भीलवाड़ा किंग्स) बतौर कप्तान आमने-सामने होंगे।

गागल, नारियल, सूप, दौरा, मिट्टी के कलश, फल सहित अन्य की जमकर हो रही ब्रिकी

छठ महापर्व पर पूजा सामग्री से सजा बाजार

PHOTON NEWS RANCHI : लोक आस्था के महापर्व छठ पर राजधानी रांची के जिला स्कूल परिसर में छठ उपयोगी सामानों की दुकानें सज गई हैं। गागल, नारियल, सूप, दौरा, मिट्टी के कलश, फल, आम का लकड़ी सहित अन्य पूजा के समान बिक रहे हैं। छोटू कुमार गागल बेच रहे हैं। दो पीस गागल की कीमत 60 रुपये है। वह समस्तीपुर से जिला स्कूल परिसर में दुकान लगाने आए हैं। सभी गागल को मुजफ्फरपुर से लेकर पहुंचे हैं। बिक्री आज से ही शुरू हो गई है। भोला साव सुखदेव नगर चूना भट्टा निवासी नारियल बेच रहे हैं। दो नारियल 50 रुपये में बेंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि 30 साल से यह काम कर रहा हूं। बिक्री शुरू हो गई है। संतोष कुमार अपर बाजार के गाड़ी खाना के रहने वाले हैं। पिछले पांच साल से पूजा के सामग्री का दुकान जिला स्कूल परिसर में लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूजा के सभी सामान हमारे यहां उपलब्ध हैं। अखरोट एक पीस तीन रुपये, जाफर एक पीस तीन रुपये, सुपारी एक पीस एक रुपये, कमल गट्टा एक पीस एक रुपये, पिस्ता बादाम एक रुपए एक पीस, किशमिश 200 रुपये एक किलो, काजू 600 रुपये एक किलो, छुहारा 350 रुपये एक किलो, एक बंडल अलता पत्ता पांच रुपये, मखाना 700 रुपये किलो, बड़ी इलायची एक पीस एक रुपये में बेंच रहे है।

रांची के बाजार में खरीदारी करते लोग।

ये है कीमत

बाजार में स्पेशल सूप एक पीस 180 रुपये, नॉर्मल सूप एक पीस 120 रुपये, लकड़ी का पंखा एक पीस 40 रुपये, सुपली एक पीस 70 रुपये, मजबूत दौरा एक पीस 650 रुपये, छोटा दौरा एक पीस 350 रुपये, डाला बड़ा एक पीस 350 पीस, डाला छोटा एक पीस 250 रुपये, डाला चौड़ा एक पीस 170 रुपये में बिक रहे हैं।

BRIEF NEWS

हटिया दुर्गा पूजा के उपाध्यक्ष के घर में चोरी

RANCHI : जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति के उपाध्यक्ष भोला यादव के घर का ग्रिल काटकर चोरी करने का मामला गुरुवार को प्रकाश में आया है। घर के कीमती समानो की चोरी हुई है। घटना जगरनाथपुर थाना के हेसाग डॉन बोस्को स्कूल के पीछे की है। बताया जाता है कि भोला यादव सपरिवार छठ मनाने अपने पैतृक गांव बिहार के सिवान गए हैं और इसका फायदा उठाते हुए चोरों ने खाली घर पाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस का कहना है कि चोरों ने कितने रुपए की और किन सामानों को चोरी की है यह भोला यादव के आने के बाद ही पता चल पाएगा। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

जैक 10वीं बोर्ड : ऑनलाइन फॉर्म भरने की तिथि जारी

RANCHI : जैक बोर्ड 10वीं की परीक्षा फरवरी 2024 में होनी है। परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन आज से शुरू हो गया है। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 2 दिसंबर तक है। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि छह दिसंबर है। छात्र चालान के माध्यम से इसे जमा कर सकते हैं। वहीं विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि तीन दिसंबर से नौ दिसंबर तक है। बैंक चालान से शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 दिसंबर निर्धारित है।

थिंक-2024 कार्यक्रम आज

RANCHI : रांची के होटल बीएनआर चाणक्या में शुक्रवार को थिंक- 2024 का आयोजन किया गया है। झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल ने गुरुवार को बताया कि 17 नवम्बर को शाम 6 बजे होटल बीएनआर चाणक्य में थिंक- 2024 कार्यक्रम शुरू होगा। मुख्य अतिथि के रूप में आल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष सह सांसद डा. शशि थरूर और शिवसेना महाराष्ट्र के विधायक पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे सहित अन्य लोग उपस्थित होंगे।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

माकपा की उलगुलान रैली आज

RANCHI : माकपा की रांची जिला कमेटी 17 नवंबर को बुंडू में उलगुलान रैली और जनसभा आयोजित करेगी। इसमें पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य डॉ अशोक ढावले और राज्य सचिव प्रकाश विप्लव के अलावा राज्य कमेटी सदस्य सुरेश मुंडा, सुफल महतो, रंगोवती देवी मुख्य वक्ता होगें। माकपा के जिला सचिव सुखनाथ लोहरा ने गुरुवार को कहा कि रैली की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है। पंचपरगना क्षेत्र के राहे, बुंडू, सोनाहातू, अनगड़ा और तमाड़ प्रखंड के विभिन्न गांवों में रैली की सफलता के लिए पार्टी कार्यकर्ता सघन अभियान चला रहे हैं। रैली की मुख्य मांगों में खाद्य सुरक्षा में भारी अनियमितता, मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप वन पट्टा के लिए ग्राम सभा आयोजित कर वन समितियों के गठन काम में तेजी लाने, जमीन के डिजिटल रिकार्ड में हुई अनियमितताओं के चलते रैयतों की परेशानियों को दूर करने के लिए पंचायत स्तर पर शिविर लगाए जाने और वर्षा के बाद मनरेगा के तहत नया कार्य शुरू करने, मनरेगा मजदूरों का बकाये का भुगतान किए जाने और पंचपरगना क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दे शामिल हैं।

NEWS OF ROURKELA

भारतीय जनता पार्टी जिला युवा मोर्चा के अध्यक्ष बने सूर्यकांत

ROURKELA : पानपोस संगठन की जिला अध्यक्ष लतिका पटनायक ने जिला युवा मोर्चा के अध्यक्ष पद के लिए युवा नेता सूर्यकांत मोहंती और जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष पद के लिए महिला नेत्री सस्मिता साहू के नाम की घोषणा की। संगठन को संगठित और मजबूत करने में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, और अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि वे आने वाले दिनों में संगठन को और मजबूत बनाएंगे।

गोमाता संबर्धन उत्सव मना

ROURKELA : गौ पालन को प्रोत्साहित करने और इसके बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल गो संबर्धन उत्सव आयोजित किया जाता है। इस वर्ष सुंदरगढ़ जिला स्तरीय गो संबर्द्धन उत्सव राउरकेला के सेक्टर 22 स्थित सारनगरी के सामुदायिक केंद्र में गुरुवार को आयोजित किया गया । जिला पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित इस अवसर पर पानपोस उपजिला विजय कुमार नायक मुख्य अतिथि थे। समारोह में सुदरगढ़ जिला के एसडीपीओ प्रसन्न कुमार महाराणा एवं पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। गौ संवर्धन के अवसर पर गौ माता की पूजा की गई तथा गौ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में आसपास क्षेत्र की 200 से अधिक गाय शामिल हुई थीं।

विज्ञान पार्क और तारामंडल बनेगा आकर्षण का केंद्र

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम द्वारा विज्ञान को बढ़ावा देने और विशेषकर बच्चों और युवाओं में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने के लिए विज्ञान पार्क और तारामंडल का निर्माण किया गया है। 4 एकड़ से अधिक क्षेत्र में निर्मित, इसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक उपकरण और मॉडल हैं। आगंतुकों के बीच अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण पैदा करने के लिए विभिन्न प्रकार के पशु और पक्षी संरचनाएं, सौर लाइट, पवन चक्कियां और जल सुविधा मॉडल यहां हैं। इसके अतिरिक्त, अधिक आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए एक पार्किंग क्षेत्र, कैफेटेरिया, खुला प्लाजा और एक जल निकाय उपलब्ध है, जो इसे विज्ञान में रुचि रखने वाले सभी लोगों के लिए बेहतरीन स्पॉट है।

सिविल टाउनशिप सांस्कृतिक परिषद 26 को बोईतो बंधान महोत्सव का करेगा आयोजन

ROURKELA : 26 और 27 नवंबर को राउरकेला शहर में विभिन्न संस्थाओं की ओर से बोईतो बंधान उत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इसी सिलसिले में 26 तारीख की शाम को सिविल टाउनशिप सांस्कृतिक परिषद की ओर से एक मेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में जूनियर अमिताभ बच्चन, कुमार बापी, अंतरा चक्रवर्ती और अन्य कलाकार शामिल होने वाले हैं। यह जानकारी परिषद द्वारा बुधवार को होटल त्रिदेव में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी गयी।

फैक्ट्री में जलने से एक की मौत, दो गंभीर

ROURKELA : शुभ स्टील प्राइवेट लिमिटेड में गर्म पिघले लोहे के संपर्क में आने से गुरुवार को एक कर्मचारी की मौत हो गई और 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दो घायलों को राउरकेला जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान जाजपुर जिले के चिन्मय बेहरा के रूप में की गई है, जबकि घायलों की पहचान कुलूंगा के परमेश्वर किसान और बिहार के अभिषेक कुमार के रूप में की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा बुधवार रात तीन बजे हुआ। संयंत्र की भट्ठी से गर्म पिघला हुआ लोहा रिसने लगा और कारखाने में फैल गया। सोते समय गर्म पिघले लोहे के संपर्क में आने से मृतक और घायल जल गए। तीन लोगों को तुरंत जेपी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने 30 वर्षीय चिन्मय को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य घायलों का इलाज जेपी अस्पताल में चल रहा है। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि गर्म पिघला हुआ लोहा कैसे लीक हुआ।

दिवाली की रात चोरी करने वाले दो चोर धराए

ROURKELA : दिवाली की रात बसंती कॉलोनी रेलवे गेट के पास के अनिल कुमार साहू के घर में चोरी करने के आरोप में 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इस सिलसिले में दो आरोपियों बिरजापाली के गुनगुन उर्फ सिद्धार्थ कंधा और पानपोष बस्ती के मनु कोक को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन, एक जोड़ी सोने की चूड़ियां, दो सोने की अंगूठियां, दो सोने के कान के फूल, बरामद किए गए हैं। दोनो आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया।

महाभोग का किया गया वितरण

RANCHI : श्री श्री मां काली मंदिर एवं शिव मंदिर समिति साउथ रेलवे कॉलोनी रांची के तत्वाधान में मंदिर परिसर में काली पूजा और पूजा के उपलक्ष्य में महाभोग का वितरण किया गया। बताते चले कि मंदिर का जीणोर्धार का काम भी चल रहा है। महाभोग वितरण में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री मुकुंद नायक शामिल थे। और मंदिर परिसर में बने मां अन्नपूर्णा भंडार का और मंदिर कार्यालय का भी उदघाटन मंदिर समिति के अध्यक्ष द्वारा किया गया। इस आयोजन में अध्यक्ष राम सिंह, राजा मिश्रा, राजीव रंजन, अमित कुमार गुप्ता, मंटू सिंह, अनीश कुमार, आशुतोष उपाध्याय, राहुल सहनी, अविनाश कुमार, जीतू मंडल, टिंकू, संतोष सिंह आदि शामिल थे।

300 लोग बुखार से बीमार, कई बीमारियों के लक्षण दिखे, गया से पटना भेजे गए जांच के लिए नमूने

गया । अजीबोगरीब मामला सामने आया है। मानपुर पटवाटोली बुनकरी नगर इलाके में लोग बीमार पड़ रहे हैं। अब तक करीब 300 लोग बीमार पड़ चुके हैं। इनमें लंगड़ा बुखार, चिकनगुनिया, डेंगू और वायरल बुखार के लक्षण मिल रहे हैं। गया स्वास्थ्य विभाग की टीम भी इस तरह के केस देखकर हैरान है। इधर, पीड़ित क्षेत्र का जायजा लेने सिविल सर्जन रंजन कुमार सिंह पहुंचे। पीड़ित मरीजों से घर पहुंचकर उनसे बातचीत की। स्वास्थ्य विभाग की टीम 10 मरीज के घर-घर जाकर सबका जांच नमूना संग्रह किया गया। इन नमूनों को जांच के लिए पटना भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर दवाई दी जाएगी। सिविल सर्जन रंजन कुमार सिंह ने बताया चिकनगुनिया एवं डेंगू मच्छर दिन में काटने

से फैलता है। साफ जमाव पानी में अंडा से मच्छर पैदा होने वाले अंडा को एंटी लार्वा दवाई का छिड़काव, मच्छर नष्ट करने की दवा द्वारा फागिंग, नियमित रूप से युद्धस्तर पर नियमित कराए जाने सहित ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव सहित चिकनगुनिया एवं डेंगू मच्छर से बचने का जागरूकता अभियान, डोर टू डोर एएनएम से जांच करवाकर प्रभावित मरीज को दवा एवं ओआरएस वितरण का सख्त निर्देश दिया गया।

सिविल सर्जन के साथ रहे गोपाल प्रसाद पटवा अध्यक्ष बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ ने जिला पदाधिकारी गया, नगर आयुक्त गया नगर निगम एवं सिविल सर्जन से अनुरोध किया कि मानपुर नगर निगम क्षेत्र में दूसरा शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र नवनिर्माण करने, समय रहते चिकनगुनिया और डेंगू फैलने से रोकथाम हेतु अग्रेत्तर आवश्यक कार्रवाई अभिलंब किया जाय। अज्ञात बुखार लगभग 50 दिनों से फैला हुआ है। जिससे लगभग 50% कामगार बुनकर परिवार प्रभावित हैं। यहां की स्थिति का अंदाजा और आलम यह है कि प्रभावित गलियों में लोग गुजरने से परहेज करने लगे हैं। लंगड़ा बुखार क्षेत्र का रास्ता बदलकर आवागमन कर रहे हैं। वायरल बुखार एक-दो दिन से लेकर एक सप्ताह तक रहता है। इसके बाद असहनीय सभी जोड़ों में दर्द सूजन या खुजली दाग छोड़ जाता है। कई घरों में परिवार के सभी सदस्य बीमारी से प्रभावित हैं। पढ़ाई के लिए गए छात्र-छात्र जो त्यौहार में लौट कर आए हैं। चिकनगुनिया/ डेंगू बुखार प्रभावित कर रहा है। प्रभावित मरीजों का प्लेट्सलेटस गिर डाउन हो जाता है। लोग पपीता पत्ता का रस, किवी और ड्रैगन फ्रूट का प्रबंध करने में लगे हैं।

बाकी त्योहारों के मुकाबले बेहद कड़ा नियम है छठ का

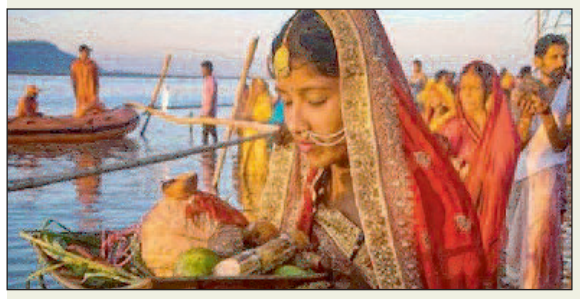

पटना। लोक आस्था के महान पर्व पर छठ गीतों से माहौल बन रहा है। छठ में बिहार आने के लिए मारामारी को देखते-जानते लोग इसका महत्व समझ चुके हैं। इसकी तैयारी वैसे तो कार्तिक मास शुरू होने के साथ ही प्रारंभ मान ली जाती है, लेकिन जमीनी तौर पर कोई भी प्रक्रिया नहाय खाय के पहले नहीं शुरू होती है। वजह यह है कि बहुत पहले से लोग शुद्ध और सात्विक नहीं रह सकते। शुद्धता और सात्विकता का नियम इतना कड़ा है कि अमूमन छठ उठाने (खुद व्रती के रूप में छठ शुरू करना) से पहले एक-दो साल कष्ट उठाया जाता है। व्रती बनने के बाद जितनी कड़ाई से नियमों का पालन करना होता है, यह एक तरह से उसे परखने की व्यवस्था है। कार्तिक मास शुरू होते ही बहुत सारे मांसाहारी घरों में भी लहसुन-प्याज खाना बंद हो जाता है, वैसे बिहार के ज्यादातर घरों में धनतेरस से यह सब वर्जित होता है। धनतेरस या दीपावली से ज्यादातर लोग सेंधा नमक खाना शुरू करते हैं, वैसे बहुत सारे लोग कार्तिक शुरू होते ही सामान्य नमक को छोड़ देते हैं। इतना कुछ करने के बावजूद छठ के लिए अनिवार्य शुद्धता का मानक पूरा नहीं होता। ज्योतिषविद्, तांत्रिक और कर्मकांडी पंडित हो ने के साथ अपने घर में छठ पर्व करने वो पंडित अरुण कुमार मिश्रा कहते हैं- "अगर हम सूर्यदेव को प्रसन्न करने के लिए छठ व्रत करने जा रहे हैं और इसके साथ छठी मैया का पूजन करने जा रहे हैं, तो पहले हमें सात्विक होना पड़ेगा। अपने आप को शुद्ध करना पड़ेगा। इसी कारण नहाय खाय से छठ व्रत की शुरूआत होती है। मन-कर्म और वचन से शुद्ध होना पड़ता है। 'नहाय' का अर्थ यहां तन-मन की सफाई है और इसके बाद 'खाय' का अर्थ सात्विक भोजन ग्रहण करना है।" पंडित शशिकांत मिश्र कहते हैं- "नहाय खाय का मतलब तामसी प्रवृत्तियों की सफाई है। शारीरिक रिश्तों में दूरी रखनी होती है। कम और सुपाच्य भोजन ग्रहण करना होता है ताकि शरीर का भीतरी हिस्सा भी साफ हो जाए। यही कारण है कि नहाय खाय में अरवा चावल, चने की दाल, कद्दू की सब्जी या चने के दाल में ही कद्दू मिला कर बने दलकद्दू को ग्रहण किया जाता है।

चूहे ने रोक दी अस्पताल में एमआरआई जांच

भागलपुर। जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संचालित एमआरआइ मशीन का तार मंगलवार दोपहर चूहे ने कुतर दिया। जिससे कि पिछले 48 घंटे से जांच की सुविधा मरीजों को नहीं मिल पा रही है। हालांकि, मशीन में आई खराबी ठीक करने के लिए कोलकाता से इंजीनियर को बुलाया गया है। बुधवार देर शाम तक मशीन को ठीक नहीं किया जा सका। एजेंसी संचालक ने बताया कि एमआरआई मशीन के अंदर लगे तार को चूहे ने कतर दिया है। इससे मशीन काम नहीं कर रही है।

इंजीनियर लगातार खराबी को दूर करने में लगे हैं। दूसरी ओर एमआरआइ सेवा बाधित होने से जांच कराने आए मरीजों को परेशानी हो रही है। यहां जांच सरकारी दर पर होती है। उसी जांच के लिए निजी सेंटर में तीन गुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। इससे मरीज पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

बुधवार को एक दर्जन से अधिक मरीज जो अस्पताल एवं निजी हास्पिटल से आए थे उन्हें वापस लौटना पड़ा। रेडियोलाजी विभाग के एचओडी डा. सचिन ने बताया कि बुधवार देर शाम तक इंजीनियर मशीन ठीक करने में लगे रहे। संभावना है गुरुवार से सेवा आरंभ हो जाएगी।

दीपावली से ज्यादा आतिशबाजी विराट-शमी के नाम पर, घंटों गूंजता रहा पटना समेत पूरा बिहार

पटना। दीपावली पर लोगों ने आतिशबाजी की लेकिन उससे अधिक आतिशबाजी विश्व कप क्रिकेट के सेमीफानइल मैच में न्यूजीलैंड पर भारत की जीत के बाद दिखी। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 70 रन से हराया है। इसको लेकर विराट कोहली और मोहम्मद शमी के नाम पर पटना समेत पूरे बिहार घंटों आतिशबाजी होती रही। बारह साल के बाद भारत वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा है। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी किया। इस दौरान विराट कोहली ने 117 और श्रेयस अय्यर ने 105 रन बनाकर 50 ओवर में चार विकेट का नुकसान सहते हुए न्यूजीलैंड के सामने 397

रन का टारगेट रखा। भारत क्रिक्रेट टीम के खिलाड़ियों ने शानदार बैटिंग के साथ साथ फील्डिंग भी बेहतरीन किया है। वहीं न्यूजीलैंड 48.5 ओवर में दस विकेट खोकर 327 पर ही सिमट गया। इस तरह भारत ने पिछले विश्व कप के सेमी फाइनल में मिली हार का हिसाब चूका लिया। मैच खत्म होते ही लोग जमकर आतिशबाजी करने लगे। आसमान में रॉकेट फूटने लगे। लगभग 15 से 20 मिनट तक चारों तरफ पटाखे और बम की आवाज गूंजने लगी।यह भारत की जीत की खुशी थी जिसे लोग पटाखे फोड़कर जता रहे थे। इस संबंध में क्रिकेट प्रेमियों का कहना है कि यह वक्त खुशियों का है जब कई साल बाद भारत विश्व कप क्रिकेट के सेमीफानइल मैच में पहुंचा है। लोगों का कहना है कि भारत के इस शानदार प्रदर्शन पर पूरा देश गौरवान्वित महसूस कर रहा है। भारतीय क्रिकेट टीम ने सेमी फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर वर्ल्ड कप के फाइनल ,में जगह बना ली है। टूनार्मेंट में दस में दस मैच जीतकर भारत के खिलाड़ियों ने एक नया इतिहास रच दिया है। अब लोग यही कामना कर रहे हैं कि टीम फाइनल में जीत हासिल करे। हालांकि भारत के इस जीत का श्रेय लोग शमी को दे रहे हैं। लोग फेसबुक और एक्स पर लिख रहे हैं यह जीत शमी और विराट कोहली की है। शानदार परफॉरमेंस टीम इंडिया।

नई दिल्ली-दरभंगा एक्सप्रेस बनी बर्निंग

खिड़कियों से कूदकर बचाई जिंदगी, खौफनाक था मंजर

इटावा। हावड़ा रेल रूट पर नई दिल्ली से दरभंगा जा रही क्लोन एक्सप्रेस के एस-1 कोच में तेज धमाके के साथ बुधवार शाम करीब साढ़े पांच बजे आग लग गई। इस दौरान एस-2, एस-3 और दिव्यांग कोच भी एक-एक कर लपटों में घिर गए। चारों कोच में करीब 250 यात्री सफर कर रहे थे। आग की लपटों से घिरे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आनन फानन लोगों ने चेन पुलिंग की। सरायभूपत स्टेशन पर ट्रेन की रुकते ही भगदड़ मच गई। कई यात्रियों ने ट्रेन की खिड़की से कूदकर जान बचाई। इसमें आठ लोग घायल हो गए। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि घटना को कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने यात्रियों को बचे 14 कोचों से गंतव्य के लिए रवाना किया। फिलहाल घटना की वजह शार्ट-सर्किट बताई जा रही है। घटना की जांच की जा रही है। इस दौरान अप-डाउन ट्रैक पर लंबी दूरी की शताब्दी समेत एक दर्जन ट्रेनों को आउटर पर ही रोक दिया गया। दोनों ट्रैक 5:25 से 8:18 बजे यानी करीब पौने तीन घंटे बाधित रहे। क्लोन एक्सप्रेस (02570) बुधवार को नई दिल्ली स्टेशन से दरभंगा के लिए निकली थी। यात्रियों

ने बताया कि शाम करीब साढ़े पांच बजे ट्रेन जसवंतनगर स्टेशन से आगे निकली थी कि अचानक पीछे से दूसरे नंबर के कोच एस-1 में आग की लपटें उठने लगीं। सरायभूपत स्टेशन पर खंभा संख्या 1164/32 पर ट्रेन रुकते ही यात्रियों में भगदड़ मच गई। सूचना पर रेलवे की तकनीकी टीम, आरपीएफ, जीआरपी के अधिकारियों के साथ ही एसएसपी संजय कुमार वर्मा, एडीएम अभिनव रंजन श्रीवास्तव, एसडीएम सदर विक्रम राघव, एसडीएम दीप शिखा, सीओ अतुल प्रधान फोर्स लेकर पहुंच गए। आग लगे चार कोचों को इंजन समेत ट्रेन से अलग किया गया। सूचना पर लगभग पौने छह बजे पहुंची इटावा, सैफई, जसवंतनगर से पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने आग पर लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद लपटों पर काबू पाया। तब तक एस-1, एस-2, एस-3 और दिव्यांग कोच जल गए थे। रात करीब आठ बजे सूचना पर डीएम अवनीश राय ने भी घटनास्थल का जायजा लेकर लोगों को सुरक्षित रवाना कराने के निर्देश दिए। यात्रियों को बचे 14 कोचों में शिफ्ट कराकर ट्रेन को आठ बजकर 18 मिनट पर रवाना किया गया। डीएम अवनीश राय ने बताया नई दिल्ली से दरभंगा एक्सप्रेस में सरायभूपत स्टेशन पर आग लग गई थी। इसे काबू पा लिया गया है। आठ लोग गिरकर चोटिल हुए हैं। अन्य कोई जनहानि नहीं हुई है। सभी सवारियों को बचे कोचों में शिफ्ट कराकर ट्रेन को रवाना कर दिया गया है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि आग को दमकल टीम ने काबू पा लिया। सभी लोग सुरक्षित हैं। सिर्फ आठ लोग गिरकर चोटिल हुए हैं। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिंता की कोई बात नहीं है। ट्रेन में यात्रियों को शिफ्ट कराकर रवाना करा दिया गया है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि लगभग साढ़े पांच बजे प्रयागराज मंडल के सरायभूपत स्टेशन के पास हमसफर क्लोन एक्सप्रेस में आग लग गई थी। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। कारण पता लगाने के लिए विभागीय जांच कराई जा रही है। एस-1 कोच में यात्रा कर रहे मुजफ्फरपुर निवासी कृष्ण मोहन ने बताया कि वह अपने परिजनों के साथ सीट नंबर 5 और 6 पर बैठे थे । तभी अचानक से अफरा तफरी का माहौल हो गया। भीड़ इतनी अधिक थी कि ट्रेन से उतरने में भी लोग गिरने लगे। भीड़ इतनी अधिक थी कुछ लोग दरवाजे के बजाय खिड़कियों से निकले। नई दिल्ली से ट्रेन के एस-3 कोच में बैठी निशा देवी ने बताया कि उन्होंने पांच टिकट बुक करवाए थे। शयनयान में आरक्षण होने के बाद भी बैठकर यात्रा कर रहे थे।अचानक से झटके के साथ ट्रेन रुकी और लोग भागते नजर आए। वह भी अपने बच्चों के साथ ट्रेन से उतर गई। उनका सामान उसी में रह गया। उन्होंने लड़खड़ाती जुबान से कहा कि सामान से ज्यादा जान जरूरी है। यात्री बबीता ने बताया कि वह एस-4 कोच में यात्रा कर रही थी। नॉन स्टॉप ट्रेन अचानक से रुक गई।जब तक कुछ समझते तब तक लोग ट्रेन से कूदने लगे। उन्होंने भी अपने सामान को छोड़कर जान बचाई।

चेन छीनने वाले की अनीता ने पकड़ ली थी कालर, मोटू-पतलू थे उचक्के

भागलपुर। जिलाधिकारी आवास के समीप नारायणा कालोनी निवासी सेवानिवृत सैन्य अधिकारी निभाष यादव की पत्नी अनिता कुमारी से चेन छिनतई और गोलीबारी मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित अनिता कुमारी ने बरारी पुलिस को जानकारी दी है कि जब चेन छिनतई हुई थी तब वह घर के समीप गली में पैदल पहुंची थी। तभी बाइक से आए दो बदमाशों में एक ने गले में पड़ी दस भर की चेन छीन ली थी। चेन छीन रहे बदमाश का तब वह कालर पकड़ उसे काबू में कर लिया था। लेकिन दूसरे बदमाश ने पिस्टल निकाल हवा में फायर कर दिया। जिसके बाद वह भयभीत हो उसका कालर छोड़ दिया था। गोली चलते ही मुहल्ले में आसपास के लोग दौड़ कर पहुंचने लगे। जिन्हें देख एक ने बाइक स्टार्ट कर ली तो दूसरा हवा में गोलियां दाग तेजी से वहां से भाग निकले थे। चेन छिनतई और गोलीबारी मामले में शामिल दोनों बदमाशों का हुलिया भी महिला ने बयां किया है। हेलमेट पहना बदमाश बाइक चला रहा था वह सफेद शर्ट और काले रंग की पैंट पहन रखा था। लंबे कद में मोटे शरीर वाला था। जबकि बाइक पर पीछे बैठा बदमाश काले रंग की शर्ट में था और वह नाटे कद का पतले शरीर वाला था। इधर घटना के दूसरे दिन भी सिटी डीएसपी अजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी करती रही।

संक्षिप्त डायरी

कार अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिरी, युवक की मौत, सात घायल, परिजन बोले- झारखंड से आ रहे थे सभी

नालंदा । अनियंत्रित होकर एक कार पुल से नीचे गिर गया। इस घटना में एक युवक की मौत हो गई। वहीं उस पर सवार सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना खुदागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत महमूदपुर गांव के समीप की है। मृतक की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के मेयार गांव निवासी संजय कुमार के पुत्र सुशांत कुमार (35) के रूप में किया गया है। बुधवार की सुबह शव को पोस्टमार्टम करा पुलिस ने परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। सभी घायल एक ही गांव के रहने वाले हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन ने बताया कि फोर व्हीलर गाड़ी से सुशांत समेत अन्य लोग घूमने के लिए झारखंड गया था। जहां से मंगलवार रात राजगीर खुदागंज होते हुए घर लौट रहा था, तभी महमूदपुर गांव के समीप यह घटना हुई उन लोगों को पुलिस द्वारा सूचना प्राप्त हुई। सुशांत कुमार इकलौता बेटा था। वह अपने पिता संजय कुमार के न्यूटन पाइप फैक्ट्री में उनके काम मे हाथ बंटा रहे थे। इस घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया है। परिवार वालों के चित्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया है। खुदागंज थानेदार ने बताया चार पहिया गाड़ी पुल से नीचे गिर गई थी। पुलिस टीम फौरन वहां पहुंची और सभी घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला गया। इसमें कुछ लोग ठीक-ठाक थे। इसके बाद सभी को इस्लामपुर पीएचसी में भर्ती कराया गया। बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। गाड़ी हाईस्पीड में रहने के कारण मोड़ पर अनियंत्रित हो गई और पुल के डिवाइडर को तोड़ते हुए नीचे खाई में जा गिरी। गाड़ी में एयरबैग खुलने के बावजूद एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

पहाड़ पर बना दिया तालाब, पानी की जगह पत्थर ही पत्थर, झोल देख गांव के लोगों का चकराया सिर

गिद्धौर(जमुई)। सरकारी राशि के बंदरबांट का अद्भुत नजारा देखना है तो प्रखंड के गंगरा पंचायत अंतर्गत धनियांठीका गांव आइए। जहां आपको मनरेगा विभाग से संचालित हो रहे विकास की योजनाओं का एक अलग ही नजारा देखने को मिलेगा।बताया जाता है कि गंगरा पंचायत का वार्ड नंबर तीन में पड़ने वाला धनियांठीका गांव जो पूरी तरह से पथरीली पहाड़ी के ऊपरी हिस्से पर बसा है। यहां मनरेगा विभाग व कार्य एजेंसी पंचायत समिति गंगरा की ओर से कब्रिस्तान के बगल में योजना संख्या 1/2022/23 से 4 लाख 96 हजार 670 रुपए खर्च कर तालाब का जीणोर्धार कार्य कराया गया है। उस तालाब में पानी की जगह पत्थर ही पत्थर पड़े हैं जो वर्तमान समय में मृत प्राय पड़ा हुआ है। धनियांठीका वासी रियासत अंसारी,ताजमूल अंसारी,गुलाम अंसारी,आइसा खातून,शबनम खातून,कलीम अंसारी,अहमद अंसारी,कुर्बान अंसारी सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि मनरेगा विभाग व कार्य एंजेसी द्वारा कब्रिस्तान के बगल में कब इस तालाब का लाखों रूपय खर्च कर जीर्णोद्धार करवा दिया हम ग्रामीणों को पता भी नही चल सका। जबकि यह इलाका पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण हम सबों को पेयजल का संकट हर हमेशा झेलना पड़ता है। तो इस तालाब में पानी कहां से आएगा।उन्होंने कहा की सरकारी राशि की बंदरबांट करने की नियत से उक्त तालाब का जीर्णोद्धार कार्य इस पहाड़ी क्षेत्र के ऊपरी सतह पर जैसे तैसे करा दिया गया है। खाली पड़े पहाड़ी जमीन को बिना खोदे हो चारो तरफ से मेटल और मोरम से घेर कर तालाब का रूप दे दिया गया है। धनियांठीका कब्रिस्तान के बगल में गांव वासियों की मांग पर ही उक्त तालाब का जीर्णोद्धार कार्य करवाया गया है।वर्षा होने के बाद उक्त तालाब में लबालब पानी भर जाएगा।

इमामगंज में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से हुई लूटपाट का पदार्फाश

गया। बिहार की गया पुलिस ने इमामगंज थाना क्षेत्र में हुई भारत फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी के साथ लूटपाट मामले में सात दिनों में चार शातिर लूटेरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही, एक किशोर को निरूद्ध किया गया है। इन शातिरों के पास से लूटी गई 67050 रुपये, मोटरसाइकिल एवं एक बंदूक बरामद किया गया है। इसका पदार्फाश करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती ने बुधवार को प्रेस वार्ता में बताया कि बीते 9 नवंबर को औरंगाबाद जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र निवासी और भारत फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी राजेश कुमार से तीन लाख 43 हजार 337 रुपये लूटपाट की वारदात इमामगंज थाना क्षेत्र के करासन कुईवार स्थित बिसकुटा कुंआ के पास हुई थी।

छात्र की दिनदहाड़े हत्या, अपराधियों ने गोली मारी

पटना । नौबतपुर स्थित इब्राहिमपुर में एक छात्र की हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह वह अपने खेत पर पटवन देखने जा रहा था, तभी अपरधियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। घटन के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। अपराधियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। मृतक की पहचान नौबतपुर थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव के निवासी अनिल

सिंह का बेटा राहुल कुमार (22 वर्ष) के रूप में हुई। वह बीए की परीक्षा पास करने के बाद एसएससी की तैयारी कर रहा था। मामले में फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी अभिजीत कुमार सिंह ने बताया कि राहुल कुमार अपने खेत पर बोरिंग का काम देखने जा रहा था। इसी क्रम में अपराधियों ने उसे गोलियों से भून डाला। राहुल कुमार के शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना के एम्स भेजा गया है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी का माहौल है। बताया जा रहा है कि बुधवार की दोपहर वह इब्राहिमपुर स्थित गांव के बोरिंग पर जा रहा था। बताया जा रहा है की बोरिंग के नजदीक पहुंचते ही पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने उन पर गोलियां बरसा दी। इसी क्रम में राहुल कुमार को अपराधियों ने सिर में गोली मारी।

घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी खेत के रास्ते वहां से फरार हो गए। गोली की आवाज सुनते ही आसपास खेत में काम कर रहे लोग भाग कर राहुल के पास पहुंचे लेकिन तब तक राहुल की मौत हो गई थी। परिजनों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करे।

सहारा श्री का हुआ अंतिम संस्कार

लखनऊ। सहारा समूह के संस्थापक सुब्रत राय की अंतिम यात्रा सहारा शहर से निकली तो बड़ी संख्या में राजनेता, फिल्मी हस्तियां और आम लोग मौजूद रहे। उनके पार्थिव शहर को भैंसाकुंड लाया गया जहां उनके पोते हिमांक ने मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राज बब्बर, कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी सहित फिल्म जगत की हस्तियां भी मौजूद रहे। इसके पहले सहारा शहर में अंतिम दर्शन के वीआईपी व सहारा कर्मचारियों का जमावड़ा लगा रहा। मुंबई के एक अस्पताल में गत दिवस सुब्रत रॉय का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। चार्टर प्लेन के जरिये उनका पार्थिव शरीर लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाईअड्डे पर शाम 4.10 बजे लाया गया। शव को परिजन काफिले के साथ गोमतीनगर स्थित सहारा शहर उनके आवास पर पहुंचे। यहां भारी सुरक्षा इंतजामों के बीच लोगों ने अंतिम दर्शन किए। अंत्येष्टि के लिए पार्थीव शरीर सहारा शहर से बृहस्पतिवार दोपहर दो बजे से रवाना किया जाएगा। बड़ी संख्या में सहारा शहर पहुंचे सहारा परिवार के कर्मचारी व अधिकारियों की आंखें रॉय के पार्थिव शरीर को देखते ही नम हो गईं। ये लोग उनसे जुड़ी यादें एक-

दूसरे से साझा करते नजर आए। सहाराश्री सुब्रत रॉय के निधन के बाद सोशल मीडिया पर सभी वर्ग के लोगों ने उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर लिखा कि सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय का निधन अत्यंत दुखद है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान व शोकाकुल परिवारीजनों को यह अथाह दुख सहने की शक्ति दें। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि सहाराश्री का निधन उत्तर प्रदेश और देश के लिए भावनात्मक क्षति है क्योंकि वह एक अति सफल व्यवसायी के साथ एक ऐसे अति संवेदनशील विशाल हृदय वाले व्यक्ति भी थे जिन्होंने अनगिनत लोगों की सहायता की, उनका सहारा बने। सहारा शहर में अंतिम दर्शन करने पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि सुब्रत रॉय का निधन बहुत पीड़ादायक है।

उन्होंने अपने जीवन काल में प्रदेश में बहुत बड़ा कारोबार खड़ा किया। हम उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। उधर, क्रिकेटर सुरेश रैना ने सुब्रत रॉय को श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर लिखा कि प्रेरक, वक्ता और खेल प्रेमी नहीं रहे। ओलंपिक में मेडल जीतने वाले खिलाड़ी योगेश्वर दत्त ने लिखा कि सहारा ग्रुप के चेयरमैन और विख्यात व्यवसायी रहे सुब्रत रॉय के निधन पर पुण्य आत्मा को श्रद्धांजलि। सुब्रत रॉय का भारतीय खेलों के उत्थान में अहम योगदान रहा है। अभिनेत्री मनीषा कोईराला ने भी एक्स पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। लिखा, एक व्यक्ति जिन्होंने अपने संघर्ष के समय कभी हार नहीं मानी। मंगलवार रात से बुधवार को दिनभर सोशल मीडिया पर लोग सहाराश्री के कार्य, उनके व्यवहार और व्यक्तित्व को याद कर श्रद्धांजलि देते नजर आए।

शबाना नाज के संज्ञान के फौरन बाद शुरू हुआ नाले की सफाई का कार्य

संवाददाता

अम्बेडकर नगर। नगर पालिका टाण्डा के वार्ड नं 7 में स्थित मुसहां मार्ग के किनारे बना नाला नियमित रूप सफाई न होने के कारण कूड़ा करकट से पट गया था जिससे लोगों के घरों से पानी की निकासी नहीं हो पा रही थी जिसकी शिकायत समाज सेवक व वार्ड नं 7 सभासद के पति मोहम्मद शाहिद ने नगरपालिका के अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी नाले सफाई नही हुई इससे नाराज मोहम्मद शाहिद ने टाण्डा नगरपालिका अध्यक्ष शबाना नाज से मिलकर शिकायत की शिकायत के फौरन बाद नगरपालिका अध्यक्ष शबाना नाज द्वारा तुरंत नगरपालिका अधिकारी व सफाई कर्मचारी को भेज कर पूर्ण रूप नाले की सफाई की गई पानी की निकासी की समस्या के समाधान होते ही क्षेत्र वासी व समाज सेवक मोहम्मद शाहिद ने नगरपालिका अध्यक्ष शबाना नाज का आभार व्यक्त किया।

चित्रांश समाज द्वारा पूजे गए भगवान चित्रगुप्त

संवाददाता

कसया। नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर मठ में चित्रांश समाज के लोगों ने विधि विधान के साथ भगवान चित्रगुप्त और उनकी कलम, दवात का पूजन कर यज्ञ किया और श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया। वरिष्ठ होमियोपैथिक चिकित्सक डा0 नित्यानंद श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त मनुष्यों के कर्मों का लेखा जोखा रखते हैं। यमराज के सहयोगी के तौर पर आपके पास सभी के अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब रहता है। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भगवान चित्रगुप्त और उनकी कलम, दवात की पूजा की जाती है। भगवान चित्रगुप्त की पूजा करने वाले मनुष्य नरक के कष्टों से मुक्त रहते हैं और बैकुंठ को प्राप्त होते हैं। पूजा में रामजीलाल श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, विनोद लाल श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, वीरेंद्र लाल श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, मनोरंजन लाल श्रीवास्तव, कृष्ण प्रताप श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव रजनीश श्रीवास्तव, सुधांशु राज, विपुल इत्यादि शामिल रहे।

गंदगी से ग्रामीण हुए बीमारी से ग्रस्त

संवाददाता

हापुड़। दयानन्द कुमार सिंभावली ब्लॉक के सिखेड़ा माजरे ग्राम नयावास में मुख्य रास्तों पर भरे गंदा पानी और खराब पड़ी सोलर लाइटें ग्राम पंचायत की कार्य शैली को दर्शा रही है। ग्राम के मुख्य रास्तों पर पानी भर होने के कारण गंदगी में निकलने को मजबूर हो रहे हैं। दीपावली पर्व से पूर्व जिला अधिकारी और जिला पंचायत राज बैठक कर साफ सफाई में बिजली व्यवस्था को बेहतर रखने के दिशा निर्देश दिए इसके बावजूद ग्राम पंचायत में इस तरह की गंदगी अधिकारियों के आदेशों को दरकिनार करती नजर आ रही है। ग्रामीण समर पाल आदेश कुमार, हरविंदर, अर्जुन, लालू, परविंदर, पुष्पेंद्र, जयकरण, मुक्की, विनोद, जितेंद्र, रामपाल, आदि ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर गांव में साफ सफाई और सोलर लाइटों को लेकर ग्रामीणों ने मांग की है। मामले में डीपीआरओ वीरेंद्र सिंह का कहना है कि ग्रामीण टीम भेज कर साफ सफाई की व्यवस्था की जाएगी

डकैती-सामुहिक दुष्कर्म मामले में बड़ा खुलासा, महिला ने प्रेमी संग रचा था झूठा नाटक, पूछताछ में बताई ये वजह

बिजनौर । नगीना देहात थाना क्षेत्र के एक प्रमुख थोक व्यापारी के घर में घुसे पांच बदमाशों ने खूब तांडव मचाया। घर में अकेली व्यापारी की पत्नी को बंधक बनाकर जलती सिगरेट से दागकर यातनाएं दीं और सामूहिक दुष्कर्म किया। बेहोश पीड़िता (35) को कमरे में बंद कर बदमाश 25 तोले सोने के आभूषण, दो किलो चांदी और करीब डेढ़ लाख रुपये नकदी लूट ले गए। वहीं पुलिस ने इस मामले में सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि महिला ने अपने प्रेमी संग मिलकर पूरा नाटक रचा था। आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस सनसनीखेज वारदात के खुलासे के लिए एसपी ने पुलिस की तीन टीमों का गठन किया है। इस मामले में नगीना देहात थाना प्रभारी विकास कुमार को निलंबित कर दिया गया। नगीना देहात के एक गांव निवासी थोक व्यापारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी मां और बच्चों संग मंगलवार की शाम दवाई लेने धामपुर गए थे। घर में उनकी पत्नी अकेली थी। शाम को साढ़े सात बजे हथियारबंद पांच बदमाश पड़ोसी की छत से होकर उसके घर में घुसे। बदमाशों ने उसकी पत्नी को मारपीट के बाद कपड़े से नशा सुंघाकर बेहोश कर दिया। वहीं, कुछ देर बाद होश आने पर उनको बांध दिया। बदमाशों ने सामने बैठकर सिगरेट पी और जलती सिगरेट से पत्नी के हाथ को दागते हुए यातनाएं दीं। इसके बाद सभी बदमाशों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। बदमाशों ने घर की अलमारियों के ताले तोड़े। जो ताले नहीं टूटे, उनको कटर से काटकर 25 तोले सोने के आभूषण, दो किलो चांदी और करीब डेढ़ लाख रुपये नकद, एक स्कूटी, और एक एलईडी लूट ले गए। घर में बुधवार की सुबह कोई हलचल नहीं होने पर पड़ोसियों ने व्यापारी को सूचना दी। महिला के हाथ में सिगरेट से जलाए जाने के निशान मिले थे।

सीएम योगी उद्यमियों संग निवेश के मुद्दे पर करेंगे मंथन, 30 नवंबर को आएंगे गोरखपुर

संवाददाता

गोरखपुर। गीडा के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश-विदेश के 20 उद्यमियों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री बदल रहे गोरखपुर पर चर्चा कर उद्यमियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इसके अलावा यहां लगने वाली प्रदर्शनी को भी देखेंगे। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) का स्थापना दिवस 30 नवंबर को है। गीडा प्रशासन स्थापना दिवस के बहाने

गोरखपुर में औद्योगिक विकास की तस्वीर दिखाना चाह रहा है। इसके लिए गीडा और आसपास उद्योग लगाने वालों के अलावा गोरखपुर-बस्ती मंडल के प्रमुख उद्यमियों को भी आमंत्रित किया गया है। गीडा में फैक्टरी लगाने के लिए प्लॉट आवंटित कराने वाले दो विदेशी उद्यमियों को भी न्योता भेजा गया है। इसके अलावा एशियन पेंट्स, बर्जर पेंट, हल्दीराम, रिलायंस एनर्जी, अदाणी समूह समेत 15 कंपनियों को इस स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह ने बताया कि गोरखपुर में औद्योगिक माहौल बदला है। अब लगातार यहां उद्योग स्थापित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में उद्यमियों की होने वाली बैठक से निवेश को लेकर और सकारात्मक माहौल बनेगा। स्थापना दिवस समारोह का आयोजन गीडा कार्यालय के पास होगा। वहां 250 स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इसके लिए दो टेंट लगाए जाएंगे। इनमें कपड़ा, प्लास्टिक, इलेक्ट्रानिक्स आदि उत्पाद रखे जाएंगे। मुख्यमंत्री इन स्टॉल का निरीक्षण कर गोरखपुर में हो रहे उत्पादन की जानकारी लेंगे। इस आयोजन को लेकर शासन स्तर से भी समीक्षा की जा रही है।

पूर्व विदेश मंत्री के बाग में लटका मिला शव, सड़ी-गली हालत में मिली बॉडी, 15 दिन से लापता था युवक

फरुर्खाबाद। जिले के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद के आम के बाग में कई दिन पुराना सड़ा गला शव पेड़ पर लटका मिला। गांव की वृद्ध महिला ने उसके कपड़े देखकर शव की शिनाख्त की। पुलिस व फोरेंसिंक टीम ने जांच पड़ताल के बाद आत्महत्या का मामला मानते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक 15 दिन पहले घर से लापता हो गया था। कोतवाली क्षेत्र के गांव चिलसरी में गुरुवार सुबह कुछ लोगों ने पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद के बाग में शव लटका देखा। यह सुनकर वहां काफी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा। शव कई दिन

पुराना होने से सड़ गल गया था। उससे बुरी तरह बदबू निकल रही थी। युवक चेकदार शर्ट, रंगीन बनियान व काली लोअर पहने था।गांव चिलसरी निवासी वृद्ध महिला भू देवी ने कपड़े व चप्पलें देखकर उसकी शिनाख्त कर ली। उसने बताया कि शव उसके नाती विकास शाक्य (18) पुत्र सर्वेंद्र उर्फ मुकुंदी का है। भूदेवी ने पुलिस को बताया कि 15 दिन पहले विकास को उन्होंने नहलाकर कपड़े पहनाए थे। यह कपड़े उसी के हैं। विकास मानसिक विक्षिप्त था। अक्सर वह कई दिनों के लिए घर से गायब हो जाता था। इससे कोई ध्यान नहीं दिया। सूचना पर सीओ सोहराब आलम, इंस्पेक्टर जेपी पाल, एसआई सुनील कुमार फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक विकास की चार बहनें साधना, उपासना, शालिनी, कीर्ति व 8 वर्षीय छोटा भाई आशू है। शव देखकर विकास की मां नीलम शाक्य व दादी भूदेवी बुरी तरह बिलख रहीं थीं। सीओ सोहराब आलम ने बताया कि जांच पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव की शिनाख्त हो गई है। युवक मानसिक विक्षिप्त बताया गया है।

सुचितापूर्ण वातावरण के लिए अनुशासन आवश्यक: प्राचार्य प्रोफेसर बृजेश सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। महाविद्यालय में पठन-पाठन के सुचितापूर्ण वातावरण को बनाए रखने के लिए अनुशासन सबसे आवश्यक तत्व है। यदि महाविद्यालय में अनुशासन का वातावरण बना रहेगा तो पढ़ने लिखने का माहौल ठीक रहेगा। इसके लिए यह जरूरी है कि सभी कक्षाएं समय से चलें और महाविद्यालय के विद्यार्थी ही परिसर और कक्षाओं में रहें। इसके मद्देनजर महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए गणवेश (कॉलेज ड्रेस)पहले से तय है। इसलिए सभी विद्यार्थियों को महाविद्यालय में निश्चित गणवेश अनिवार्यता है। गणवेश विहीन विद्यार्थी बाहरी तत्वों के तरह लगते हैं। उक्त बातें बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के प्राचार्य प्रोफेसर बृजेश सिंह ने महाविद्यालय की अनुशासन समिति की एक बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिसर सिर्फ विद्यार्थियों के लिए है। बाहरी तत्वों के लिए नहीं। इसलिए जो युवा यहां के विद्यार्थी नहीं हैं उनका महाविद्यालय में अनावश्य आना माहौल को खराब करता है। इसलिए उनका महाविद्यालय में प्रवेश प्रतिबंधित है। इसके लिए महाविद्यालय की अनुशासन समिति द्वारा विद्यार्थियों का निरीक्षण करना और ऐसे तत्वों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्यवाही होना आवश्यक है। इसलिए सभी विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में अपना आधार कार्ड और फीस रसीद की प्रति लेकर आने की अनिवार्यता भी लागू की जाती है। महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पूरे परिसर में सीसी टीवी कैमरे लगाए गए हैं। विद्यार्थी अपनी मयार्दा का पालन करेंगे तो शिक्षा के मंदिर से उन्हें सफल जीवन का प्रसाद प्राप्त होगा। बैठक में मुख्य नियंता डॉ गौरव तिवारी, डॉ निगम मौर्य, डॉ सुबोध गौतम, यज्ञेश नाथ त्रिपाठी, डॉ कमाल हसन, डॉ पूजा, डॉ राकेश सोनकर, डॉ दुर्गविजय सिंह, डॉअजय मिश्र आदि उपस्थित रहे।

लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा के लिए सजग रहें पत्रकार: अजय सिंह

संवाददाता

पडरौना, कुशीनगर। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति (एबीपीएसएस) की जिला इकाई द्वारा संगोष्ठी आयोजित किया गया। वक्ताओं ने पत्रकारों के हक, मान, सम्मान को लेकर एकजुट संघर्ष का आह्वान किया। पडरौना नगर के रामकोला रोड स्थित एक दैनिक कार्यालय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि आज ही के दिन भारतीय प्रेस परिषद ने पत्रकारिता के मानकों की रक्षा के लिए कार्य भार संभाला और इस दिवस को राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस घोषित हुआ। श्री सिंह ने कहा कि आज के बदलते परिदृश्य में कलमकारों के सामने निष्पक्ष पत्रकारिता को लेकर काफी संभावनाएं हैं तो चुनौतियां भी

हैं। ऐसे में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व पोर्टलों से जुड़े मीडिया कर्मियों को खबरों को लेकर हमेशा सजग रहना चाहिए। तभी लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा होगी। सहयोग व एकजुटता की पत्रकारों से अपील करते हुए श्री सिंह ने कहा कि पत्रकार हित में देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने की मांग को लेकर संगठन देश व्यापी मुहिम चला रही है। प्रदेश सचिव विनय कुमार उपाध्याय ने कहा कि आये दिन पत्रकार उत्पीड़न की बढ़ रही घटनाओं पर सरकार रोक लगाए और पत्रकार हित की योजनाओं को निचले स्तर पर काम कर रहे मीडिया कर्मियों तक पहुंचाया जाए। एबीपीएसएस के क्षेत्रीय अध्यक्ष राज सिंह ने कहा कि पत्रकार हितों के संरक्षण के लिए हम सभी को आगे आना होगा। वक्ताओं ने पत्रकार ब्रिज बिहारी त्रिपाठी के साथ हुई मारपीट की घटना की निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की गई। अंत में सहारा समूह के प्रबन्ध निदेशक सहारा श्री सुब्रत राय ने निधन पर वक्ताओं ने सहारा श्री के द्वारा मीडिया में किये गए योगदान को याद करते हुए गहरा शोक प्रकट किया और दो मिनट का मौन रख मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा ने किया। इस अवसर पर अमित कुमार यादव, एहतेशाम मिंटू लारी, विजय कुमार राव, असफाक अंसारी, तहसील अध्यक्ष पडरौना आदित्य दीक्षित, तहसील अध्यक्ष सुख सागर शर्मा, मंतोष जायसवाल, पवन कुमार शर्मा, राजू द्विवेदी, आर्यन शर्मा, अर्जुन वेदांत, सरफराज अली, सौरभ शर्मा, सहिम अंसारी, मस्तराज शर्मा, राहुल कुमार विश्वकर्मा, सहाबुद्दीन, दीपक अग्रवाल, फरियाद, ईश्वर चन्द पटेल, अशोक सिंह सहित संगठन से जुड़े पत्रकार मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

पूर्व राज्यसभा सांसद सपा राष्ट्रीय महासचिव हरेन्द्र मलिक ने बुढाना में की सभा संवाददाता

मुजफ्फरनगर। तहसील बुढाना जनपद मुजफ्फरनगर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व राज्यसभा सदस्य पूर्व विधायक हरेंद्र मलिक ने बुढ़ाना डाक बंगले पर एक सभा की । इसमें पूर्व सांसद ने क्षेत्रीय कार्यकताओं को संबोधित किया आपने कहा कि 22 तारीख को नेताजी मुलायम सिंह यादव का जन्मदिन है ।इस दिन बुढाना में एक बड़ी सभा का आयोजन किया जाएगा। आपने कहा कि मुजफ्फरनगर लोक सभा से पार्टी जो तय करेगी वह उम्मीदवार होगा । तथा अगर भाजपा को हराना है तो हम सबको तन मन धन से एकजुट रहना होगा पूर्व सांसद ने अपने सभी कार्यकताओं को एकजुट होने के लिए कहा । जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी मु०नगर जिया चौधरी ने कहा कि हम सबको इकट्ठा होकर एक प्रोग्राम बनाकर साथ चलना चाहिए । जिला अध्यक्ष इलम सिंह गुर्जर ने कहा कि कोई एक बिरादरी से कोई सांसद नहीं बन सकता है हमारे जिले से भी दो गुर्जर विधायक है और सभी लोग पार्टी हित में कार्य करते हैं । सपा नेता राकेश शर्मा ने कहा कि आने वाली 22 तारीख में डी ए वी इंटर कॉलेज के फील्ड में इतनी भीड़ आनी चाहिए कि पैर रखने के लिए जगह ना रहे । सभा में गोल्डी अहलावत ने कहा हरेन्द्र मलिक ही गठबन्धन से सीट निकाल सकते है सामाजिक कार्यकर्ता ,धन्नी त्यागी बुढाना राकेश शर्मा पूर्व प्रधान अनवार प्रधान भसान मंजूर हसन , वसीम सपा नेता जौला , अकरम विधान सभा अध्यक्ष बुढाना जुनैद .सोमपाल भाटी मु०नगर प्रदीप कुरालसी चंद्रपाल कुरथल, चौधरी राजेंद्र सिंह सुभाष नसीरपुर , अरुण चौटाला ने भाग लिया ।

जलसा ए ईद-मिलादुन्नबी व आला हजरत कॉन्फ्रेंस से सैय्यद आवेश मुस्तफा का खिताब

संवाददाता

अम्बेडकर नगर। मदरसा अहले सुन्नत दारुल फातहे बिलग्राम द्वारा एक कार्यक्रम बनाम ईद-मिलादुन्नबी व आला हजरत कांफ्रेंस का आयोजन किया गया है जिसमें मौलाना किबला आजमी ने बिलग्राम शरीफ बुजुर्गो की सिलसिलेवार करामत व उनके द्वारा किए गए दीनी व सामाजिक कार्यो का जिक्र किया वही कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना मसूद बरकाती ने नबी की शान को बताते हुए बताया मोहम्मद रहमातुल्लिहालामीन बनकर आए हैं सारी दुनिया के लिए रहमत हैं वही मद्दाहे खैरुलअनाम मुमताज टाण्डवी ने व अब्दुल करीम हरदोई ने नात पढ़ी कार्यक्रम की सरपरस्ती कर रहे सैय्यद हजरत आवेश मुस्तफा साहब ने दुआ की और सिलसिले कादरी बरकाती रज्जाकी में लोगों को मुरीद कर हर फर्ज वाजिब सुन्नतों पर अमल करने की सपथ दिलाई मौलाना मुफ्ती मोहम्मद फैजुलहक व मौलाना मुख़्तार अहमद साबरी मंजरी व मौलाना नूरुलहसन प्रतापगढ़ी कार्यक्रम के संचालक हजरत मौलाना मोहम्मद अजहर साहब व क्षेत्र के आलिमेदीन व हाफि ज व कारी उपस्थित रहे।

मीनेश आल इंडिया यूनिवर्सिटी टीम मे चयनित, इंटर कॉलेज एयर राइफल शूटिंग मे जीता रजत पदक

संवाददाता

मथुरा। मथुरा के निकटवर्ती गांव तालफरा की बहू मीनेश ने इंटर कॉलेज एयर रायफल शूटिंग चैंपियनशिप मे शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। एस आर एस कॉलेज के एम ए प्रथम वर्ष की छात्रा मीनेश ने 10 मीटर राइफल शूटिंग मे 70/100 अंको के साथ रजत पदक जीता है ।

मीनेश ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी सास कुशमा देवी ससुर ओंकार सिंह देवर रविकुमार बहन वैशाली चाचा अरविन्द के साथ पति व कोच विश्व चैंपियन गोविन्द सिंह को दिया। मीनेश ने बताया कि सभी लोगो ने खेलने के लिए प्रेरित किया, इस सब मे उनके बेटे अथर्व और अछित को भी बहुत परेशानी उठानी पड़ी, जहा लोग शादी के बाद खेलों कि इजाजत नहीं देते ऐसे में उनके परिवार ने पूरा साथ दिया है । मीनेश ने बताया कि उन्हें खेलने के लिए प्रेरणा पति गोविन्द सिंह से मिली जो कि पॉवरलिफ्टिंग और वेटलिफ्टिंग के अन्तर्राष्टीय खिलाड़ी है । मीनेश का सपना आल इंडिया युनिवर्सिटी एयर रायफल चैंपियनशिप मे पदक जीतने के साथ पति की तरह अन्तर्राष्टीय चैंपियनशिप में पदक जीतना है। मीनेश ने अपना पदक दादा ससुर नत्थी सिंह को समर्पित किया है,जिनका हाल ही मे निधन हुआ है। मीनेश की सफलता पर गांव वालो ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें भविष्य के लिए बधाई दी। बधाई देने वालों मे भाजपा नेता गोपाल पहाड़िया ऐडवोकेट तेजेन्द्र कुंतल सरपंच बनय सिंह ओंकार सिंह दीपेंद्र चाहर रवि कुमार मुकेश जुरेल अरविन्द जुरेल दलवीर सिंह डालचंद प्रवीन जुरेल विश्व चंपियन गोविंद सिंह आदि लोग रहे ।

फिर जहरीली हुई हवा

पिछले सप्ताह हुई बारिश से बदले मौसम के मिजाज ने राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण से जो राहत दी थी, वह दिवाली तक ही रही। दिवाली के बाद दिल्ली समेत उत्तर भारत के तमाम शहरों में सांस लेना वैसे ही मुश्किल हो गया है जैसा आम तौर पर इस मौसम में होता रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में इस साल दिवाली पर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में पिछले साल दिवाली के मुकाबले क्रमशः 45 और 33 फीसदी की बढ़ोतरी पाई गई। निश्चित रूप से इसके पीछे वे तमाम कारण हैं जिन पर बात लगातार होती रहती है, लेकिन इस वक्त जो चीज सबसे ज्यादा मुंह चिढ़ाती दिख रही है वह है दिवाली में हुई आतिशबाजी। वायु प्रदूषण को रोकने के लिए प्रभावी नीतियां बनाकर उन्हें सही ढंग से लागू करने के मामले में सरकारों की नाकामी निश्चित रूप से तकलीफदेह है, लेकिन इस बात का क्या करें कि पटाखों की बिक्री पर बैन होने के बावजूदऑनलाइन ऑर्डर देकर घरों पर पटाखे मंगाए गए और देर रात तक फोड़े जाते रहे। क्या ऐसा करने वालों को पता नहीं था कि अगले दिन उन्हें उनके साथ-साथ हजारों ऐसे लोगों को भी ये हवा अपने फेफड़ों में भरनी है जो अस्थमा या दूसरी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं? यह साल में सिर्फ एक बार कोई पर्व मना लेने भर का मामला नहीं है। यह बताता है कि एक समाज के रूप में हम आज भी कितने गैर-जिम्मेदार बने हुए हैं। हालांकि इन सबके बावजूद इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की समस्या बनी रहने के पीछे दिवाली के पटाखों की सीमित भूमिका ही है। इसके लिए ज्यादा जिम्मेदार पराली, बायोमास और कोयले को बताया जाता है। दिलचस्प है कि प्रदूषण का असर दिखना शुरू होने पर जब सरकार सक्रिय होती है, तब भी उसका ज्यादा जोर ऑड-ईवन लागू करने और कंस्ट्रक्शन रोकने जैसे कदमों पर होता है जबकि स्टडीज बताती हैं कि प्रदूषण में गाड़ियों और कंस्ट्रक्शन डस्ट का योगदान 20 फीसदी ही होता है। सबसे ज्यादा भूमिका पराली जलाने के चलन की है। यहां भी सरकारी कोशिशें किसानों पर सख्ती करने की ओर केंद्रित दिखती हैं जबकि यह मूलतः टेक्नॉलजी से जुड़ी प्रॉब्लम है। असल में कंबाइन हार्वेस्टर का जो डिजाइन हमारे देश में इस्तेमाल होता है, वह कुछ इंच स्टबल छोड़ देता है। मगर ऐसे कंबाइन हार्वेस्टर भी उपलब्ध हैं, जो एकदम जमीन से फसल काट सकते हैं। क्या उन्हें नहीं आजमाया जा सकता? जहां तक वाहनों से होने वाले प्रदूषण की बात है, उन पर काबू पाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट को और बेहतर बनाना होगा, साथ ही लास्ट माइल कनेक्टिविटी भी देनी होगी। इसके अलावा, ऐसे उपाय भी हैं, जिनके सहारे अन्य देशों ने अपने यहां की हवा को साफ करने में कामयाबी पाई है। जाहिर है, राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो हर साल आने वाली इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

उलझन भरी कवायद

गाजा पर इजराइली हमलों में संघर्ष विराम का आह्वान करने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के प्रस्ताव से गैरहाजिर रहने के दो सप्ताह बाद, भारत ने यूएनजीए की चौथी समिति में छह वार्षिक मसौदा प्रस्तावों में से पांच के पक्ष में मतदान किया। इन मसौदा प्रस्तावों में कब्जे वाले क्षेत्र में बढ़ती बस्तियों के लिए इजराइल की आलोचना की गई है और वे फिलिस्तीनियों के घरों व संपत्ति के अधिकार की वकालत करते हैं तथा गाजा में सक्रिय संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) का समर्थन करते हैं। भारत की पारंपरिक नीति की ह्लनियमितह्व पुष्टि के रूप में इस मतदान के पक्ष में की गई आधिकारिक व्याख्या ने इस संकट पर सरकार के रुख को लेकर जारी भ्रम को और बढ़ा दिया है। अक्टूबर में यूएनजीए के मूल प्रस्ताव पर मतदान की व्याख्या में यह कहा गया था कि भारत ऐसे किसी प्रस्ताव के पक्ष मतदान नहीं कर सकता जिसमें हमास के 7 अक्टूबर के हमलों की ह्लस्पष्ट निंदाह्व शामिल नहीं है। हालांकि, इन छह प्रस्तावों में से कोई भी दरअसल 7 अक्टूबर के हमलों का उल्लेख नहीं करता है। इनमें वह प्रस्ताव भी शामिल है जिसमें भारत गैरहाजिर रहा और जो अधिकारों के उल्लंघन के लिए इजराइल की जांच करने के बारे में चर्चा करता है। इसके बजाय ये उन प्रस्तावों के जैसे हैं जिनके लिए भारत ने पहले मतदान किया था तथा चौथी समिति में विचार-विमर्श के दौरान न तो भारत और न ही किसी अन्य देश ने संशोधन का प्रस्ताव किया। दरअसल, इजराइल के दूत ने इन ह्लइजराइल विरोधीह्व प्रस्तावों को खारिज करने की मांग की क्योंकि उनमें वर्तमान स्थिति का संदर्भ शामिल नहीं है। क्यूबा ने तर्क दिया कि इन प्रस्तावों पर मतदान होना महत्वपूर्ण है, लेकिन उनमें 4,000 बच्चों सहित मारे गए 11,000 से अधिक फिलिस्तीनियों और विस्थापितों (लगभग दस लाख) का संदर्भ भी नहीं है। भारत ने संशोधन का प्रस्ताव नहीं किया, न ही किसी भारतीय राजनयिक ने बात रखी। हालांकि, अगले महीने - तब तक गाजा का अधिकांश हिस्सा नष्ट हो चुका होगा - यूएनजीए द्वारा इन प्रस्तावों को मतदान के लिए रखे जाने के दौरान एक लंबी व्याख्या की उम्मीद की जा सकती है । एक ऐसे वक्त में जब हर दिन मायने रखता है, नई दिल्ली स्थिति में बदलाव लाने के लिए प्रयास करने को तैयार नहीं दिखती है।

निर्वाचन काल 'ऐसे हो सकता है' देश का ऊंचा भाल

ANALYSIS

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर समस्त विघटनकारी शक्तियां मिलकर भारत को तोड़ना चाहती हैं। इन विघटनकारी शक्तियों द्वारा भारत में जातीय संघर्ष खड़ा करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। जबकि भारत के कई सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगठन समस्त भारतीय समाज में एकजुटता बनाए रखना चाहते हैं ताकि भारत को एक बार पुनः विश्वगुरु बनाया जा सके। परंतु, आज विघटनकारी शक्तियों के निशाने पर मुखर रूप से हिंदुत्व, भारत एवं संघ आ गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वयंसेवकों में राष्ट्रीयता का भाव विकसित किया है। स्वयंसेवक समाज की सज्जन शक्ति के साथ मिलकर समाज में जागरुकता लाने का प्रयास कर रहे हैं कि किस प्रकार इन विघटनकारी शक्तियों को परास्त किया जा सकता है। भारत में शीघ्र ही निर्वाचन काल प्रारंभ होने जा रहा है। भारतीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आज राष्ट्र को भारत माता के प्रति समर्पण का भाव रखने वाले नागरिकों की बहुत अधिक आवश्यकता है।

भारत आज वैश्विक पटल पर एक महत्वपूर्ण आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है एवं भारत विश्व को कई क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करने की स्थिति में भी आ गया है। कुछ देश (चीन एवं पाकिस्तान सहित) भारत की इस उपलब्धि को सहन नहीं कर पा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर समस्त विघटनकारी शक्तियां मिलकर भारत को तोड़ना चाहती हैं। इन विघटनकारी शक्तियों द्वारा भारत में जातीय संघर्ष खड़ा करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। जबकि भारत के कई सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगठन समस्त भारतीय समाज में एकजुटता बनाए रखना चाहते हैं ताकि भारत को एक बार पुनः विश्वगुरु बनाया जा सके। परंतु, आज विघटनकारी शक्तियों के निशाने पर मुखर रूप से हिंदुत्व, भारत एवं संघ आ गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वयंसेवकों में राष्ट्रीयता का भाव विकसित किया है। स्वयंसेवक समाज की सज्जन शक्ति के साथ मिलकर समाज में जागरुकता लाने का प्रयास कर रहे हैं कि किस प्रकार इन विघटनकारी शक्तियों को परास्त किया जा सकता है। भारत में शीघ्र ही निर्वाचन काल प्रारंभ होने जा रहा है। भारतीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आज राष्ट्र को भारत माता के प्रति समर्पण का भाव रखने वाले नागरिकों की बहुत अधिक आवश्यकता है। अतः भारतीय समाज द्वारा निर्वाचन में 100 प्रतिशत मतदान किया जाय एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत उम्मीदवार ही चुनाव जीत सकें, इसके लिए समाज को साथ लेकर भारतीय नागरिकों द्वारा विशेष प्रयास किये जाने चाहिए। इस संदर्भ में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा भी कई तरह के प्रयास समय समय पर किए जाते हैं ताकि देश के नागरिकों द्वारा 100 प्रतिशत मतदान किया जा सके। निश्चित ही 50 प्रतिशत नागरिकों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि की तुलना में 90 अथवा 100 प्रतिशत नागरिकों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि बेहतर प्रतिनिधि ही साबित होंगे। अतः अधिक से अधिक मतदान किया जाना आज समय की आवश्यकता है। इससे चुने गए प्रतिनिधियों की गुणवत्ता में तो सुधार होगा ही साथ ही, वर्तमान समय में भारत की आर्थिक प्रगति भी जारी रह सकेगी एवं भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित होते हुए भी हम लोग देख सकेंगे। कई बार विभिन्न दलों के समस्त उम्मीदवार कुछ मतदाताओं को पसंद नहीं आते हैं, इन परिस्थितियों में ऐसे मतदाताओं को नोटा का बटन दबाने का अधिकार रहता है। परंतु, कोई उम्मीदवार मतदाता की नजर में 100 प्रतिशत खरा उम्मीदवार होगा, ऐसा सम्भव भी तो नहीं है। इन परिस्थितियों में कम से कम बुरे उम्मीदवार को चुना जा सकता है। नोटा का बटन दबाकर तो कम बुरे उम्मीदवार के स्थान अधिक बुरा उम्मीदवार ही चुना जा सकता है। संघ के परम पूज्य सर संघचालक भी कहते हैं कि 'नोटा में हम लोग सर्वोत्तम को भी किनारे कर देते हैं और इसका फायदा सबसे बुरा उम्मीदवार ले जाता है। होना यह चाहिए कि हमारे पास जो सर्वोत्तम उपलब्ध है, उसे चुन लें। प्रजातंत्र में सौ फीसदी लोग सही मिलेंगे, ऐसा बहुत मुश्किल है।' यह आकलन पूर्णतः सही ही कहा जा सकता है क्योंकि मतदाता भले ही नोटा दबा कर यह समझे कि उसने सभी उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया है लेकिन शायद उसे यह नहीं पता होता कि इस से किसी ऐसे उम्मीदवार की कम अंतर से हार हो सकती है जो उन सबमे सबसे बेहतर हो। ऐसे में नोटा को गए वोट अगर उस हारे उम्मीदवार को जाते तो वह जीत सकता था। अगर इस कारण किसी बुरे उम्मीदवार की जीत हो जाती है तो फिर नोटा दबाने के कोई मायने ही नहीं रह जाते। भारत में चुनावों पर हजारों करोड़ रुपए की राशि खर्च होती है। अतः केंद्र एवं राज्यों में मजबूत सरकारों का चुना जाना अति आवश्यक है, ताकि वे अपने पांच वर्ष के कार्यकाल को सफलता पूर्वक सम्पन्न कर सकें। यदि 100 प्रतिशत मतदान के साथ किसी भी सरकार को चुना जाता है तो निश्चित ही मजबूत सरकार होगी एवं वह अपना कार्यकाल पूर्ण कर सकने में सफल भी होगी और इस प्रकार मध्यावधि चुनावों की आवश्यकता ही नहीं रहेगी। इस प्रकार, देश के करोड़ों रुपये के खर्च को बचाया जा सकेगा। इसलिए भारत में आज पढ़े-लिखे एवं समझदार वर्ग को भी आगे आकर 100 प्रतिशत मतदान के लिए प्रयास करने चाहिए, क्योंकि जिस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में भारत आज आगे बढ़ रहा है, यह कार्य लम्बे समय तक जारी रहना चाहिए। इजराइल के नागरिकों में देश प्रेम की भावना के चलते ही तीन लाख से अधिक नागरिकों ने आगे आकर सेना में भर्ती होने के वहां की सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार किया है। भारत में भी देश के प्रतिनिधि राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव रखने वाले ही होने चाहिए। भारतीय समाज की एकजुटता के कारण ही आज भारत में रामसेतु का विध्वंस रुक सका है, जम्मू एवं कश्मीर में लागू धारा 370 एवं धारा 35ए हटाई जा सकी है, 500 वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद श्री राम का भव्य मंदिर अयोध्या में निर्मित हो रहा है, जिसका उद्घाटन 22 जनवरी 2024 में पूज्य संत महात्माओं के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न होने जा रहा है। जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता आज भारत के पास है और भारत इस समूह के समस्त देशों को एकजुट बनाए रखने में सफल रहा है। भारत ने चन्द्रयान को चन्द्रमा के दक्षिणी भाग पर सफलता पूर्वक उतारने में सफलता हासिल की है एवं चन्द्रमा की सतह पर 'शिवशक्ति' को अंकित करने में भी सफलता पाई है। भारत आज अपनी सीमाओं की मजबूती के साथ सुरक्षा करने में सफल हो रहा है। खेलों के क्षेत्र में भी नित नए झंडे गाड़े जा रहे हैं। हाल ही में चीन में सम्पन्न हुई एशियाई खेल प्रतियोगिताओं में भारत ने 107 पदकों को हासिल कर एक रिकार्ड बनाया है। इसी प्रकार नागरिकों को आज अच्छी सड़कें मिली हैं। पानी-बिजली की उपलब्धता बढ़ी है। राज्यों में विकास की यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। राज्यों के चुनाव भी बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं, क्योंकि राज्यसभा सदस्य राज्य के विधायकों द्वारा ही चुने जाते हैं। इस दृष्टि से विभिन्न राज्यों के चुनाव में भी 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

कैसे खून से लथपथ होने से बचें हमारी सड़कें

एक बार फिर से देश में सड़क हादसों पर आई एक सरकारी रिपोर्ट को पढ़कर कोई भी इंसान डर जाएगा । समझ नहीं आता कि आखिर कैसे हम अपने यहां होने वाले सड़क हादसों के कारण होने वाली मौतों पर काबू कर पाने में सफल होंगे। फिलहाल तो स्थिति सच में बेहद चिंताजनक है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल यानी 2022 में 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। ये वास्तव में एक बहुत ही बड़ा आंकड़ा है। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क हादसे हुए। हम जिस रिपोर्ट की बात कर रहे हैं उसे सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ही जारी किया है। हादसों का वे अभागे लोग खासतौर पर शिकार हुए जो सीट बेल्ट और हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करते। मेरा मानना है कि हमारे यहां निजी कारों और दूसरे वाहनों को चलाने वाले ड्राइवरों को जितना काम करना पड़ता है उसके चलते भी बहुत सारे हादसे होते हैं। एक औसत ड्राइवर दिन में 14-15 घंटे ड्यूटी करता है। उसे सोने का सही से मौका नहीं मिलता। उसकी कायदे से नींद पूरी ही नहीं हो पाती। चूंकि उसे अपने बीवी- बच्चों का पेट भरना होता है इसीलिए उसे दिन-रात गाड़ी चलानी पड़ती है। अमृत मान ने 1986 से लेकर 1991 तक अपनी सेकेंड हैंड एंबेसडर कार को टैक्सी के रूप में चलाया। उसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे कई टैक्सियां खरीद कर अपनी ट्रांसपोर्ट कंपनी खोल ली। अमृत मान कहते हैं कि वे मन से अब भी ड्राइवर हैं। वे कहते हैं- 'ड्राइवरी के पेशे में सिर्फ खटना होता है। ड्राइवर के सुख-दुख से किसी को कोई सरोकार नहीं होता। उसके जीवन में जिल्लत और अपमान ही है। उसने कब खाना खाया या नहीं खाया, वो कहां सोया या नहीं सो पाया, इससे आमतौर पर किसी कोई को लेना-देना नहीं होता।' आप कभी किसी सरकारी या अन्य बिल्डिंग की पार्किंग को देख लें। वहां पर सैकड़ों कारें खड़ी मिलेंगी। किसी एक कार के बोनट पर चार-पांच ड्राइवर ताश खेल रहे होते हैं। उन्हें उनके कुछ साथी देख भी रहे होते हैं। अचानक से बॉस का फोन आया। एक ड्राइवर ने अपने ताश के पत्ते साथी को दिए और निकल पड़ा बॉस को लेने। यही ड्राइवर की जिंदगी है। कब कहां जाना है, कुछ पता नहीं। उसे सवाल पूछने तक का हक नहीं है। उसकी ड्यूटी का कोई समय नहीं। आपको देश के बहुत सारे शहरों में सड़क किनारे टैक्सी स्टैंड मिलेंगे। वहां पर कुछ ड्राइवर चारपाई पर बैठे होते हैं। पीछे एक छोटा सा टेंट लगा होता है। इन टेंटों के आसपास ही ड्राइवरों की जिंदगी गुजर जाती है। टेंट में चाय बनाने वाला एक स्टोव भी रखा होता है। कई ड्राइवरों से बात हुई। सबका कहना था कि जब किसी को लेकर शहर से बाहर जाते हैं, तो रात को गाड़ी में ही सो जाते हैं। इतना पैसा तो मिलता नहीं कि होटल या धर्मशाला में रुक सके। बेशक, ड्राइवरी के पेशे से वे ही जुड़ते हैं जिनके पास कोई विकल्प नहीं होता। कोई भी ड्राइवर नहीं बनना चाहता। कोई ड्राइवर अपने बच्चों को ड्राइवर बनाना भी नहीं चाहता। पर मजबूरी क्या नहीं करवाती। औसत ड्राइवर तो जीवन भर संघर्ष ही करता रहता है। चूंकि ड्राइवरों को रोज 14-15 घंटे तक काम करना होता है तो इनकी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। सोने का इन्हें समय नहीं मिलता। इसका नतीजा यह होता है कि इतने ज्यादा हादसे होते हैं। ड्राइवर कभी यह नहीं कह सकता कि रात के वक्त चलना खतरे से खाली नहीं है। ड्राइवरों को तो हुक्म को मानना ही है। उसकी सिर्फ कमी निकाली जाएगी। कौन सुनता है उसकी कहानी। आप जानते हैं कि टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमेन सायरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में ही अकाल मौत हुई थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, मशहूर कलाकार जसपाल भट्टी, कांग्रेस नेता राजेश पायलट और केन्द्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे सड़क हादसों का ही शिकार हुए। अभी तो इन्हें देश को बहुत कुछ देना था। सायरस मिस्त्री की मौत से भारत का आमजन और कॉरपोरेट संसार हिल गया था। मिस्त्री चमक-धमक से दूर रहने वाले, सज्जन, प्रतिभाशाली और गर्मजोशी से भरे मनुष्य थे। मिस्त्री अपनी पीढ़ी की श्रेष्ठ व्यावसायिक प्रतिभाओं में से एक और बेहद सज्जन व्यक्ति थे। उनका वैश्विक दिग्गज कंपनी शापूरजी पालोंजी को खड़ा करने में अहम योगदान था। सायरस मिस्त्री में नेतृत्व के पर्याप्त गुण थे। बहरहाल, रिपोर्ट के अनुसार, देश में हुए कुल हादसों में 32.9 प्रतिशत हादसे एक्सप्रेस-वे एवं राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर हुए। वहीं 1,06,682 यानी 23.1 प्रतिशत हादसे राज्य राजमार्गों जबकि 43.9 प्रतिशत हादसे अन्य सड़कों पर हुए। रिपोर्ट में कहा गया कि सालाना आधार पर सड़क हादसों की संख्या में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और उनसे होने वाली मृत्यु की दर 9.4 प्रतिशत बढ़ी। हादसों में घायल होने वाले लोगों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जैसा कि जानकार कहते हैं, सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों में एक बड़ी संख्या सुरक्षात्मक साधनों का इस्तेमाल न करने वालों की रही। सीट बेल्ट न पहनने की वजह से 16,715 लोगों की इन हादसों में मौत हो गई जिनमें से 8,384 लोग ड्राइवर थे जबकि बाकी 8,331 लोग वाहन में बैठे यात्री थे। इसके अलावा 50,029 दोपहिया सवार भी हेलमेट न पहनने की वजह से इन हादसों में अपनी जान गंवा बैठे। यह सच है कि जहां हमारे यहां सड़कों का जाल विश्वस्तर का हो चुका है। इसका लगातार विस्तार और सुधार भी हो रहा है। पर सड़क हादसों की संख्या में कमी न आना उदास तो करता है। इस मसले का हल तो खोजना ही होगा। अब यह सुनकर भी दिल दहल जाता है कि साल 2022 में लगातार चौथे साल घातक सड़क दुर्घटना का सबसे अधिक नौजवान शिकार हुए। इस दौरान 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के 66.5 लोग हादसों का शिकार हुए। अब बड़ा और जरूरी सवाल ये ही है कि कैसे थमे ये सड़क हादसे?

Social Media Corner

सच के हक में...

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के निष्पक्ष और सशक्त होने में ही उसकी खूबसूरती है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर प्रेस जगत से जुड़े सभी लोगों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

भारत के प्रधानमंत्री की गाड़ी के ठीक सामने किसी व्यक्ति का अचानक से आ जाना सुरक्षा की भारी चूक है। हमारा देश पहले भी कई बड़े हादसे देख चुका है। ऐसे भी यह चूक नजरंदाज के योग्य बिलकुल भी नहीं है। हेमंत जी... इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की जाये क्यों कि जो राज्य अपने प्रधानमंत्री को ढंग से सुरक्षा नहीं दे सकता वो आम आदमी को क्या सुरक्षा देगा?

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर मीडिया के सभी साथियों को शुभकामनाएं। मीडिया की आजादी से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।

(राज्यपाल रघुवर दास के ट्विटर अकाउंट से)

विकास की संभावनाओं से भरा है झारखंड

वर्ष 2019-20 की आर्थिक मंदी और वर्ष 2020-21 की कोविड-19 महामारी के दौरान हुए आर्थिक गतिविधियों में संकुचन के बाद राज्य की अर्थव्यवस्था में लगातार सुधार हुआ है। न केवल विकास दर पूर्ववत हो गया है, बल्कि इसमें उत्तरोत्तर विकास की प्रबल संभावना बनी हुई है। विकास के बाधक तत्वों के दूर होने एवं विकास उन्मुखी प्रयास किये जाने पर यह राज्य देश के अग्रगणी राज्यों मे से एक हो जायगा। झारखंड की वास्तविक आय में वर्ष 2011-12 से 2018-19 के बीच 6.2 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से वृद्धि हुई। वित्तीय 2019-20 में देश की आर्थिक मंदी के कारण एवं वर्ष 2020- 21 मे कोरोना एवं उसके कारण हुए बंदी के कारण राज्य का विकास थम सा गया था। पिछले वर्ष की तुलना वर्ष 2019-20 में राज्य की कुल वास्तविक आय में मात्र 1.1 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई और वर्ष 2020-21 में तो इसमें 5.5 प्रतिशत की कमी आयी। वर्ष 2021-22 में 10.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ राज्य की आय पूर्ववत हो गयी। वर्ष 2022-23 में इसमें 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इस वर्ष (2023-24) में इसमें 6.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस वर्ष विकास दर के कम रहने का कारण एक तरफ एल-नीनो के प्रभाव के कारण मानसून का असामान्य रहना रहा है, तो दूसरी तरफ वैश्विक संघर्ष के वातावरण का कुप्रभाव रहा है। लेकिन, 2019-20 एवं 2020-21 के वर्षों के विपरीत परिस्थितियों के बाद राज्य का विकास अब रफ्तार पकड़ चुका है। आगामी वर्ष (2024-25) में राज्य के विकास दर के 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आने वाले वर्षों में इसके और तीव्र होने का अनुमान है। देश के अन्य राज्यों के तरह झारखंड की अर्थव्यस्था में भी कृषि का एक महत्वपूर्ण स्थान है। राज्य के करीब आधे कामगार कृषि पर आश्रित हैं और राज्य के विकास दर में इसका योगदान 13।8 प्रतिशत है, लेकिन राज्य का यह क्षेत्र पिछड़ा रहा है। राज्य का केवल 17 प्रतिशत भाग शुद्ध बोया गया क्षेत्र है और उसके ज्यादातर भाग में सिर्फ एक फसल होती है। इसका शुद्ध बोया गया क्षेत्र करीब 1387 हजार हेक्टेअर है, लेकिन इसके केवल 426 हजार हेक्टेअर भूमि पर ही एक से ज्यादा फसल होती है। इस तरह से इसकी फसल की सघनता मात्रा 130।7 है। कृषि क्षेत्र में इसके उत्पादन एवं उत्पादकता में भी सुधार की काफी गुंजाइश है। इस क्षेत्र के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार से राज्य के विकास को कई तरह से गति मिलेगी, पहला- यह राज्य की आय को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ाएगा। दूसरा- इस क्षेत्र के उत्पादन की वृद्धि से खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों एवं अन्य कृषि आश्रित उद्योगों को कच्चे पदार्थ आसानी से मिल जायेगा, जिससे इस राज्य में इस तरह के उद्योगों का विकास होगा और तीसरा- कृषि क्षेत्र के विकास से इस क्षेत्र में लगे कामगारों की आय में वृद्धि होगी और इस प्रकार उनके लिए आवश्यक वस्तुओं की मांग बढ़ेगी। इन वस्तुओं की मांग बढ़ने से ऐसे उत्पादों का उत्पादन करने वाले क्षेत्रों के उत्पादन में भी तेजी आयेगी। कृषि के विकास के लिए सिंचाई के क्षेत्र का विस्तार किया जाना आवश्यक है। इसके विस्तार से शुद्ध बोये गये क्षेत्र का विस्तार होगा, ज्यादा बड़े क्षेत्र में एक से ज्यादा फसल का उत्पादन होने लग जायगा एवं कृषि की उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी। सिंचाई के क्षेत्र के विकास के लिए सिंचाई के नए स्रोतों (जिसमें प्रमुख, मध्यम और लघु सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण शामिल है) के निर्माण की दिशा में कार्य किया जाना चाहिए। चल रही सिंचाई परियोजनाओं को पूरा किया जाना चाहिए। सिंचाई के खराब या निष्क्रिय स्रोतों की मरम्मत की जानी चाहिए। एवं खेत में जल के उपयोग की दक्षता में सुधार और पानी की बरबादी को कम करने के लिए ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर जैसी जल बचत प्रौद्योगिकियों का कार्यान्वयन किया जाना चाहिए।

डिजिटल उपकरण और मीडियाकर्मी

मीडिया पेशेवरों के डिजिटल उपकरणों की जब्ती के सिलसिले में, उनके हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को दिशानिर्देश बनाने को कहा है। यह समय पर उठाया गया पहला कदम है। पत्रकारों के खिलाफ हालिया कार्रवाइयों में उनके लैपटॉप व स्मार्टफोन जब्त किये गये और खंगाले गये। इस कदम ने न सिर्फ व्यापक मीडिया बिरादरी, बल्कि व्हिसिल-ब्लोअर्स और उन लोगों को भी डराया है जो पत्रकारों से अपनी पहचान उजागर नहीं किये जाने की शर्त पर बात करते हैं। अगर एक पत्रकार के संचार उपकरण सतही आरोपों के आधार पर जब्त किये जा सकते हैं और उनका डेटा जांचा जा सकता है, तो यह सूत्रों की गोपनीयता के साथ समझौता है और मीडिया पेशेवरों के अपना काम कर सकने की राह में बाधा है। इस तरह से, यह प्रेस की आजादी का अतिक्रमण है और पत्रकारों के आजीविका के अधिकार पर हमला है, क्योंकि डिजिटल उपकरण इस पेशे के बेहद अहम औजार बन चुके हैं। इन दिशानिर्देशों में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को, पूर्व अदालती वारंट के बगैर, उपकरणों को जब्त करने या खंगालने की इजाजत न हो। कुछ न कुछ खोज निकालने का असीमित अधिकार देने के बजाय वारंट में यह साफ जिक्र होना चाहिए कि एजेंसी को क्या सूचना मिलने की उम्मीद है। पत्रकारों को अपना पासकोड या बायोमेट्रिक डेटा देने के लिए बाध्य करके उन्हें खुद को या अपने सूत्रों को गुनहगार ठहराने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। दिशानिर्देशों में उपकरणों और डेटा की सुरक्षा के उपाय करने वाले प्रोटोकॉल जरूर शामिल किये जाने चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इसे लीक नहीं किया गया है या इसके साथ छेड़छाड़ नहीं की गयी है, या इसे किसी तीसरे पक्ष को नहीं दिया गया है, और जांच के लिए अप्रासंगिक डेटा को समय पर डिलीट कर दिया गया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पाकिस्तान में कारों की ब्रिकी औंधें मुंह गिरी, अक्टूबर माह में 6,200 कारें बिकी

लाहौर ।

कंगाल पाकिस्तान में कारों की बिक्री में लगातार गिरावट जारी है। देश में अक्टूबर 2023 में 6,200 यूनिट कारों की बिक्री दर्ज हुई, जो पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था की गंभीर स्थिति को रेखांकित करती है। पाकिस्तान ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (पामा) के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान में कारों की बिक्री में महीने-दर-महीने 26 प्रतिशत की गिरावट आई है। आंकड़ों से साफ होता है, कि अक्टूबर में कारों की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर 2023 में बेची गई 8,400 यूनिट की तुलना में अक्टूबर 2023 में कारों की बिक्री कम होकर 6,200 यूनिट ही रही। पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर ऑटोमोबाइल उद्योग को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन कोई राहत नजर नहीं आ रही है।पाकिस्तान के रुपये के मूल्य में भारी गिरावट के कारण उत्पादों की कीमतें बढ़ गई हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान सरकार ने आयात बिल को कम करने के लिए ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए पार्ट्स के आयात पर उच्च शुल्क लगाया है, जिसके परिणामस्वरूप कारों की कीमतें बढ़ गई हैं। पाकिस्तान ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले चार महीनों में केवल 27,163 यूनिट कारों की बिक्री दर्ज की है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में बेची गई 48,473 यूनिट से 44 प्रतिशत की बड़ी गिरावट है। पाकिस्तान बाजार में प्रमुख कार निर्माताओं में एटलस होंडा, पैन सुजुकी, टोयोटा, हुंडई और किआ शामिल हैं। बिक्री में गिरावट केवल चार पहिया वाहनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे दोपहिया वाहन बाजार भी प्रभावित हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष के पहले चार महीनों में मोटरसाइकिल की बिक्री में भी लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसकी बड़ी वजह आम जनता के बीच खरीदने की क्षमता में कमी है। वहीं भारत में फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, सितंबर में भारत में ऑटोमोबाइल खुदरा बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो कि त्यौहारी सीजन के दौरान वाहन खंडों में बढ़ी मांग के कारण 20 प्रतिशत से अधिक हो गई।

जापान और भारत एशिया, उभरते बाजार इक्विटी का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली।

मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि 2024 में जीडीपी और ईपीएस वृद्धि फिर से जापान और भारत में उम्मीदों से बेहतर रहेगी और चीन तथा उभरते बाजारों (ईएम) में कमजोर रहेगी। मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट में कहा गया, हमने अपने एमएससीआई ईएम लक्ष्य को फिर से घटाकर 1,000 (4 प्रतिशत अधिक) कर दिया है, 2023-25 के लिए हमारे पहले के आम सहमति आय पूर्वानुमानों को 5 प्रतिशत कम कर दिया गया है। प्रमुख विपरीत परिस्थितियों में धीमी वैश्विक विकास पृष्ठभूमि, उच्च ब्याज व्यय का बोझ और यूएसडी-मूल्य सूचकांक के मुकाबले प्रमुख ईएम विनिमय दरों में और कमजोरी शामिल है। मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य विपरीत परिस्थितियों में धीमी वैश्विक ग्रोथ बैकड्रॉप, उच्च ब्याज व्यय का बोझ और यूएसडी-मूल्य इंडेक्स के मुकाबले प्रमुख ईएम विनिमय दरों में और कमजोरी शामिल है। चीन के ऋण-अपस्फीति की चुनौतियों से जूझते रहने की संभावना है। हमारे अर्थशास्त्री जीडीपी वृद्धि (2024 में 4.2 प्रतिशत वास्तविक जीडीपी और 4.8 प्रतिशत नाममात्र जीडीपी वृद्धि) पर आम सहमति से नीचे है, जबकि हमारी एफएक्स टीम को उम्मीद है कि सीएनवाई/यूएसडी 1एच24 में 7.5 तक कमजोर हो जाएगा। यह हमें लगातार चौथे वर्ष ईपीएस वृद्धि पर आम सहमति से काफी नीचे रखता है और हम 2024 में एमएससीआई चीन के लिए 5 प्रतिशत और सीएसआई 300 के लिए 7 प्रतिशत के कम रिटर्न की उम्मीद करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बिल्कुल विपरीत, हमारी टीम ने 2024 में भारतीय नाममात्र जीडीपी वृद्धि 11.6 प्रतिशत और 2025 में 11.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें युवा जनसांख्यिकीय और भू-राजनीतिक संरेखण से प्रवाह बढ़ेगा और इक्विटी की लागत कम होगी।

जापान तीन दशकों के आर्थिक ठहराव से स्पष्ट रूप से उभरा है (हालांकि, यह 2013 में अपस्फीति से बाहर निकल गया, ग्रोथ में कमी थी), जबकि कॉर्पोरेट सुधार में तेजी देखी जा रही है।

केवल 26 प्रतिशत भारतीय कंपनियां एआई का लाभ उठाने के लिए तैयार

बेंगलुरु।

एक रिपोर्ट से यह बात सामने आई है कि भारत में केवल 26 प्रतिशत कंपनियां ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित प्रौद्योगिकियों को इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। सिस्को के एआई रेडीनेस इंडेक्स के अनुसार, भारतीय कंपनियां समय के खिलाफ दौड़ रही हैं क्योंकि सर्वेक्षण में शामिल 75 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उनके पास अपनी एआई रणनीति को लागू करने के लिए अधिकतम एक वर्ष का समय है अन्यथा इसका व्यवसाय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। शोध में पाया गया कि दशकों से एआई अपनाने में धीरे-धीरे प्रगति हो रही है, पिछले वर्ष में सार्वजनिक उपलब्धता के साथ जेनरेटिव एआई में प्रगति प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पन्न चुनौतियों, बदलावों और नई संभावनाओं पर अधिक ध्यान दे रही है। सिस्को के कार्यकारी उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक, एप्लिकेशन और मुख्य रणनीति अधिकारी, लिज सेंटोनी ने कहा, जैसे-जैसे कंपनियां एआई समाधानों को तैनात करने के लिए दौड़ती हैं, उन्हें यह आकलन करना चाहिए कि कहां निवेश की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनका बुनियादी ढांचा एआई वर्कलोड की मांगों का सर्वोत्तम समर्थन कर सके। सेंटोनी ने कहा, संगठनों को यह भी देखने में सक्षम होना चाहिए कि आरओआई, सुरक्षा और विशेष रूप से जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए एआई का उपयोग कैसे किया जा रहा है। हालांकि, कुछ सकारात्मक खबरें भी हैं। जब एआई रणनीतियों के निर्माण की बात आती है, तो भारत में 95 प्रतिशत संगठनों के पास पहले से ही एक मजबूत एआई रणनीति मौजूद है या इसे विकसित करने की प्रक्रिया में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 10 में से आठ (86 प्रतिशत) से अधिक संगठनों को या तो पेससेटर्स या चेजर (पूरी तरह से/आंशिक रूप से तैयार) के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जबकि केवल एक प्रतिशत पिछड़े (तैयार नहीं) की श्रेणी में आते हैं। वैश्विक स्तर पर 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि एआई का उनके व्यावसायिक संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, यह डेटा गोपनीयता और सुरक्षा के आसपास नए मुद्दे भी उठाता है। निष्कर्षों से पता चला कि जब अपने डेटा के साथ-साथ एआई का लाभ उठाने की बात आती है तो कंपनियों को सबसे अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वास्तव में 73 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि ऐसा उनके साइलो में मौजूद डेटा के कारण है।

त्रुटिपूर्ण भुगतान सामने आने पर यूको बैंक ने ऑनलाइन आईएमपीएस ट्रांसफर रोका

यूको बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)

मुंबई।

सरकारी स्वामित्व वाले यूको बैंक ने अस्थायी रूप से ऑनलाइन तत्काल भुगतान प्रणाली (आईएमपीएस) हस्तांतरण बंद कर दिया है, क्योंकि अन्य बैंकों के ग्राहकों द्वारा शुरू किए गए लेनदेन से धनराशि यूको बैंक के खाताधारकों को जमा की गई थी, लेकिन बैंक को धन प्राप्त नहीं हुआ। यूको बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि घटनाएं 10 से 13 नवंबर के बीच हुईं और यह सुविधा बुधवार को बंद कर दी गई। यूको बैंक कहा, बैंक ने एहतियात के तौर पर आईएमपीएस चैनल को ऑफ़लाइन कर दिया है और इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने और आईएमपीएस सेवाओं को बहाल करने के लिए काम कर रहा है। मामले को कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है, वित्तीय प्रभाव का अभी तक पता नहीं लगाया जा सका है और बैंक पता लगने पर इसकी जानकारी देने का प्रयास करेगा। हालांकि, दूसरी फाइलिंग में यूको बैंक ने दावा किया कि यह एक आंतरिक तकनीकी मुद्दा है, जिसके परिणामस्वरूप बैंक ग्राहकों को आईएमपीएस के माध्यम से कुछ गलत क्रेडिट प्राप्त हुए। कुछ बैंकरों का मानना है कि यह यूको बैंक प्रणाली पर साइबर हमला हो सकता है। गौरतलब है कि आईएमपीएस एक रियल-टाइम इंटरबैंक इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सिस्टम है जो यूपीआई से जुड़ा हुआ है। आईएमपीएस के तहत दैनिक लेनदेन की सीमा 5 लाख रुपये है।

ग्लोबल बाजार में कमजोर रुझान के बावजूद हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गुरुवार को हरे निशान पर बंद हुए। गुरुवार के दिन कारोबार के अंतिम दौर में बैंकिंग शेयरों में आई बिकवाली से हालांकि तेजी में कमी आई। दिन के उच्चतम स्तर पर सेसेंक्स 600 अकों से भी ज्यादा मजबूत था। वहीं गुरुवार को ग्लोबल मार्केट में कमजोर रुझान दिखाई दिए। गुरुवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 307 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 87 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। एशियाई बाजारों के कमजोर रुख के बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू बाजारों में गिरावट आई, लेकिन जल्द ही उन्होंने वापसी कर ली। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 306.55 अंक की बढ़त के साथ 65,982.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,358.37 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 65,507.02 तक आया।

वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 87.10 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,762.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,875.25 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,627.00 तक आया।

अक्टूबर में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 11 प्रतिशत बढ़कर 1.26 करोड़ पर पहुंची, डीजीसीए ने जारी की रिपोर्ट

एजेंसी। देश में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या अक्टूबर माह में सालाना आधार पर लगभग 11 प्रतिशत बढ़कर 1.26 करोड़ हो गई। बृहस्पतिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अक्टूबर, 2022 में घरेलू मार्गों पर हवाई यात्रियों की संख्या 1.14 करोड़ रही थी, जबकि सितंबर, 2023 में यह आंकड़ा 1.22 करोड़ यात्रियों का था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के इन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो ने अक्टूबर महीने में 79.07 लाख यात्रियों की आवाजाही की।इस तरह घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो की हिस्सेदारी 62.6 प्रतिशत हो गई, जो सितंबर की 63.4 प्रतिशत हिस्सेदारी से थोड़ी कम है। पिछले महीने एयर इंडिया की घरेलू बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गई जबकि सितंबर में यह 9.8 प्रतिशत थी। वहीं विस्तारा और एयरएशिया इंडिया (परिवर्तित नाम एआईएक्स कनेक्ट) की बाजार हिस्सेदारी अक्टूबर में घटकर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत रह गई।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने सैन फ्रांसिस्को में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सीईओ से की मुलाकात

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं अध्यक्ष संजय मेहरोत्रा से मुलाकात कर भारत में बढ़ते सेमीकंडक्टर क्षेत्र में व्यावसायिक अवसरों पर चर्चा की। मंत्री इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (आईपीईएफ) की मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लेने के लिए केंद्रीय मंत्री अभी सैन फ्रांसिस्को में हैं। अमेरिका स्थित सेमीकंडक्टर कंपनी माइक्रोन गुजरात में भारत की पहली चिप सुविधा स्थापित कर रही है। इससे आने वाले वर्षों में 5,000 प्रत्यक्ष तथा 15,000 अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन होगा। मोदी सरकार ने देश में 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर की सेमीकंडक्टर परीक्षण तथा पैकेजिंग इकाई स्थापित करने के लिए माइक्रोन की परियोजना को जून में मंजूरी दी थी। केंद्रीय गोयल ने लिखा, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सीईओ एवं अध्यक्ष मेहरोत्रा से मुलाकात की। इस बात पर चर्चा की गई कि कैसे भारत का बढ़ता सेमीकंडक्टर पारिस्थितिक तंत्र कंपनी के लिए सहयोग और देश में उसकी पहुंच का विस्तार करने के व्यापक अवसर मुहैया कराता है। केंद्रीय मंत्री ने यूट्यूब के सीईओ नील मोहन से भी मुलाकात की।

सरकार द्वारा कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर में कटौती से ओएनजीसी व ऑयल इंडिया लिमिटेड को होगा फायदा

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को अपनी पाक्षिक समीक्षा में कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर को 9,800 रुपये से घटाकर 6,300 रुपये प्रति टन कर दिया। इससे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड सहित अपस्ट्रीम तेल कंपनियों को फायदा होगा। 31 अक्टूबर को पिछली पाक्षिक समीक्षा में, सरकार ने तेल की कीमतें बढ़ने के कारण कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर को 1 नवंबर से 9,050 रुपये से बढ़ाकर 9,800 रुपये प्रति टन कर दिया था। अप्रत्याशित कर में वृद्धि से सरकार को राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखते हुए एलपीजी और सीएनजी पर सब्सिडी के वित्तपोषण के लिए अधिक धन जुटाने में मदद मिलती है। हालांकि, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों को नुकसान होता है, क्योंकि उन्हें अपने कच्चे तेल की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय कीमतों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। अधिसूचना के अनुसार, डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क भी 2 रुपये प्रति लीटर से आधा कर 1 रुपये कर दिया गया। सरकार ने पहली बार पिछले साल जुलाई में कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर लगाया और गैसोलीन, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर लेवी बढ़ा दी, जब निजी रिफाइनरों ने घरेलू बिक्री के बजाय विदेशी बाजारों में मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन से लाभ कमाना शुरू कर दिया।

नीति आयोग ने नियुक्त किए चार प्रसिद्ध शोध विशेषज्ञ

नई दिल्ली।

नीति आयोग ने एक वर्ष की अवधि के लिए चार प्रसिद्ध शोध विशेषज्ञ नियुक्त किए हैं। चार नए सदस्य, प्रमुख सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी मुद्दों से जुड़ी अपनी समझ और विशेषज्ञता के साथ-साथ महत्वपूर्ण कार्य अनुभव से भी नीति आयोग को समृद्ध करेंगे। नीति आयोग में शामिल होने वाले चार प्रसिद्ध व्यक्तियों में प्रो. अनूप सिंह, डॉ. ओपी. अग्रवाल, डॉ. अजय चौधरी और वी. लक्ष्मीकुमारन शामिल हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग के सदस्य डॉ. अनूप सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में एशिया प्रशांत विभाग के निदेशक, पश्चिमी गोलार्ध विभाग के निदेशक और प्रबंध निदेशक के कार्यालय में विशेष संचालन निदेशक के रूप में काम किया है। वे भारतीय रिजर्व बैंक के तत्कालीन गवर्नरों के विशेष सलाहकार भी थे। नीति आयोग के मुताबिक 1979 बैच के आईएएस अधिकारी, डॉ. ओपी अग्रवाल के पास शहरी परिवहन में व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता है। वे राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति के निर्माण में भी शामिल थे। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में वैश्विक शहरी परिवहन सलाहकार के रूप में 6 वर्षों तक विश्व बैंक के साथ भी काम किया है। नीति आयोग का कहना है कि डॉ. अजय चौधरी एचसीएल के सह-संस्थापकों में से एक हैं। उन्होंने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने 1999 से विभिन्न सरकारी समितियों में कार्य किया है। 2009 में, उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा गठित टास्क फोर्स की अध्यक्षता की, जिसने देश के इलेक्ट्रॉनिक्स आयात बिल के संबंध में महत्वपूर्ण सिफारिशें की। इन सिफ़ारिशों ने इलेक्ट्रॉनिक्स नीति की आधारशिला रखी। नीति आयोग के मुताबिक चौथे शोध विशेषज्ञ वी. लक्ष्मीकुमारन एक कानून विशेषज्ञ हैं। उनके पास कानून में 35 वर्षों का अनुभव है। वे अंतर्राष्ट्रीय कराधान और स्थानांतरण मूल्य निर्धारण, वस्तु और सेवा कर (जीएसटी), सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, सेवा कर, मूल्य वर्धित कर (वैट), विदेश व्यापार नीति, विशेष आर्थिक क्षेत्र सहित कराधान के सभी क्षेत्रों में कंपनियों को सलाह देते हैं तथा परामर्श, सलाह, मुकदमा और अनुपालन सेवाओं की पेशकश करते हैं। उन्होंने भारत द्वारा शुरू की गई कई एंटी-डंपिंग, सब्सिडी और व्यापार जांच में कई देशों की कंपनियों का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने विभिन्न देशों में कंपनियों और सरकारी प्राधिकरणों के बीच कई विवादों को संभाला है। इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधि के रूप में, लक्ष्मीकुमारन ने ब्रुसेल्स में वर्गीकरण पर डब्ल्यूसीओ-एचएस (विश्व सीमा शुल्क संगठन - हार्मोनाइज्ड सिस्टम) समिति की बैठकों में भाग लिया है। नीति आयोग के मुताबिक इन प्रसिद्ध व्यक्तित्वों की बौद्धिक विविधता, वैश्विक और राष्ट्रीय धारणा, सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता, नीति आयोग को देश के लगातार विकसित हो रहे सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में योगदान देने में मदद करेगी।

तीसरी तिमाही में देश की जीडीपी विकास दर बढ़ने की उम्मीदः आरबीआई बुलेटिन

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के बीच देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर मौजूद वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में बढ़ने होने की उम्मीद है। केंद्रीय बैंक के बुलेटिन में इसकी वजह त्योहारी मांग में तेजी बताई गई है। नवंबर के आरबीआई बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर लेख में कहा गया है कि सरकार के बुनियादी ढांचे पर खर्च, निजी पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी, स्वचालन, डिजिटलीकरण और स्वदेशीकरण को बढ़ावा मिलने से निवेश मांग लचीली दिख रही है। ओवरऑल मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2022-23 के 6.7 प्रतिशत और जुलाई-अगस्त 2023 के 7.1 प्रतिशत के औसत से घटकर अक्टूबर में 4.9 प्रतिशत रह गई। हालाँकि, साथ ही चेतावनी भी दी गई हैः हम अभी तक संकट से बाहर नहीं निकले हैं और हमें मीलों चलना है, लेकिन सितंबर और अक्टूबर में क्रमशः लगभग पांच प्रतिशत और 4.9 प्रतिशत के आंकड़े स्वागत योग्य राहत हैं। लेख में कहा गया है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति कार्रवाई और आपूर्ति पक्ष के हस्तक्षेप के संयोजन से मुद्रास्फीति कम हुई है। इसमें कहा गया है, शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ता उपकरणों की मजबूत मांग है, खासकर मध्य और प्रीमियम सेगमेंट में। ग्राहक भावना बेहतरीन है। लेखकों की राय में लचीले पूंजी प्रवाह, भारतीय मुद्रा की स्थिरता और विदेशी मुद्रा भंडार के उच्च स्तर द्वारा वित्तपोषित मामूली चालू खाता घाटा (सीएडी) के साथ भारत का बाहरी क्षेत्र व्यवहार्य बना हुआ है। विकास की गति तेज हो गई है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) महामारी-पूर्व के स्तर से काफी ऊपर पहुंच गया है और बाजार विनिमय दरों पर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इस लेख के लेखकों में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और केंद्रीय बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। हालाँकि, व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और आरबीआई के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाते हैं।

एआई की दौड़ हुई तेज, माइक्रोसॉफ्ट ने चिप्स और एकीकृत सिस्टम का अनावरण किया

सैन फ्रांसिस्को ।

एआई की दौड़ को तेज कर माइक्रोसॉफ्ट ने दो इन-हाउस, कस्टम-डिजाइन किए गए चिप्स और एकीकृत सिस्टम का अनावरण किया है, जिनका उपयोग बड़े भाषा मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। माइक्रोसाफ्ट एज़ योर माया एआई एक्ले सीलिरेटर को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कार्यों और जेनरेटिव एआई के लिए अनुकूलित किया गया है, और माइक्रोसाफ्ट एज़ योर कोबाल्ट सीपीयू, एक आर्म-आधारित प्रोसेसर, माइक्रोसाफ्ट क्लाउड पर सामान्य प्रयोजन गणना वर्कलोड चलाने के लिए तैयार किया है। कंपनी ने अपने माइक्रोसॉफ्ट इग्नाइट कार्यक्रम में कहा, चिप्स अगले साल की शुरुआत में माइक्रोसॉफ्ट के डेटा केंद्रों में आना शुरू हो जाएंगे, जो शुरुआत में कंपनी की सेवाओं जैसे माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट या एज़्योर ओपनएआई सर्विस को सशक्त बनाएंगे। माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड प्लस एआई ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष स्कॉट गुथरी ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट एआई नवाचार का समर्थन करने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, और हम अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने डेटा केंद्रों के हर पहलू की फिर से कल्पना कर रहे हैं। एज्योर हार्डवेयर सिस्टम्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर (एएचएसआई) की कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष रानी बोरकर ने कहा,अंतिम लक्ष्य एक एज्योर हार्डवेयर सिस्टम है, जो अधिकतम लचीलापन प्रदान करता है और इसे शक्ति, प्रदर्शन, स्थिरता या लागत के लिए भी अनुकूलित किया जा सकता है।सॉफ्टवेयर हमारी मुख्य ताकत है, लेकिन सच कहूं तब, हम एक सिस्टम कंपनी हैं। बोरकर ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट में हम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को एक साथ मिलकर डिजाइन और अनुकूलित कर रहे हैं, ताकि एक प्लस एक दो से बड़ा हो। उन्होंने आगे कहा, हमारे पास पूरे स्टैक की दृश्यता है और सिलिकॉन सिर्फ एक सामग्री है। माइक्रोसॉफ्ट इग्नाइट में, कंपनी ने उन प्रमुख सामग्रियों में से एक की सामान्य उपलब्धता की भी घोषणा की- एज़्योर बूस्ट, एक प्रणाली जो होस्ट सर्वर से उन प्रक्रियाओं को उद्देश्य-निर्मित हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर पर ले जाकर स्टोरेज और नेटवर्किंग को तेज़ बनाती है।

अपने कस्टम सिलिकॉन प्रयासों को पूरा करने के लिए, माइक्रोसॉफ्ट ने यह भी घोषणा की कि वह ग्राहकों के लिए अधिक बुनियादी ढांचे के विकल्प प्रदान करने के लिए उद्योग साझेदारी का विस्तार कर रहा है।

रोक्स हाईटेक के शेयर का बाजार में दमदार प्रवेश

मुंबई । आईटी सर्विस देने वाली कंपनी रोक्स हाईटेक के शेयरों की 16 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर दमदार प्रवेश किया। आईपीओ के तहत 83 रुपये के भाव पर शेयर जारी हुए थे। गुरुवार को एनएसई एसएमई पर इसकी 135 रुपये के भाव पर एंट्री हुई है,यानी कि आईपीओ निवेशकों को 62.65 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग के बाद भी शेयर तेजी पर ही रहे, बढ़कर इनका भाव 141.75 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गया। यानी कि अब देखा जाए तो आईपीओ निवेशक 70.78 प्रतिशत मुनाफे में हैं। रोक्स हाईटेक का 54.49 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 नवंबर से 9 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। निवेशकों ने इसमें रुचि दिखाई थी यही कारण रहा कि ओवरऑल यह आईपीओ 214.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईटी सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी रोक्स हाईटेक 2002 में शुरू हुई जो कि कस्टमर-सेंट्रिक आईटी सॉल्यूशंस देती है। यह कंसल्टिंग, एंटरप्राइज और एंड-यूजर कंप्यूटिंग, मैनेज्ड प्रिंट और नेटवर्क सर्विसेज जैसी सर्विसेज मुहैया कराती है।

फूड

साधारण सब्जी के बजाए बनाएं आलू-टमाटर का झोल

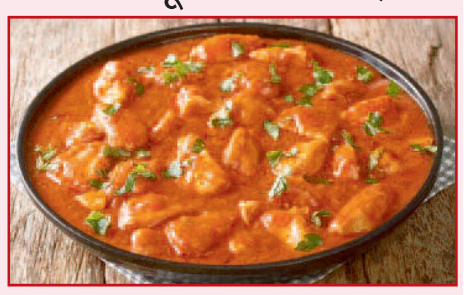

आलू एक ऐसी सब्जी है जिसे कई तरह से बनाया जा सकता है। हर सब्जी के साथ आलू को मिक्स किया जा सकता है। जितनी रेसिपीज केवल आलू से बन सकती हैं, शायद ही किसी और सब्जी से बन सकें। दाल की तरह ही ज्यादातर आलू भी हर दिन बनता है। आलू फ्राई, ग्रेवी आलू, आलू पराठा समेत कई डिश आलू के बिना अधूरे हैं। आज हम आलू की एक ऐसी रेसिपी बताएंगे जो स्वादिष्ट होने के साथ ही बनाने में आसान है। इसे रोटी पराठा या चावल किसी के साथ भी खाया जा सकता है। इस रेसिपी का नाम है आलू टमाटर का झोल। इसे साधारण आलू टमाटर की सब्जी मत समझिएगा। ये बहुत स्वादिष्ट सब्जी है। आलू टमाटर का झोल आप रूटीन खाने में तो बना ही सकते हैं, छोटे मोटे कार्यक्रम में भी ये सब्जी खाने का स्वाद बढ़ा देगी। हल्के उबले हुए आलू, पनीर, प्याज, टमाटर, अदरक, हरी मिर्च, लहसुन, हल्दी, नमक, लाल मिर्च पाउडर, तेल, हरी इलायची, दालचीनी, लौंग, जीरा, धनिया पाउडर, हींग, दूध, मक्खन, पुदीना।

स्टेप 1-उबले आलूओं में हल्दी, नमक, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा सा तेल डालकर मिक्स कर लें। फिर फ्राई कर-के रख दें। स्टेप 2- अब एक बर्तन में पनीर में हल्दी, नमक, लाल मिर्च और थोड़ा सा तेल डालकर रख दें।

स्टेप 3- मसाला लगे पनीर को फ्राई करके रखें।

स्टेप 4- अब एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें इलायची, हरी इलायची, दालचीनी, लौंग और जीरा डालकर फ्राई कर लें।

स्टेप 5- अब इसमें बारीक कटा प्याज गोल्डन ब्राउन होने तक भूनें और अदरक व हरी मिर्च डालें।

स्टेप 6- फिर हल्दी, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर, हींग और टमाटर डालें। टमाटर नरम हो जाये तो पानी डालकर धीमी आंच पर 3 से 4 मिनट तक पकाएं।

स्टेप 7- अब दूध और मक्खन डालकर 3 से 4 मिनट पकाएं। फिर आलू जिसे अच्छे से कुरकुरे फ्राई किये हों और पनीर को डालकर धीमी आंच पर पका लें। धनिया या पुदीना की पत्ती से गार्निश कर के सर्व करें।

बेसिक वाइट शर्ट को स्टाइल करने के 3 धमाल तरीके

एक खूबसूरत वाइट पॉपलिन शर्ट हर महिला की वॉर्डरोब में होती ही है। देखा जाए तो आपके पास एलबीडी (लिटिल ब्लैक ड्रेस) हो या न हो, पर वाइट शर्ट शर्तिया होती है। आखिर वाइट शर्ट वसेर्टाइल जो होती है। उसे एक से अधिक अवसरों पर पहना जा सकता है। बावजूद इसके ज्यादातर लोग वाइट शर्ट को स्टाइल करने के ज्यादा तरीके नहीं जानते। वे अपने घिसे-पिटे तरीके से ही वाइट शर्ट को स्टाइल करते हैं, मसलन-या तो इसे ब्लेजर के नीचे पहनते हैं या फॉर्मल ट्राउशर्स के ऊपर। वाइट शर्ट का पूरा इस्तेमाल करने के लिए ज्यादातर लोगों को मदद की जरूरत होती है, खासकर मॉडर्न और कम बोरिंग लुक के लिए। यहां हम वाइट पॉपलिन शर्ट को स्टाइल करने के तीन तरीके बताने जा रहे हैं। वाइट शर्ट को इस तरह स्टाइल करना आपको बेशक नब्बे के दशक की याद दिला देगा, पर आपका ओवरऑल गेटअप कमाल लगेगा। इस कॉम्बिनेशन के साथ कुछ रंग जोड़ने के लिए ब्राइट स्लिंगबैक किटेन हील्स लें। जैसा कि यहां फोटो में डिजाइनर अमिना मुआद्दी के ह्यहोली ग्लासह्ल पम्प्स को पेयर किया गया है। लुक को कम्पलीट करने के लिए बड़े सीक्वेन वाले शाइनी पर्स कैरी करें या पुराने दिनों के फैशन को दोबारा जीने के लिए फेंडी बगेट के पेयेट पैटर्न को आजमा सकती हैं। अब आप सोच रही हैं कि यह कॉम्बिनेशन किस अवसर के लिए अच्छा रहेगा? हमारा जवाब है, सभी अवसरों के लिए। केंडल, हेली और कुछ दूसरी मशहूर हस्तियों ने बायसायकल शॉर्ट्स को ट्रेंड में ला दिया है। वे अपने सुडौल पैरों को इन

शॉट्स में प्रदर्शित करके दूसरी लड़कियों को भी ऐसा करने की प्रेरणा देती हैं। एक कैजुअल और साथ ही साथ सुपरमॉडल-शीक लुक के लिए क्रिस्प वाइट शर्ट को इन शॉर्ट्स के साथ पेयर करें। इनके साथ आप बतौर ऐक्सेसरी डबलएक्सएल टोट या होबो या कोई दूसरा बड़ा बैग ले सकती हैं। इन बैग्स में काफी सामान आ सकता है। जूतों की बात करें तो इनके साथ आपको थ्रोबैक शूज जैसे-चंकी स्पाइस गर्ल से प्रेरित स्नीकर्स या प्लैटफॉर्म सैंडल्स पहनना चाहिए। लुक में थोड़ा दमक जोड़ना चाहती हैं तो इसके साथ शाइनी ईयरिंग्स पहन

हेल्थ

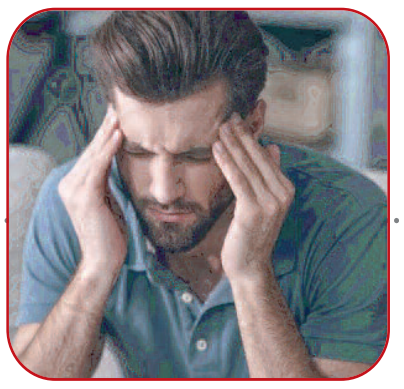

माइग्रेन

रोगियों में स्ट्रोक का खतरा होता है अधिक?

स्ट्रोक का खतरा वैश्विक स्तर पर बढ़ता जा रहा है। कुछ दशकों पहले तक इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता था, हालांकि अब युवा आबादी भी इसकी शिकार होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के मुताबिक हर साल डेढ़ करोड़ से अधिक लोग स्ट्रोक के शिकार हो रहे हैं और करीब 50 लाख लोगों की मौत हो जाती है। आंकड़ों के मुताबिक 45 वर्ष से कम उम्र के लगभग 70,000 अमेरिकियों को स्ट्रोक होता है। लगभग 10 से 15 प्रतिशत वयस्कों में समय के साथ ये जोखिम बढ़ रहा है। स्ट्रोक के बढ़ते जोखिमों की रोकथाम और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्ट्रोक के शिकार लोगों को बेहतर देखभाल सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से हर साल 29 अक्तूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है। स्ट्रोक को लेकर बड़ा सवाल ये है कि युवा इसके शिकार क्यों हो रहे हैं और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, स्ट्रोक दो प्रकार के होते हैं: इस्केमिक और हेमोरेजिक। सबसे अधिक मामले इस्केमिक स्ट्रोक के रिपोर्ट किए जाते हैं जो मस्तिष्क तक जाने वाली धमनी में रक्त के थक्कों के निर्माण के परिणामस्वरूप होती है। वहीं हेमोरेजिक स्ट्रोक, तब होता है जब मस्तिष्क में या उसके पास रक्त वाहिका फट जाती है। हमारे जीवनशैली की कई गड़बड़ आदतों के कारण रक्त वाहिकाएं अवरुद्ध हो सकती हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। युवा वयस्कों में स्ट्रोक के बढ़ते खतरे के लिए जिन जोखिम कारकों को प्रमुख माना जा रहा है उनमें गड़बड़ लाइफस्टाइल, धूम्रपान-शराब का सेवन, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3006

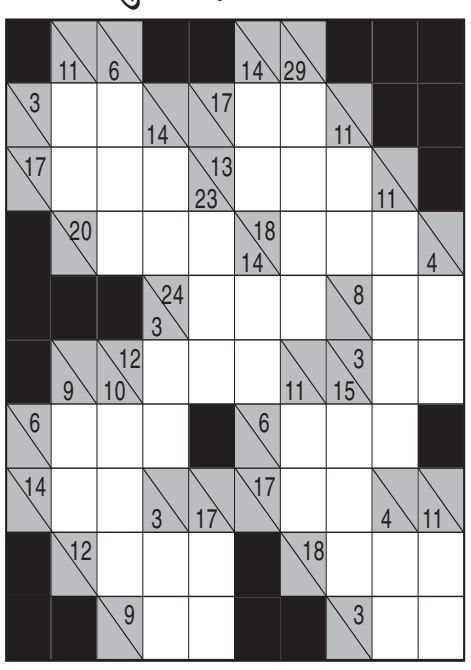

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

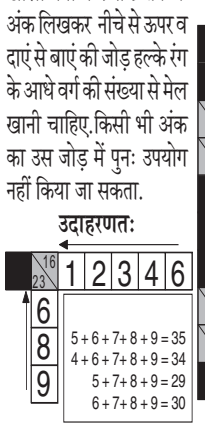

काकुरो - 3005 का हल

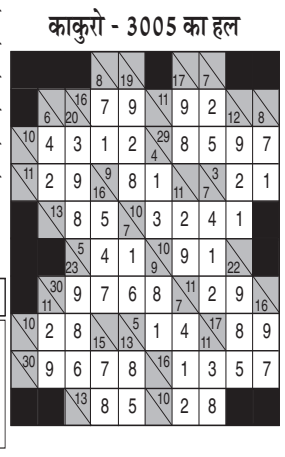

हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय,मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 3006

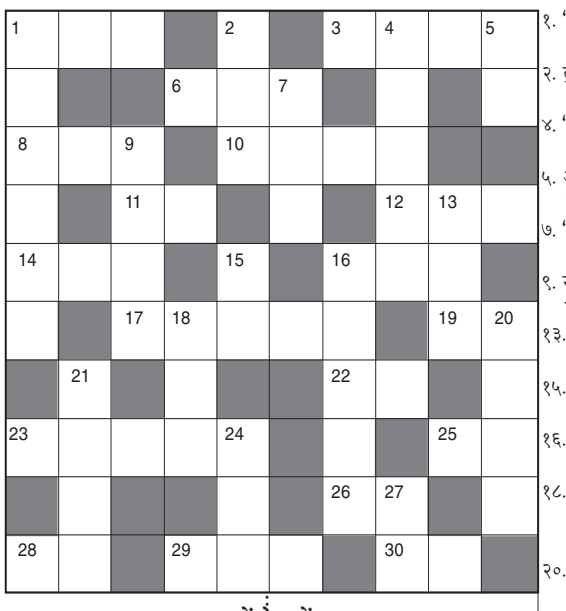

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3005

सूडोकु -3006

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3005 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 3006

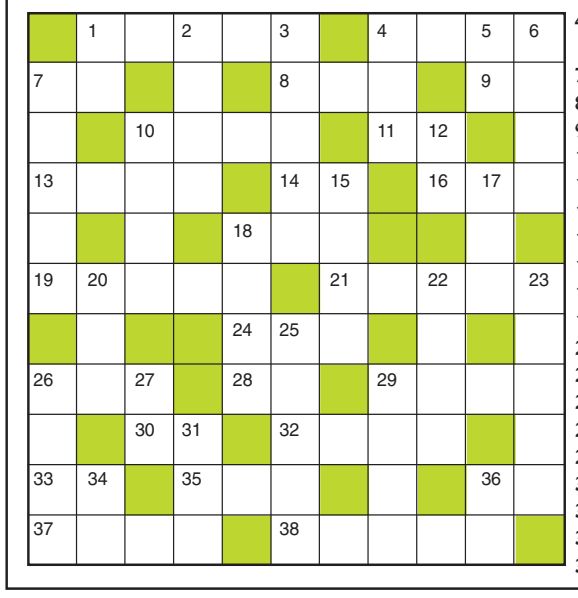

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -3005 का हल

खराब फील्डिंग के बावजूद टीम ने मैदान पर धैर्य नहीं खोया: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान खराब फील्डिंग के बावजूद टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया। यही वजह है कि हमने 70 रन से मैच जीता है। यहां गौरतलब है कि भारत ने 4 विकेट पर 397 रन बनाए और इस तरह से विश्व कप के नॉकआउट चरण में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.5 ओवर में 327 रन बनाकर आउट हो गई। भारत के लिए विराट कोहली (117 रन) के शतकों के अर्धशतक पूरा किया जबकि श्रेयस अय्यर ने 70 गेंद पर 105 रन बनाए। इन दोनों ने 128 गेंद पर 163 रन जोड़े। कप्तान रोहित शर्मा ने 29 गेंद पर 47 रन तो वहीं 66 गेंद पर नाबाद 80 रन की पारी खेली। केएल राहुल 20 गेंद पर 39 रन बनाकर नाबाद रहे। मोहम्मद शमी ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 57 रन देकर सात विकेट लेकर भारतीय रिकॉर्ड बनाया।

रोहित शर्मा ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा कि मैंने यहां काफी क्रिकेट खेला है, इस मैदान पर कोई भी स्कोर हो, आप आराम नहीं कर सकते। हमें अपना काम पूरा करना था और योजना पर बने रहना था। हम जानते थे कि हम पर दबाव होगा। हमने मैदान पर आज खराब क्षेत्ररक्षण के बाद भी धैर्य नहीं खोया। उन्होंने कहा कि यह लंबा टूर्नामेंट है हमने नौ मैचों में अच्छा (क्षेत्ररक्षण) किया है और किसी मैच में ऐसा हो सकता है। हमें खुशी है कि हम अपने काम को सफलतापूर्वक करने में सफल रहे। रोहित ने लक्ष्य का शानदार तरीके से पीछा करने के लिए न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन और डेरिल मिचेश की सराहना करने के साथ मैच में वापसी का श्रेय मोहम्मद शमी को दिया। उन्होंने कहा कि विलियमसन और मिचेल ने शानदार बल्लेबाजी की। एक समय दर्शक भी शांत हो गये थे, लेकिन हम जानते थे कि हमें कैच या रन आउट की जरूरत थी। शमी ने ऐसे में शानदार गेंदबाजी की।

रोहित ने टीम को बड़े लक्ष्य तक पहुंचाने में बल्लेबाजों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम के शीर्ष पांच-छह बल्लेबाज शानदार लय में है। उन्हें जब भी मौका मिला है, उन्होंने इसका फायदा उठाया है। यह देखकर बहुत खुशी हुई कि अय्यर ने इस टूर्नामेंट में हमारे लिए क्या किया है। गिल, जिस तरह से हमारे लिए बल्लेबाजी की वह शानदार है। दुर्भाग्य से उसे ऐंठन के साथ बाहर जाना पड़ा। कोहली ने वही किया जिसके लिए वह जाने जाते है। उन्होंने अपना ऐतिहासिक शतक भी पूरा किया। कप्तान ने

माना कि टीम सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर दबाव में थी। उन्होंने कहा कि आज जाहिर तौर पर सेमीफाइनल है तो यह नहीं कहूंगा कि कोई दबाव नहीं था। जब भी आप खेलते हैं तो दबाव होता है। सेमीफाइनल में थोड़ा अतिरिक्त दबाव होता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के नाम दर्ज हुआ पावरप्ले में शर्मनाक रिकॉर्ड

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, कप्तान टेम्बा बावुमा का ये फैसला गलत साबित हुआ। अफ्रीकी टीम ने 15 ओवर के अंदर ही चार विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने शानदार गेंदबाजी की।

इसके साथ ही पावरप्ले में खतरनाक शुरुआत करने वाली साउथ अफ्रीका की टीम का टॉप ऑर्डर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ध्वस्त हो गया। अफ्रीका ने जारी टूर्नामेंट में अपना न्यूनतम और वर्ल्ड कप का दूसरा लोएस्ट पावरप्ले स्कोर बनाया है।

पावरप्ले में दक्षिण अफ्रीका की टीम की दो विकेट खोकर 18 रन ही बना सकी। मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को पिच और मौसम का फायदा मिला। जिससे साउथ अफ्रीका का ऊपरी बल्लेबाजी क्रम संभल नहीं सका और लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। लगातार विकेट गिरने के बाद बारिश ने भी दस्तक दी। वर्ल्ड कप 2023 में एक पारी में पावरप्ले में

सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम है। श्रीलंका की टीम ने 10 ओवर में 14 रन बनाते हुए 6 विकेट गंवाए।

बता दें कि, वर्ल्ड कप इतिहास में साउथ अफ्रीका का ये दूसरा लोएस्ट स्कोर है। तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और जोस हेजलवुड के दो-दो विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में बारिश के कारण खेल रुकने तक दक्षिण अफ्रीका के 14 ओवर में 44 रन देकर चार विकेट झटक लिए। बारिश आने से पहले हेनरिच क्लासेन और डेविड मिलर 10-10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

शतक लगाते ही कोहली ने किया सचिन को सलाम, करोड़ों फैंस का दिल जीत लिया

मुंबई (एजेंसी)। आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल मैच में विराट कोहली ने दमदार प्रदर्शन किया। कोहली ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के खिलाफ धमाकेदार शतक जमाया। यह उनका वनडे करियर का 50वां शतक रहा। इसके साथ कोहली ने मॉस्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिनके नाम पहले वनडे में सबसे अधिक शतक थे। सचिन के नाम 49 वनडे शतक रहे। वहीं कोहली ने 291वें मैच में ही 50 शतक पूरे कर लिए। हालांकि, शतक लगाते ही कोहली ने एक ऐसा नेक काम किया, जिसने करोड़ों क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। दरअसल, जैसे ही कोहली ने 42वें ओवर की चौथी गेंद पर अपना शतक पूरा किया, तब उन्होंने तेंदुलकर की ओर देखते हुए उन्हें झुककर सलाम किया। यह एक बड़ी बात है। सचिन भी यही चाहते थे कि उनका सर्वाधिक वनडे शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड कोई और नहीं, बल्कि कोई भारतीय बल्लेबाज ही तोड़े। अब उनका यह सपना सच हो चुका है। कोहली ने 113 गेंदों में 117 रनों की पारी खेली, जिसमें 9 चौके व 2 छक्के शामिल रहे। विराट कोहली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (13704 रन) को पीछे छोड़ा। कोहली से अधिक रन अब सचिन तेंदुलकर (18426) और कुमार संगकारा (14234) के नाम पर दर्ज हैं।

रवि शास्त्री को विश्वास, सचिन के 100 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली की तैयारी और शारीरिक प्रदर्शन के प्रति मांगलिक दृष्टिकोण उन्हें प्रतिष्ठित सचिन तेंदुलकर के 100 टन के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए तैयार करता है। आत्मविश्वास से भरपूर कोहली भारतीय दिग्गज को पीछे छोड़ते हुए 50 वनडे शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए। अपनी 117 रनों की पारी के साथ कोहली ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 80 शतक लगाए हैं जो अभी भी सचिन के 100 शतकों से बीस पीछे हैं।

आईसीसी समीक्षा में बोलते हुए शास्त्री को लगता है कि सचिन के मायावी रिकॉर्ड की बराबरी करने की कोहली की संभावनाओं को खारिज करना अभी भी संभव है। उन्होंने कहा, 'किसने सोचा होगा कि जब सचिन तेंदुलकर ने 100 शतक बनाए थे तो कोई भी उनके करीब आ जाएगा और उन्होंने 80, 80 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाए हैं, उनमें से 50 एक दिवसीय मैच में हैं और जो उन्हें सर्वोच्च बनाता है।

ऐसे खिलाड़ियों के कारण कुछ भी असंभव नहीं है, जब वे शतक बनाने की फिराक में रहते हैं, फिर वे उन्हें बहुत तेजी से बनाते हैं। उनकी अगली 10 पारियों में, आप पांच और शतक देख सकते हैं। आपके पास खेल के तीन प्रारूप हैं और वह उन सभी प्रारूपों का हिस्सा हैं। यह सोचने के लिए कि उनके पास अभी भी तीन या चार साल हैं, उनका प्रदर्शन आश्चर्यजनक है।'

उन्होंने कोहली के धैर्य की भी प्रशंसा की, जो उन्हें खेल से पहले फिट और तैयार रहने में मदद करता है। न्यूजीलैंड पर भारत की जीत के दौरान उनकी शांति प्रदर्शित हुई। उन्होंने पारी की शुरुआत में ही अपना विकेट लगभग खो दिया था, लेकिन वह बच गए। उस समय से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और रिकॉर्ड तोड़ 117 रन बनाकर मेन इन ब्लू को जीत की ओर अग्रसर किया।

पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनका धैर्य, सिर्फ उनकी शारीरिक भाषा, उनका संयम, क्रीज पर उनकी शांति बता रही थी। मैंने उन्हें पिछले विश्व कप में देखा है जहां वह गर्म टिन की छत पर बिल्ली की तरह खड़े दिखते हैं। वह आगे बढ़ना चाहते हैं। यहां ऐसा कुछ भी नहीं है। उन्होंने अपना समय लिया है, अपने गार्ड को चिह्नित किया है, दबाव को कम किया है, खुद को समय दिया है और पारी में गहरी बल्लेबाजी की अपनी भूमिका को समझा है। और वह अद्भुत रहे हैं।' कोहली रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विश्व कप फाइनल में वापस आएंगे।

भारत का वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मुकाबला देखेंगे पीएम मोदी! 19 नवंबर को अहमदाबाद पहुंच सकते हैं

नई दिल्ली। वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराने के बाद भारतीय टीम ने फाइनल में एंट्री कर ली है। वहीं अब वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 19 नवंबर रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मुकाबले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत कर सकते हैं। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए वर्ल्ड कप सेमीफाइनल मैच में भारतीय टी ने 70 रनों से न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ल्ड कप का खिताबी मुकाबला देखने के लिए पहुंचेंगे। इस बीच वर्ल्ड कप का समापन समारोह भी आयोजित किया जाना है। हालांकि, समारोह को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया था। जिस पर पीएम मोदी ने पूरी टीम को बधाई दी थी। वहीं विराट कोहली को उनके 50वें वनडे शतक पर भी बधाई दी थी।

मोहम्मद शमी के मुरीद हुए केन विलियमसन, कहा– 'वह सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक'

मुंबई। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद मोहम्मद शमी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक और भारतीय टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम करार दिया। भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई। न्यूजीलैंड की टीम 398 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 48.5 ओवर में 327 रन पर आउट हो गई थी। शमी ने 57 रन देकर सात विकेट लिए। यह मौजूदा विश्व कप में तीसरा अवसर है जबकि उन्होंने एक मैच में पांच या इससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। शमी अभी तक मौजूदा विश्व कप में 23 विकेट ले चुके हैं। विलियमसन ने मैच के बाद कहा, ''उनका (शमी) प्रदर्शन अविश्वसनीय है। वह शायद आधे मैच ही खेल पाए हैं लेकिन टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि, इसमें कोई संदेह नहीं कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं। वह जिस तरह से गेंद को मूव कराते हैं और स्टंप को खेल का हिस्सा बनते हैं वह वास्तव में अद्भुत है। उन्होंने इतने कम मैच में जितने विकेट लिए हैं वह शानदार है। विलियमसन यही नहीं रुके उन्होंने आगे कहा, ''भारत की यह टीम निसंदेह खेल के हर विभाग में शानदार प्रदर्शन कर रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि उसका पूरा ध्यान अब अगले मैच पर होगा।''

भारत के महान हरफनमौला खिलाड़ी उतारा बाबर आजम के समर्थन में

नई दिल्ली। वल्डक़प 2023 में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। टूर्नामेंट के अपने 9 मैचों में से बाबर आजम ब्रिगेड केवल चार में जीत हासिल कर सकी। वतन लौट चुकी पाकिस्तान टीम के प्लेयर्स की कमजोर प्रदर्शन को लेकर जमकर आलोचना हो रही है। सबसे ज्यादा कप्तान बाबर आजम को निशाना बनाया जा रहा है। पूर्व क्रिकेटर से लेकर आम क्रिकेटप्रेमी तक बाबर को कप्तानी से बेदखल किए जाने की मांग कर रहे हैं। कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने ये तक कहा है कि ऐसी नौबत आने के पहले बाबर को सम्मान के साथ पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ देनी चाहिए।

इन विरोधी सुर के बीच भारत के महान हरफनमौला कपिल देव, इस बेहतरीन बल्लेबाज के बचाव में उतर आए हैं। कपिल ने इन आलोचकों को याद दिलाया है कि बाबर की कप?तानी में ही कुछ समय पहले पाकिस्तान, दुनिया की नंबर वन क्रिकेट टीम बना था। कपिल ने कहा, 'सिलेक्टर्स को केवल मौजूदा प्रदर्शन के आधार पर कोई फैसला नहीं लेना चाहिए। कोई भी अंतिम निर्णय के पहले उन्हें कठिन परिस्थितियों में बाबर के प्रदर्शन पर भी निगाह रखनी चाहिए। देव ने कहा, 'आज की मौजूदा स्थिति को देखकर आप कह रहे हैं कि बाबर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे लेकिन इसी कप?तान ने छह माह पहले पाकिस्तान को नंबर एक वनडे टीम बनाया था। जब कोई 0 बनाता है, तब लोग सीधे उसे ड्रॉप करने की मांग करने लगते हैं और इसतरह साधारण प्लेयर को समर्थन करने लगते हैं लेकिन उसने शतक बनाया है। तब उस अगला सुपरस्टार बताया जाने लगता है।

पिच पर सवाल उठने वाले को सुनील गावस्कर ने सुनाई खरी-खरी, मैच के दौरान 700 रन बने

मुम्बई (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत-न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मुकाबले में पसंदीदा स्पिनरों के पिच से छेड़छाड़ की अफवाहों पर तीखी टिप्पणी कर पिच पर सवाल उठाने वालों को मुंह तोड़ जवाब दिया है। मैच अप्रत्याशित रूप से सामने आया जिसमें 700 से अधिक रन बने और तेज गेंदबाज विकेटों पर हावी रहे। विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और डेरिल मिशेल ने शतक बनाए जबकि शुभमन गिल और केन विलियमसन ने अर्धशतक जमाए। इसके बाद में, मोहम्मद शमी ने भारतीय गेंदबाजों के रोमांचक प्रदर्शन से 7 विकेट लेकर रिकॉर्ड बनाया। गावस्कर ने आलोचकों से अनुचित जांच के खिलाफ सलाह देकर भारत पर आक्षेप लेने से परहेज करने का आग्रह किया। गावस्कर ने कहा, उन्होंने (भारत ने) लगभग 400 रन बनाए और उन्हें अतिरिक्त 70-80 रनों की छूट मिली। यह बहुत ही शानदार पिच रही है। हमने इस पर 700 से अधिक रन बनाए हैं। वे सभी मूर्ख जो यह कह रहे हैं कि पिच पर भारतीय स्पिनरों के पक्ष में होने का आरोप लगाया गया है, मुझे उम्मीद है कि वे चुप हो जाएंगे, भारत पर आलोचना करना बंद कर दे, क्योंकि यह आपको किसी का भी ध्यान आकर्षित करने में मदद करती है।

आईसीसी नियमों के अनुसार मेजबान संघ विश्व कप मैचों के लिए पिच चुनने और तैयार करने का कर्तव्य रखता है। 74 वर्षीय खिलाड़ी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दिशानिर्देश नॉकआउट खेलों के लिए नई पिचों को अनिवार्य नहीं बनाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिच में कोई भी संभावित बदलाव यदि टॉस से पहले किया जाता है, तो दोनों प्रतिस्पर्धी टीमों पर समान रूप से प्रभाव डालता है जिससे बदलावों की परवाह किए बिना समान अवसर सुनिश्चित होता है।

भारत की जीत पर सवाल उठाने वाले पाकिस्तानी मीडिया पर भड़की आवाम कहा झूठा

इस्लामाबाद। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्रिकेट वर्ल्ड कप के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की है। इस जीत का जश्न पाकिस्तानी मीडिया नहीं पचा पाया। उसने भारत पर पिच बदलने जैसे मनगढंत और बे बुनियाद आरोप लगाए है। खुद की खामियों को छुपाकर झूठ का प्रचार करने वाले पाकिस्तानी मीडिया को अब पाकिस्तान की जनता ही कटघरे में खड़ा कर रही है। इस पर पाकिस्तानी यूट्यूबर शोएब चौधरी ने आवाम से प्रतिक्रिया ली। एक पाकिस्तानी शख्स ने यूट्यूबर के पिच के छेड़छाड़ वाले सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। हमारी मीडिया अपनी टीम के प्रदर्शन पर कुछ नहीं कह रही है, लेकिन जब कोई दूसरी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है तो उस पर निशाना साधा जा रहा है। उनको समझना चाहिए की पिच सबके लिए एक जैसी है। हमारी मीडिया अपनी टीम के खराब प्रदर्शन को छिपाने का काम कर रही, जो गलत है। पाकिस्तानी शख्स ने अपने देश की मीडिया की तरफ से भारत पर लगाए गए बेबुनियाद आरोपों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं मीडिया से कहना चाहता हूं कि ऐसे बहानेबाजी करना छोड़ दें। इस तरीके कुछ भी हासिल नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा कि जो टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है वो सेफी फाइनल तक पहुंची, चाहे वो न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया या साउथ अफ्रीका हो। उनके लिए तो इंडिया ने पिच चेंज नहीं की। ये सारे बाती बेबुनियाद है। पाकिस्तान की मीडिया झूठ फैलाने में माहिर मानी जाती है इससे पहले भी इस तरह की हरकत मीडिया कर चुका है। पाकिस्तानी मीडिया या उनकी टीम के लोगों ने अपने खराब प्रदर्शन के लिए इंडिया को दोषी ठहराया है। इससे पहले पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कोच मिकी आर्थर ने आरोप लगाया था कि स्टेडियम में दिल–दिल पाकिस्तान गाना नहीं बजाया जा रहा है, जिसकी वजह से हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। इसके अलावा पाक क्रिकेट बोर्ड ने टीम को बीफ न दिए जाने पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा था कि टीम को अच्छा प्रदर्शन दिखाने के लिए बीफ खाना जरूरी है।

पूर्व क्रिकेटर एरोन फिंच ने कहा, स्विंग कराने की बुमराह की क्षमता लाजबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एरोन फिंच का मानना है कि गेंद को बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए स्विंग कराने की बुमराह की क्षमता कविता की तरह है। बुमराह पास मौजूदा आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 में सर्वाधिक डॉट बॉल (303) फेंकने का असाधारण रिकॉर्ड है। वह अब तक 17 विकेट भी ले चुके हैं। भारत को रिकॉर्ड 8वां एशिया कप खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने से पहले बुमराह आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करने के लिए लौट आए। फिंच ने कहा कि हां, सभी तेज गेंदबाजों में से और विशेष रूप से बुमराह के पास बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए गेंद को वापस स्विंग कराने की उनकी क्षमता है। इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि तब आप केवल गेंद के पार जाने के बारे में चिंता नहीं कर सकते हैं और आपको कभी-कभार थोड़ी चौड़ाई मिल सकती है। आपको उस गेंद के लिए सावधान रहना होगा जो वापस स्विंग करती है, खासकर बाएं हाथ के बल्लेबाजों (कॉनवे और रचिन) के लिए।

फिंच ने कहा कि बुमराह देखने में खूबसूरत हैं। जब वह क्रीज तक दौड़ रहा होता है तो यह कविता की तरह नहीं दिखता है, लेकिन एक बार जब वह गेंद को छोड़ देता है, तो सीम की स्थिति और बाएं हाथ के बल्लेबाज के खिलाफ उसे वापस लाइन में घुमाने का कोण सिर्फ कविता है, यह अविश्वसनीय है।

व्यूवरशिप के सारे रिकॉर्ड तोड़ें, हॉटस्टार पर 5.3 करोड़ दर्शकों ने लाइव देखा मैच

नई दिल्ली। क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट में बुधवार को हॉटस्टार पर व्यूवरशिप के सारे रिकार्ड टूट गए। जानकारी के अनुसार इस महा मुकाबले को 5.3 करोड़ दर्शकों ने लाइव देखा। गौरतलब है कि बुधवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला सेमीफाइनल खेला गया। इस मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रनों से हरा दिया। इस जीत के बाद अब भारत फाइनल में पहुंच गया है। भारत और न्यूजीलैंड के खेले गए मैच में विराट कोहली और मोहम्मद शमी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसके अलावा डिज्नी हॉटस्टार ने भी एक और नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। डिजनी हॉटस्टार पर 5.3 करोड़ लाइव दर्शकों के साथ नई ऊंचाई छू ली है। यहां गौरतलब है कि, मैच का लाइव प्रसारण डिजनी हॉटस्टार पर भी किया जा रहा है और जिसने अब व्यूअरशिप के मामले में नया रिकॉर्ड बना दिया है। डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने सोशल मीडिया में जानकारी शेयर करके बताया कि 5.1 करोड़ लाइव दर्शकों के साथ नयी ऊंचाई छू ली है। डिज्नी प्लस ने लिखा कि एक बार के रिकॉर्ड तोड़ने के लिए टीम इंडिया और डिज्नी प्लस हॉटस्टार के यूजर्स का शुक्रिया। इसे कहते हैं नॉकआउट परफॉर्मेंस। इससे पहले ऐप पर 3.50 करोड़ और 4.40 करोड़ दर्शक लाइव मैच देख चुके हैं। यह दूसरी बार है जब डिजनी हॉटस्टार पर लाइव क्रिकेट देखने का रिकॉर्ड टूटा है। इससे पहले भारत–पाकिस्तान के मैच को तीन करोड़ से ज्यादा लोगों ने हॉटस्टार पर लाइव देखा था। अब वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने आज एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच को करीब 5.3 करोड़ लोगों लाइव देखकर नया रिकॉर्ड बना दिया है। भारत ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर चौथी बार वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले दूसरे फाइनल के विजेता से होगा।

दुविधा में बैकहम...फुटबॉल के प्रशंसक ज्यादा शोर मचाते हैं या क्रिकेट के

–सचिन के साथ स्टेडियम में प्रवेश पर हुआ तालियों से स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर डेविड बैकहम वानखेड़े स्टेडियम के जोशीले माहौल से मंत्रमुग्ध हो गए। बैकहम उस मैच के गवाह बने जिसमें विराट कोहली ने वनडे में 50वां शतक लगाकर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, मोहम्मद शमी ने सात विकेट लेकर नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया और भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। इंग्लिश फुटबॉलर बैकहम ने जब सचिन तेंदुलकर के साथ स्टेडियम में प्रवेश किया, तब हजारों दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया।

स्टार फुटबॉलर ने वानखेड़े के माहौल को देखकर कहा, 'ऊर्जा से भरपूर, जोशीला और अविश्वसनीय। लेकिन वह यह तय नहीं कर पा रहे थे कि फुटबॉल के प्रशंसक ज्यादा शोर मचाते हैं या क्रिकेट के। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं क्या। मैं हमेशा फुटबॉल के प्रशंसक कहूंगा लेकिन आज यहां का माहौल देखकर मैं अब पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता। यहां का माहौल अविश्वसनीय है। दर्शकों ने पूरे माहौल को जोशीला बना रखा है इसलिए मैं इस लेकर निश्चित नहीं हूं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें बैकहम ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम के अनुभव ने उन्हें रोमांचित कर दिया। उन्होंने कहा, 'स्टेडियम में प्रवेश करते ही मैं रोमांचित हो गया था। इसने कुछ खास था। ऐसा इसलिए भी हो सकता है क्योंकि मैं सचिन के साथ था जिससे यह और विशेष बन गया था। लेकिन मैं स्टेडियम के भीतर की ऊर्जा को महसूस कर सकता था। बैकहम यूनिसेफ के सद्भावना एमबेस्ड्र के रूप में भारत आए हैं। वह 2005 से यह भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने तेंदुलकर और भारतीय टीम के खिलाड़ियों से मिलने को बेहद खास करार दिया।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Friday, 17 November 2023

रेव पार्टी मामले में एल्विश ने मानी अपनी गलती, नया वीडियो किया जारी

नई दिल्ली । फेमस यूट्यूबर और बिगबॉस ओटीटी-2 विनर एल्विश यादव ने अपना एक नया वीडियो जारी कर अपनी गलती मानी है। वीडियो में वह कहते नजर आ रहे हैं कि उनसे गलतियां हुई हैं और वह इसे स्वीकार भी करते हैं। बता दें कि सांपों के जहर और विदेशी लड़कियों वाली रेव पार्टी की वजह से विवादों में आए एल्विश यादव का एक नया वीडियो आया है, जिसमें हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट

नहीं किया है कि उनका यह बयान रेव पार्टी के संदर्भ में है या नहीं। उनके व्लॉग को शुरू से अंत तक देखने के बाद यह जरूर स्पष्ट हो जाता है तो उनका यह व्लॉग 'बिग बॉस 17' के कंटेस्टेंट यूके 07 राइडर उर्फ अनुराग डोभाल के समर्थन में ही है। करीब 15 मिनट के व्लॉग में एल्विश यादव ने कहा, 'कोई दूध का धुला नहीं होता है। हम भी बुरे थे और अब सुधर रहे हैं। हम अपनी गलती भी मानते हैं। हम स्वीकार कर रहे हैं कि हम गलत थे, अब हम सुधर रहे हैं। उम्र के साथ चीजें बदलती रहती हैं। वीडियो में एल्विश यादव ने यह भी कहा कि जब खराब टाइम आता है तो पता चल जाता है कि कौन अपना है और कौन पराया है। इस वीडियो में एल्विशक यादव 'बिग बॉस 17' के कंटेस्टेंट यूके 07 राइडर उर्फ अनुराग डोभाल के पक्ष में सपोर्ट मांगते दिखते हैं। पर यह स्पष्ट नहीं हो रहा कि वह किस गलती की बात कर रहे हैं। गौरतलब है कि नोएडा में रेव पार्टी में सांप के विष के संदिग्ध उपयोग के मामले में एल्विश यादव बुरी तरह फंसे हुए हैं। सपेरों समेत पांच लोग और यूट्यूबर एल्विश यादव वन्यजीवन संरक्षण अधिनियम, 1972 के प्रावधानों तथा भादसं की आपराधिक साजिश धारा के तहत दर्ज मामले में छह नामजद आरोपी हैं। आरोपियों में राहुल (32), टीटू नाथ (45), जयकरण (50), नारायण (50) तथा रवि नाथ (45) को तीन नवंबर को नोएडा के एक बैंक्वेट हॉल से गिरफ्तार किया गया था और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। गौरतलब है कि एक संगठन पीपुल्स फॉर एनीमल्स (पीएफए) की एक अधिकारी की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया था। पीएफए की अध्यक्ष और भाजपा नेता मेनका गांधी ने यादव पर सांप के विष की अवैध बिक्री में संलिप्त रहने का आरोप लगाया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी।

35 फीट लंबा व्हेल का बच्चा ?किनारे पहुंचा, लंबी मशक्कत के बाद समुद्र में धकेला

मुंबई । महाराष्ट्र के रत्नागिरी के गणपतिपुले तट पर व्हेल का 35 फीट लंबा बच्चा फंस गया। इसे 40 घंटे की मशक्कत के बाद बुधवार को वापस समुद्र में धकेल दिया गया, इससे वहां मौजूद पर्यटक और स्थानीय लोग खुश हो गए। हालांकि अधिकारियों ने इसे रेयर रेस्क्यू ऑपरेशन बताया। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक करीब चार टन वजन का ये व्हेल का बच्चा सोमवार को तट पर आ गया था। यहां कम ज्वार की वजह से वह समुद्र तट पर रेत में फंस गया। उन्होंने बताया कि पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने व्हेल को देखा और रत्नागिरी पुलिस, तटरक्षक बल समेत अन्य अधिकारियों को इसकी सूचना दी, इसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। अधिकारी ने बताया कि व्हेल के बच्चे को समुद्र की गहराई तक पहुंचाने के लिए अग्निशमन दल, पुलिस और स्थानीय लोगों ने प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस दौरान पशु चिकित्सकों की एक टीम भी मौके पर पहुंच गई, टीम ने व्हेल को जिंदा रखने के लिए उसे तरल पदार्थ दिए। रेस्क्यू अभियान में जुटे लोगों ने व्हेल हाइड्रेटेड रखने के लिए उस पर समुद्री पानी डाला और उसे बचाने के लिए उसे कॉटन से ढक दिया। इसके बाद व्हेल के बच्चे को बेल्ट से बांधकर और घसीटकर धकेलने का प्रयास किया गया, लेकिन इससे उसकी पूंछ के पास चोटें लग गईं। इसके बाद अधिकारियों ने ये प्लान रद्द कर दिया। मंगलवार की रात एक टगबोट (नाव को खींचकर ले जाने वाली बोट) लाई गई और व्हेल को जाल में डाला गया। हाई टाईट के दौरान अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने व्हेल को पानी में धकेलना शुरू कर दिया। अधिकारी ने बताया कि व्हेल ने खुद गहरे पानी की ओर फिसलने का प्रयास किया। कई घंटों तक लगातार रेस्क्यू के बाद बुधवार सुबह व्हेल के बच्चे को टगबोट द्वारा समुद्र में 7 से 8 समुद्री मील तक ले जाया गया। यहां अपने प्राकृतिक आवास में वापस आने पर व्हेल के बच्चे ने जाल तोड़ दिया और अपने आप तैरना शुरू कर दिया। इसके बाद वह समुद्र की गहराई में चला गया।

वायु प्रदूषण से हुआ सांस लेना मुश्किल

नई दिल्ली। स्माग के साथ हल्का कोहरा और ठंड बढ़ने के कारण दिल्ली और दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण ने गति पकड़ ली है। दिल्ली की हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। एनसीआर के भी प्रमुख शहरों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी की रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, आने वाले तीन दिन तक प्रदूषण से खास राहत नहीं मिलेगी और साथ ही दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में उच्च स्तर पर बनी रहेगी। सीपीसीबी ने आपनी जारी की गई रिपोर्ट में बताया है कि दिल्ली का एयर इंडेक्स 401 रिकॉर्ड किया गया है, जो बेहद गंभीर श्रेणी का है। प्रदूषण की वजह से लोगों को सास लेने में असुविधा हो रही है जिसके चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के नेहरू नगर, जहांगीरपुरी, पंजाबी बाग, बवाना व आरके पुरम सबसे अधिक प्रदूषित रहे। वहीं नेहरू नगर में एयर इंडेक्स खतरनाक श्रेणी के नजदीक 450 पहुंच रहा है। फरीदाबाद का एयर इंडेक्स 390, गाजियाबाद 378, ग्रेटर नोएडा 338 व नोएडा का एयर इंडेक्स 360 दर्ज किया गया। इस के कारण एनसीआर के इन सभी शहरों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। गुरुग्राम में भी एक्यूआई 297 रहा। जहां अन्य इलाकों की अपेक्षा प्रदूषण कम रहा।

जिस सुरंग में मजदूर फंसे हैं वहीं आ गया भूकंप

देहरादून। उत्तरकाशी में चारधाम प्रोजेक्ट के तहत एक टनल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। जिसमें सैकड़ो श्रमिक काम कर रहे हैं। 12 नवंबर को इस टनल का एक हिस्सा धसक गया और 40 मजदूर इसमें फंस गए। इन्हे निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। सभी श्रमिक टनल से बाहर निकलते इससे पहले इसी क्षेत्र में भूकंप आ गया। गनीमत रही कि किसी तरह का कोई हादसा नहीं हुआ। अच्छी बात ये है कि अभी सभी 40 मजदूर सुरक्षित बताए जा रहे हैं। टनल के प्रवेश द्वार से करीब 200 मीटर अंदर 40 मजदूर जहां फंसे हैं। उसके ठीक आगे 50 मीटर तक मलबा फैला है। रेस्क्यू टीम के लिए ये सबसे बड़ी चुनौती है क्योंकि टनल का वो हिस्सा काफी कमजोर है। इससे पहले जब दिल्ली में भूकंप के झटके आए थे तो ये झटके उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भी महसूस हुए थे। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई थी। भूकंप का केंद्र भी नेपाल ही था। उत्तराखंड में एक बार फिर धरती हिली है। इस भूकंप के झटके उत्तरकाशी के सिलक्यारा क्षेत्र में भी महसूस किए गए हैं। ये वही क्षेत्र है, जहां टनल में 40 मजदूर फंसे हुए हैं, जिनको बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.1 मापी गई है। एनसीएस के मुताबिक, उत्तरकाशी में ये भूकंप देर रात 02 बजकर 02 मिनट 10 सेंकड पर आया था। इसका केंद्र के जमीन के अंदर गहराई में पांच किलोमीटर था। बता दें कि उत्तरकाशी में 12 नवंबर की सुबह चारधाम प्रोजेक्ट के तहत बन रही टनल में एक हिस्सा धंस गया था। इस मलबे में 40 मजदूर हर पल मौत से जूझ रहे हैं। अच्छी बात ये है कि अभी सभी 40 मजदूर सुरक्षित बताए जा रहे हैं। टनल के प्रवेश द्वार से करीब 200 मीटर अंदर 40 मजदूर जहां फंसे हैं। उसके ठीक आगे 50 मीटर तक मलबा फैला है। रेस्क्यू टीम के लिए ये सबसे बड़ी चुनौती है क्योंकि टनल का वो हिस्सा काफी कमजोर है। इससे पहले जब दिल्ली में भूकंप के झटके आए थे तो ये झटके उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भी महसूस हुए थे। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई थी।

खराब सिग्नल के कारण ट्रेन के रुकते ही लुटेरों ने मचाई लूटपाट

आणंद । गुजरात के खेड़ा जिले में खराब सिग्नल के कारण ट्रेन के रुकते ही लुटेरों ने भारी लूटपाट मचा दी। इस दौरान लुटेरों के एक गिरोह ने यात्रियों से 3.20 लाख रुपये मूल्य का कीमती सामान लूट लिया। रेलवे पुलिस ने यह जानकारी दी है। पश्चिम रेलवे की पुलिस अधीक्षक सरोज कुमारी ने बताया कि यह घटना 14 नवंबर को तड़के हुई थी। उन्होंने बताया कि रेलवे पुलिस ने अज्ञात बदमाशों को पकड़ने के लिए कई टीम गठित की हैं और यह भी जांच की जा रही है कि क्या सिग्नल की खराबी किसी साजिश का नतीजा तो नहीं थी। इधर आणंद रेलवे पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, इंदौर की ओर जा रही गांधीधाम-इंदौर एक्सप्रेस 14 नवंबर को तड़के अनघड़ी गांव के बाहरी इलाके में रुकी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लुटेरों ने खिड़कियों के पास बैठे पांच यात्रियों को निशाना बनाया।

आम आदमी पार्टी का बीजेपी पर ताजा हमला

अपनी सुविधा के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त करती है केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के प्रचार में पार्टी नेताओं द्वारा राम मंदिर का इस्तेमाल करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले केंद्र की आलोचना की। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि केंद्र ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया बदल दी क्योंकि वह चाहती है कि भारत के चुनाव आयोग का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी के प्रति सहानुभूति रखने वाले को किया जाए। हाल ही में, केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश के गुना में एक रैली को संबोधित किया, जहां उन्होंने वादा किया कि अगर मध्य प्रदेश में उनकी सरकार बनती है तो भगवा पार्टी भगवान राम लला के दर्शन का खर्च वहन करेगी।

भारद्वाज ने यह भी कहा कि कुछ महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कैसे होगी. उन्होंने कहा कि छ्छ्छ्ढ़, क्क्रूऔर रूष्क्कइसका फैसला करेंगे। लेकिन उन्होंने संसद द्वारा पारित कानून के जरिये सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। उन्होंने कहा कि मतलब साफ है- केंद्र सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक किसी को मुख्य चुनाव

आयुक्त नियुक्त करती है। जब यह मामला है, तो आप मुख्य चुनाव आयुक्त से क्या उम्मीद करते हैं?...दूसरी बात, भाजपा अपने पोस्ट में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करती है और अन्य राजनीतिक नेताओं के बारे में अपमानजनक बातें कहती है वह अद्वितीय है। हैरानी की बात यह है कि चुनाव आयोग बीजेपी के पोस्ट और ट्वीट नहीं देख सकता।

भारद्वाज की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब केंद्र 4 दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023 को पेश करने की तैयारी कर रहा है। यह विधेयक उन संवैधानिक प्रावधानों को बदलने का प्रयास करता है जो चुनाव आयुक्तों को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के बराबर बनाते हैं। विधेयक पारित होने के बाद चुनाव आयुक्त कैबिनेट सचिव के बराबर आ जाएंगे।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक को लेकर तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

रांची । रांची यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में चूक के लिए तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देकर बताया कि बुधवार को सुबह भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान-सह-स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय जाते समय एक महिला अप्रत्याशित रूप से दौड़ते हुए प्रधानमंत्री के काफिले के सामने आ गई थी। इस घटना के बाद निलंबन की कार्रवाई की गई। महिला को प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों ने तुरंत पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया था। बता दें कि मोदी आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर थे। पुलिस के एक बयान में कहा ?कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) तथा दो कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। जिन पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है उनमें एएसआई अबू जफर, सिपाही छोटेलाल टुडू और सिपाही रंजन कुमार शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि पीएम के काफिले के सामने आने को लेकर पकड़ी गई महिला की पहचान संगीता झा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वह कथित तौर पर अपने पति से परेशान थी और उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराना चाहती थी। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) चंदन कुमार सिन्हा ने पीटीआई-को बताया, ''पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि उसकी शादी 2012 में झारखंड के देवघर जिले के जमुनी गांव में एक व्यक्ति से हुई थी। लेकिन, 2016 में उनके बीच विवाद शुरू हो गया और आए दिन उसका पति उससे मारपीट करने लगा। एसएसपी ने कहा ?कि महिला चाहती है कि उसके पति का वेतन उसके बैंक खाते में जमा कराया जाए। इस संबंध में वह गत अक्टूबर में प्रधानमंत्री से मिलने दिल्ली भी गई थी और वहां 10 दिनों तक रही। प्रधानमंत्री से नहीं मिल पाने के बाद उसने राष्ट्रपति से मिलने की कोशिश की।

मालदीव के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में पीएम मोदी नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर एक देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने यहां बुलाना चाहता है। इसके लिए न्यौता भी देता लेकिन कुछ ऐसे कारण भी होते जिसकी वजह से पीएम मोदी का कार्यक्रम में शामिल हो पाना संभव नहीं हो पाता है। भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास के बीच नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल नहीं हो रहे हैं। उनकी जगह केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि मोइज्जू ने इस समारोह में शामिल होने के लिए पीएम मोदी को निमंत्रण भेजा था।

इससे पहले जब साल 2018 में जब मोहम्मद सोलिह का शपथ ग्रहण समारोह हुआ था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मालदीव गए थे। मालदीव की उनकी यात्रा ने दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों की आधारशिला रखी थी। व्यापक तौर पर चीन समर्थक नेता माने जाने वाले मुइज्जू ने सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में निवर्तमान राष्ट्रपति सोलिह को हरा दिया था। चुनाव जीतने के बाद मुइज्जू ने कहा है कि वह अपने देश से भारतीय सैनिकों को निकालने के अपने चुनावी वादे को पूरा करेंगे. सोलिह के शपथ-ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले मेहमानों में मोदी किसी अन्य देश के एकमात्र सरकार प्रमुख थे, वहीं समझा जाता है कि मुइज्जू के शपथ-ग्रहण समारोह के लिए चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग समेत कई विदेशी नेताओं को आमंत्रित किया गया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर उनके शपथ-ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू 16 से 18 नवंबर तक मालदीव के दौरे पर रहेंगे।'' मंत्रालय के बयान के अनुसार शपथ-ग्रहण समारोह में मंत्री का उच्चस्तरीय प्रतिनिधित्व दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण सहयोग को बढ़ाने और लोगों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का प्रमुख समुद्री पड़ोसी है और प्रधानमंत्री के 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और उन्नति) दृष्टिकोण तथा 'पड़ोस प्रथम नीति' में विशेष स्थान रखता है।''

सोलिह भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने और 'इंडिया फर्स्ट' की नीति का अनुसरण करने पर सतत ध्यान दे रहे थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मई में मालदीव का दौरा किया था जिस दौरान उन्होंने एक तीव्र गश्ती पोत और एक लैंडिंग क्राफ्ट इस द्वीपीय देश को सौंपा था। पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी और सोलिह ने भारत की ओर से वित्तपोषित ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना शुरू की थी जिसे इस द्वीपीय देश में सबसे बड़ी अवसंरचना परियोजना कहा गया है। भारत की 'पड़ोस प्रथम' नीति के सबसे बड़े लाभार्थी देशों में मालदीव शामिल है।

हरदीप सिंह निज्जर हत्या मामले में कनाडा से भारत ने मांगे सबूत

-विदेश मंत्री एस. जयशंकर बोले- जांच से नहीं भाग रहे हम, पहले सबूत तो दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि कनाडा पहले सबूत तो दें, हम जांच से नहीं भाग रहे। इस तरह से भारत ने कनाडा से 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता के अपने आरोपों के समर्थन में सबूत देने को कहा है। जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत मामले में जांच से इनकार नहीं कर रहा है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी तब आई जब उन्होंने एक पत्रकार से बातचीत के दौरान सवालों का जवाब दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमने कनाडाई लोगों को बताया है। संदर्भ यह है कि, कनाडा में, हमें लगता है कि कनाडाई राजनीति ने हिंसक और अतिवादी राजनीतिक विचारों को जगह दी है जो हिंसक तरीकों सहित भारत से अलगाववाद की वकालत करते हैं। इन लोगों को कनाडाई राजनीति में समायोजित किया गया है। जयशंकर ने कहा, उन्हें अपने विचार व्यक्त करने की आजादी दी गई है। ऐसी स्थिति आ गई है कि उच्चायुक्त सहित मेरे देश के राजनयिकों पर हमला किया गया, उच्चायोग और महावाणिज्य दूतावास पर धुआं बम फेंके गए, मेरे राजनयिकों को सार्वजनिक रूप से, रिकॉर्ड पर सूचित किया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई यह।

उन्होंने आगे कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी एक निश्चित जिम्मेदारी के साथ आती है। उन स्वतंत्रताओं का दुरुपयोग और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उस दुरुपयोग को बर्दाश्त करना बहुत गलत होगा। इस बात पर जोर देते हुए कि कनाडा ने अपने आरोप के समर्थन में भारत के साथ कोई सबूत साझा नहीं किया है, जयशंकर ने कहा कि देखिए, यदि आपके पास ऐसा आरोप लगाने का कोई कारण है, तो कृपया हमारे साथ सबूत साझा करें। हम किसी जांच से इनकार नहीं कर रहे हैं और किसी भी चीज पर विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि सितंबर में निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए।

दिवाली पर मुंबई एयरपोर्ट ने रचा इतिहास, करीब 1 हजार विमानों की रही आवाजाही

मुंबई। दिवाली की छुट्टियों के दौरान मुंबई से बाहर जाने वाले नागरिकों और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है। पिछले तीन दिनों में मुंबई एयरपोर्ट से 5 लाख 16 हजार 562 यात्रियों ने विमानों से सफर किया है. साथ ही शनिवार, 11 नवंबर को मुंबई एयरपोर्ट से 1 हजार 32 फ्लाइट्स ने उड़ान भरी. 9 दिसंबर 2018 को मुंबई एयरपोर्ट से 1 हजार 4 फ्लाइट्स का आवागमन हुआ था. गौरतलब हो कि मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे के रूप में जाना जाता है और दिवाली के मौसम के दौरान, मुंबई शहर से बाहर जाने और पर्यटन स्थलों पर जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ जाती है. इस अवधि के दौरान हवाई यात्रियों की संख्या अधिक होती है। बताया गया है कि 11 नवंबर, 12 नवंबर और 13 नवंबर तीन दिनों में मुंबई एयरपोर्ट से पांच लाख 16 हजार 562 यात्रियों ने यात्रा की. इनमें घरेलू रूट पर सबसे ज्यादा 3 लाख 54 हजार 541 और इंटरनेशनल रूट पर 1 लाख 62 हजार 21 यात्रियों ने सफर किया. इन तीन दिनों में 2 हजार 137 घरेलू उड़ानें और 757 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भरी गईं। घरेलू यात्रा के लिए दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई तथा अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर दुबई, लंदन, अबू धाबी और सिंगापुर जाने वाले यात्रियों की भीड़ रही। शनिवार को मुंबई एयरपोर्ट से 1 लाख 61 हजार 419 यात्रियों ने सफर किया.

आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय पर लगाया गंभीर आरोप

– यादव वोट बैंक में भाजपा की सेंध से चिन्तित लैंड फॉर जॉब आरोपी लालू परिवार

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू यादव ने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय पर पहले हाजीपुर से गाय ले जाकर कटवाने का आरोप लगाया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने लालू के आरोप को सिरे से खारिज किया है। इससे पहले नित्यानंद राय द्वारा राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाने के आरोप का अपने विदूषक अंदाज में जवाब दिया था।

गौरतलब है कि नित्यानंद ने लालू पर निशाना साधते हुए कहा था कि आपने यदुवंशियों के लिए कुछ नहीं किया।जब चारा घोटाले में जेल गए तो राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाकर गए। राबड़ी से अधिक योग्य लोग आपकी पार्टी में थे।यादव कुल के किसी नेता ?की बजाय अपनी पत्नी रावड़ी देवी को क्यों सीएम बनाया।

नित्यानंद राय पर लालू यादव का पलटवार इस बात का संकेत माना जा रहा है कि आरजेडी उन्हें लेकर सतर्क है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना हैं कि ओबीसी में सबसे अधिक हिस्सेदारी रखने वाले यादव जाति के वोट बंटने का दुष्परिणाम आरजेडी को लंबे समय तक सत्ता से दूर रहकर भुगतना पड़ा है।दरअसल, नित्यानंद राय भी उसी यादव बिरादरी से आते हैं जिससे लालू यादव हैं।यादव वोट बैंक लालू की पार्टी आरजेडी का बेस रहा है।अब बिहार भाजपा का भविष्य माने जाने वाले केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के सहारे भाजपा की नजर यादव वोट बैंक में सेंध लगाने की है।

पप्पू यादव की पार्टी जन अधिकार पार्टी से भी आरजेडी डैमेज हुई है। अब अगर नित्यानंद का यादव नेता के रूप में लोकप्रिय होते हैं तो लालू की पार्टी के सामने बेस वोट बैंक के अस्तित्व की चुनौती खड़ी हो जाएगी। नित्यानंद साफ-सुथरी छवि के नेता हैं जबकि लालू मंझे हुए राजनीतिज्ञ।

समान नागरिक संहिता लागू कर उत्तराखंड बनेगा देश का प्रेरणास्रोत

-मजहबी कानून को दरकिनार कर एक समान कानून प्रभावी करने का प्रस्ताव

– समुचित आधार और कानून मंजूरी के बिना वैध पति पत्नी नहीं कर सकेंगे विवाह।

नई दिल्ली (एजेंसी)। समान नागरिक संहिता के परिपालन का आगाज करने जा रहा उत्तराखंड देश के अन्य राज्यों का प्रेरणास्रोत बनने जा रहा है।इस कानून के प्रारुप पर चर्चा करने को आतुर देवभूमि की विधान सभा के कृतत्व की सार्थकता इसकी लक्ष्मण रेखा तय करेगी। हालांकि कानून की राय में राज्य को ऐसा अधिकार संविधान में नहीं है, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर धामी स्पष्ट कर चुके हैं कि उत्तराखंड में प्रस्तावित यूसीसी का उद्देश्य किसी वर्ग को निशाना बनाना नहीं है।

उत्तराखंड सरकार ने 27 मई, 2022 को समान नागरिक संहिता की संभावनाएं तलाश कर इसे तैयार करने के लिए और नागरिकों के सभी निजी मामलों से जुड़े कानूनों की जांच के लिए विशेषज्ञों की कमेटी बनाई थी।इस विधेयक को देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड या कॉमन सिविल कोड की बहुचर्चित कल्पना को साकार करने की नींव के पत्थर माना जा रहा है।लेकिन इस पर विधान सभा में चर्चा से पहले ही राजनीतिक और धार्मिक हंगामा होने के आसार लग रहे हैं। यानी 2024 के लोक सभा चुनाव से पहले कानून का ये बड़ा सियासी मुद्दा बन सकता है।

इन नए कानून के तहत तलाक सिर्फ कानूनी प्रक्रिया से ही होगा। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट और संसद से इस्लाम या किसी अन्य मजहब में प्रचलित तीन तलाक पहले ही अमान्य और दंडनीय अपराध हो गया है। नए कानून की जद में तलाक़ ए हसन और तलाक़ ए अहसन भी आएंगे। यानी तलाक के ये मनमाने और एकतरफा तरीके भी गैरकानूनी माने जाएंगे।

बिना विवाह किए एक साथ रहने यानी लिव इन रिलेशनशिप में बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने का भी प्रावधान नए दौर के नए कानून में है।लिव इन की जानकारी सरकार को तय प्रक्रिया और तय प्रारूप के तहत देनी होगी।यानी इनके भी रजिस्ट्रेशन का प्रावधान होगा।रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के तहत ही लिव इन रिलेशन की जानकारी युवक-युवती के अभिभावकों के पास भी जाएगी। जानकारी न देने पर सज़ा का प्रावधान भी किया गया है।नए मसौदे में बहुविवाह, हलाला और इद्दत पर रोक लगाने का प्रावधान है। इसके अलावा युवतियों के विवाह की न्यूनतम आयु में भी बदलाव कर लड़कों के बराबर यानी 21 साल करने पर विचार किया जायेगा ताकि वे विवाह से पहले स्नातक हो सकें।

सबके लिए शादी का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने का प्रावधान होगा।विवाह के रजिस्ट्रेशन के बिना परिवार या दंपति को मिलने वाली किसी भी सरकारी सुविधा यानी ज्वाइंट अकाउंट, साझा संपत्ति आदि का लाभ नही मिलेगा।ग्राम स्तर पर भी विवाह के रजिस्ट्रेशन की सुविधा और सेवा मौजूद होगी।नए कानून के मसौदे में विवाह की तरह ही विवाह विच्छेद यानी तलाक के भी एक समान आधार होंगे।पति-पत्नी दोनो को तलाक के समान आधार उपलब्ध होंगे। तलाक का जो ग्राउंड यानी आधार नीति पति के लिए लागू होगा उसी आधार पर पत्नी भी तलाक लेने के लिए नीति का पालन करेगी

भारतीय पर्यटन की ओर तेजी से बढ़ रहा विदेशियों का रुझान

-सबसे ज्यादा सर्च हो रहा आपणो देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की विविधता और विरासत के साथ-साथ यहां का शांत वातावरण विदेशियों को काफी आकर्षित कर रहा है। विदेशी युवाओं में भारत को लेकर दिलचस्?पी काफी बढ़ गई है। उनका रुझान भारतीय पर्यटन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। पिछले वर्षों में करोना महामारी के बाद भारत में उठाए गए कदम और यहां की चाक चौबंद व्यवस्थाओं ,बीमारी पर तेजी से नियंत्रण और सुरक्षित वातावरण का असर विदेशियों पर दिखाने लगा है। समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर वाले भारत को जानने की जिज्ञासा अब विदेशी युवाओं में ज्यादा देखने को मिल रही है। विकसित दुनिया के नक्शे पर कभी गरीबी और सांप-सपेरों के देश के रूप में पहचान पाने वाले भारत को लेकर विदेशियों की सोच में बड़ा परिवर्तन आया है। कोरोना महामारी के बाद लोगों ने भारत की ताकत को पहचाना है। इसी कारण अधिकांश देशों के विद्यार्थियों ने पिछले 2 सालों में भारत को सबसे ज्यादा सर्च किया है और यहां के पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारियां जुटाई।

इतना ही नहीं इन विदेशी विद्यार्थियों ने भारत भ्रमण के लिए भारतीय ट्रैवल एजेंसियों पर भरोसा भी किया है और काफी सारी बुकिंग भारतीय एजेंसियों के माध्यम से कराई। एक भारतीय ट्रैवल कंपनी किंग हिल्स ट्रैवल्स के प्रवक्ता दीपक घायल ने बताया कि विदेशी पर्यटक खासकर विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भारत भ्रमण की जानकारियां मांगी हैं। पिछले दिनों सिंगापुर के शैक्षिक संस्थान के विद्यार्थी 5 नवंबर से 11 नवंबर तक भारत भ्रमण पर थे।

इन विद्यार्थियों का कहना था कि अन्य देशों की तुलना में भारत भ्रमण ज्यादा रोमांचक और सुरक्षित है। यहां की अनुकूल जलवायु, कई तरह की संस्कृतियों एक ही देश में बहुत सारी परंपराएं और त्योहार मनाए जाते हैं। कई भाषाएं और बोलियां हैं। बावजूद इसके आपस में मेलजोल और मेहमानों के प्रति सम्मान काबिल-ए-तारीफ है। भारत की कई खूबियों के अलावा यहां की एजेंसियों का अपेक्षाकृत सस्ता होना भी पर्यटकों के आकर्षण का एक बड़ा कारण है। ट्रैवल एजेंसी ने उम्मीद जताई कि बदलते वैश्विक परिवेश में आने वाले दिनों में विदेशी खूब आएंगे। भारत की संस्कृति, परंपरा और मेहमाननवाजी की खूबियों ने विदेशियों को बहुत प्रभावित किया है।

बता दें कि दुनियाभर में बढ़ रहे तनावों के बीच भारत का शांत माहौल विदेशी युवाओं को आकर्षित कर रहा है। यूक्रेन और रूस में युद्ध के बाद इजराइल-फलस्तीन के बीच चल रहे संघर्षों से यूरोपीय और खाड़ी देश में तनाव काफी बढ़ गया है। इतना ही नहीं दुनिया के कई अन्य देशों में भी अस्थिर वातावरण बना हुआ है। ऐसे में भारत का माहौल विदेशियों को रिझाने लगा है।

इजरायल जा रहीं यूनिसेफ की प्रमुख कैथरीन हुई हादसे का शिकार

वाशिंगटन। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग में सैकड़ों बच्चों की जान चली गई है। कई परिवार संतान विहीन हो गए हैं। ऐसे ही परिवारों से मिलने इजरायल जा रहीं यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल हादसे का शिकार हो गई हैं। यह हादसा मिस्र में उस वक्त हुआ जब वे कार से जा रहीं थीं और एक बड़े पत्थर से कार टकरा गई,जिसमें वे घायल हो गई। यूनिसेफ के मीडिया प्रमुख कर्टिस कूपर ने कहा, राफा के रास्ते में हमारा मानना ????है कि कार एक बड़े गड्ढे से टकरा गई या उसे रोकने की कोशिश की गई, जिससे कार गड्ढे में चली गई और पलट गई। उन्होंने कहा कि रसेल को चोटे आई हैं और वह काफी तकलीफ में है, लेकिन उनके जख्म बहुत गंभीर नहीं हैं. उन्होंने कहा कि रसेल ने गाजा की अपनी यात्रा जारी रखी और फिर डॉक्टरों ने तय किया कि उन्हें और देखभाल की जरूरत है, इसलिए रसेल ने उस इलाके में तय बाकी यात्रा को रद्द कर दिया। हालांकि वह गाजा के अलावा इजरायल भी जाने वाली थीं।

कम वेतन के कारण ब्रिटेन में नौकरी छोड़ रहे हैं डॉक्टर

वाशिंगटन । ब्रिटेन में डॉक्टरों को कम वेतन प्राप्त हो रहा है। काम का दबाव लगातार डॉक्टरों के ऊपर बढ़ रहा है।जिसकी वजह से ब्रिटेन के डॉक्टर ब्रिटेन में काम छोड़कर आस्ट्रेलिया तथा कनाडा में नौकरी के लिए पलायन कर रहे हैं। जिसके कारण ब्रिटेन की स्वास्थ्य व्यवस्था लगातार गड़बड़ाती चली जा रही है। ब्रिटेन में जो डॉक्टर काम कर रहे हैं। उनके ऊपर काम का दबाव इतना ज्यादा हो गया है,कि वह नौकरी छोड़कर अन्य देश में नौकरी तलाश कर रहे हैं। वहीं अमेरिका में डॉक्टरों की औसत आय 3 करोड रुपए सालाना है। दूसरे देशों के मुकाबले अमेरिका में डॉक्टरों को सबसे ज्यादा कमाई होती है।उसके बाद भी अमेरिका में डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार अगले 10 साल में अमेरिका में 1।24 लाख डॉक्टरों की कमी होगी। मेडिकल की पढ़ाई 8 साल में अमेरिका में मेडिकल की पढ़ाई के लिए 8 साल का समय लगता है। यहां पर 4 साल में स्नातक का कोर्स और 4 साल में मेडीसिन का कोर्स होता है।अन्य देशों में मेडिकल की पढ़ाई 5 से 6 साल में पूरी हो जाती है। लंबा समय लगने के कारण अमेरिका में बीच में पढ़ाई छोड़ने वालों का प्रतिशत बहुत ज्यादा है।अमेरिका में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में हालत बहुत खराब है। अमेरिका दुनिया के उन अमीर देश में से एक देश है।जहां स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा खर्च किया जाता है। इसके बाद भी यहां पर डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सबसे ज्यादा खराब स्थिति है।

लुलियांग की इमारत में लगी भीषण आग, 11 लोगों की मौत, चल रहा रेस्क्यू

बीजिंग । चीन के लुलियांग शहर के लिशी जिले में योंगजू कोयला कंपनी की चार मंजिला इमारत में लगने से 11 लोगों की मौत के समाचार मिले है। ये घटना 16 नवंबर को सुबह करीब 6 :50 बजे घटी। इस घटना के बाद अब तक इमारत में से 63 लोगों को रेस्क्यू करके बाहर निकाला गया है, जिसमें से 51 लोगों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया है जहां चिकित्सा सहायता मिल रही है। घटनास्थल के पास अभी भी बचाव कार्य जारी है। हालांकि आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग शांक्सी प्रांत के लुलियांग शहर के लिशी जिले में योंगजू कोयला कंपनी की चार मंजिल की इमारत में लगी है। ये आग सुबह स्थानीय समयानुसार में लगभग 6:50 बजे लगी है। गौरतलब है कि इमारत में आग लगने के बाद हताहतों की संख्या की गिनती अभी भी की जा रही है। इनमें से कुल 63 लोगों को निकाला गया है, जिनमें से 51 को इलाज के लिए लुलियांग फर्स्ट पीपुल्स अस्पताल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार चीन में ढीले सुरक्षा मानकों और खराब प्रवर्तन के कारण कॉमर्शियल दुर्घटनाएं आम हैं। यहां इसी साल जुलाई के महीने में देश के उत्तर-पूर्व में एक स्कूल जिम की छत गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। उससे ठीक 1 महीने पहले चीन के उत्तर-पश्चिमी में एक बारबेक्यू रेस्तरां में आग लगने की वजह से 31 लोग मारे गए थे। चीन में आए दिन आग लगने की दुर्घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान भी शुरू की गई थी। इसी साल अप्रैल के महीने में बीजिंग के एक अस्पताल में आग लगने से 29 लोगों की मौत हो गई और बचे लोगों को जान बचाने के लिए खिड़कियों से बाहर कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा। चीन के तियानजिन में साल 2015 में एक केमिकल के गोदाम में विस्फोट हो जाने की वजह से 165 लोग मारे गए थे।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय फिल्मों का दबदबा

सिडनी। बॉलीवुड की फिल्मों का ऑस्ट्रेलिया में बड़ा दबदबा है।एक्शन फिल्मों की यहां बड़ी मांग है। एक्शन फिल्म टाइगर 3 ऑस्ट्रेलिया में 160 से ज्यादा स्क्रीन पर रविवार को रिलीज हुई। ऑस्ट्रेलिया में जितने भी स्क्रीन पर फिल्म रिलीज होती है। उसका 12वां हिस्सा भारतीय फिल्मों का होता है। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय फिल्मों की बड़ी मांग है। पिछले कुछ सालों से ऑस्ट्रेलिया में भारतीय फ़िल्म उद्योग का व्यवसाय बड़ी तेजी के साथ बढा है। ऑस्ट्रेलिया में करीब 3।5 फ़ीसदी भारतीय आबादी है।ऑस्ट्रेलिया में बॉक्स ऑफिस पर 6297 करोड रुपए की कमाई मैं भारत की फिल्मों को 274 करोड रुपए की आय हुई है। हर साल भारतीय फिल्मों का कारोबार यहाँ बढ़ता चला जा रहा है।

यूएनएससी के युद्ध रोकने वाले प्रस्ताव को इजरायल ने ठुकराया

वाशिंगटन। इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को रोकने वाले शांति के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे ही प्रस्ताव की चर्चा यूएनएससी में भी गई। जहां एक युद्ध रोकने और शांति बहाली के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। जिसे इजरायल ने सिरे से नकार दिया।पंद्रह सदस्यीय सुरक्षा परिषद में इस प्रस्ताव के पक्ष में 12 वोट पड़े। अमेरिका, ब्रिटेन और रूस ने मतदान से दूरी बनाए रखी। इस प्रस्ताव में हमास की ओर से सात अक्टूबर को इजराइल पर अचानक किए गए हमले की निंदा नहीं किए जाने पर अमेरिका और ब्रिटेन ने इससे दूरी बनाई। प्रस्ताव में मानवीय संघर्ष विराम और ''हमास तथा अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग संबंधी भाषा को नरम रखा गया है।हालांकि माल्टा द्वारा प्रायोजित प्रस्ताव उन गंभीर मतभेद को दूर करने में कामयाब रहा जिनके कारण परिषद पिछले चार प्रस्तावों को अंगीकार नहीं कर सका था। संयुक्त राष्ट्र में माल्टा की राजदूत वैनेसा फ्रैज़ियर ने कहा, ''आज हमने एक महत्वपूर्ण पहला कदम हासिल किया है। हम सशस्त्र संघर्षों में नागरिकों की सुरक्षा और बच्चों की पीड़ा को दूर करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम रहेंगे। इजरायली बलों ने गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर धावा बोल दिया जहां नवजात शिशुओं सहित सैकड़ों रोगी फंसे हुए हैं। इजराइल शिफा अस्पताल को युद्ध के दौरान प्रमुख निशाने के तौर पर देखता है। इस जंग में हजारों फलस्तीनी मारे जा चुके हैं और गाजा में भारी तबाही हुई है। हमास द्वारा सात अक्टूबर को इजराइल पर अचानक हमला करने और करीब 1200 लोगों की हत्या करने के बाद इजराइल के साथ उसकी जंग शुरू हो गई। इजराइल का कहना है कि शिफा अस्पताल हमास के नियंत्रण वाला स्थान है।हमास और गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शिफा में चरमपंथियों की गतिविधियों से इनकार किया है।

मस्क ने स्वीकारा, एक्स हेट स्पीच वाले 98 प्रतिशत पोस्ट को हटाने में विफल रहा

वाशिंगटन । एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स उन 98 प्रतिशत पोस्ट को हटाने में विफल रहा है जो यहूदी विरोधी हैं या इस्लामोफोबिया को बढ़ावा देते हैं या फिर फिलिस्तीन के खिलाफ नफरत फैलाते हैं या किसी तरह के हेट स्पीच को बढ़ावा देते हैं। ताजा रिपोर्ट, इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद एक्स और दूसरे प्लेटफार्म पर नफरत भरे पोस्ट और गलत सूचना में वृद्धि के बीच आई है। सेंटर फॉर काउंटरिंग डिजिटल हेट (सीसीडीएच) के सीईओ और संस्थापक इमरान अहमद ने कहा कि एक्स ने विज्ञापनदाताओं और जनता को आश्वस्त करने की कोशिश की थी कि हेट स्पीच पर उनका नियंत्रण है, लेकिन हमारा शोध बताता है कि ये खोखले वादों के अलावा और कुछ नहीं था। शोधकर्ताओं ने कुल 200 हेट पोस्ट एकत्र किए जो इजराइल पर हमास के हमलों के बाद प्रकाशित हुए थे। पोस्ट कुल 101 अलग-अलग एक्स अकाउंट से एकत्र किए गए। शोधकर्ताओं ने पाया कि एक्स ने 200 में से 98 प्रतिशत (196) पोस्ट अभी भी मंच पर मौजूद हैं। कुल मिलाकर, पोस्ट को 24,043,693 बार देखा गया। अध्ययन में शामिल 101 एकाउंट में से केवल एक को निलंबित किया गया और अन्य दो को लॉक कर दिया गया।

सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, अमेरिका में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सीईओ शिखर सम्मेलन के विरोध में एक रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सूट पहने लोगों पर तंज कसा।

गलतफहमी के बिना स्पष्ट रूप से एक-दूसरे को समझें: बाइडेन

-एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग का सम्मान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन और अमरीका के मध्य हुए संवाद को रेखांकित करते हुए कहा कि मौजूदा परिप्रेक्ष्य में हम बिना किसी गलतफहमी के स्पष्ट रूप से एक-दूसरे को समझें। बुधवार को सैन फ्रांसिस्को के फिलोली एस्टेट में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान हुई दोनो देशों के प्रमुख नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जबकि, अमेरिका और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। विश्व में आर्थिक मंदी छाई हुई है, पश्चिम एशिया और यूरोप में युद्ध छिड़े हैं और ताइवान को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है।नवंबर 2022 में बाली में त्र20 समिट के करीब एक साल बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग की बाइलैटरल मीटिंग का पहला सेशन करीब 2 घंटे तक चला। इस अवसर पर शी का स्वागत करते हुए बाइडन ने कहा कि वह शी एक-दूसरे को वर्षों से जानते हैं। अमेरिका में आपकी मेजबानी करना एक बड़ा सम्मान और खुशी है। मैं हमारी बातचीत को महत्व देता हूं क्योंकि मुझे लगता है कि यह सर्वोपरि है कि आप और मैं एक-दूसरे को स्पष्ट रूप से समझें, बिना किसी गलतफहमी के। बाइडेन ने आगे कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रतिस्पर्धा संघर्ष में न बदल जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन को अपने लोगों को ध्यान में रखते हुए मिलकर काम करने चाहिए, जिसमें जलवायु परिवर्तन, नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के मुद्दे शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक- इस मुलाकात से दोनों देशों के पास ये मौका है कि उनके रिश्ते इस वक्त जिस हाल में हैं, उन्हें और खराब होने से रोका जाए। फरवरी में चीन के एक स्पाय बैलून को अमेरिका ने मार गिराया था। इसके बाद वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच रिश्ते अब तक के सबसे खराब दौर में पहुंच गए थे। ट्रेड रिलेशन्स को लेकर टेंशन पहले ही काफी ज्यादा थी।

ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका ने सख्त रुख अपनाया और चीन की कई कंपनियों को इस दलील के साथ बैन कर दिया कि उनके चीनी फौज से सीधे ताल्लुक हैं। बाइडेन और जिनपिंग की पहली कोशिश किसी भी तरह के जोखिम को कम करना है, ताकि रिश्ते टूटने का खतरा न रहे। अमेरिकी अफसरों का कहना है कि वो दोनों देश एक-दूसरे को चुनौती न समझें।

जब बाइडेन ने शी जिनपिंग के सामने उनकी पत्नी को दी बधाई, शी हुए शर्मिंदा

वाशिंगटन । राष्ट्र का प्रमुख होना एक व्यस्त काम है और जिसकी वजह से पारिवारिक जीवन पीछे छूट जाता है। लेकिन अगर आप अपनी पत्नी का जन्मदिन भूल जाए और आपको याद दिलाने के लिए अन्य राष्ट्राध्यक्ष मौजूद हो, तब मामला चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसा लगता है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग घरेलू कलंक से बचने के लिए तैयार हैं, जब बाइडेन ने बताया कि उनकी तीन दशक से अधिक की जीवन साथी अपना विशेष दिन मनाने वाली है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि बाइडेन महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन के लिए शी से मुलाकात कर रहे थे। उन्होंने चीनी नेता से पेंग को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए कहा। बाइडेन और जिनपिंग ने एक-दूसरे से व्यक्तिगत स्तर पर भी बात की। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने जिनपिंग की पत्नी को आने वाले जन्मदिन के लिए बधाई भी दी। अधिकारियों ने कहा कि शर्मिंदा शी ने कहा कि वे कार्यक्रम को लेकर व्यस्त थे और तारीख उनके हाथ से निकल गई थी।

खालिस्तानियों ने फिर भारतीय अफसरों को घेरा, सुरक्षाकर्मियों ने घेरा बनाकर निकाला

वैंकुवर (एजेंसी)। खालिस्तानियों को लेकर कनाडा और भारत के बीच तनातनी चल रही है। कनाडा स्थित भारतीय राजनयिकों का वहां विरोध किया जा रहा है। जिसके चलते कनाडा में भारतीय राजनयिकों का खालिस्तानियों ने एक बार फिर से घेराव किया है। कनाडा के वैंकुवर में भारतीय कौंसुलेट के अधिकारियों ने एक कैंप लगाया था। यह कैंप वहां रह रहे भारतीय पेंशनरों को लाइफ सर्टिफिकेट देने के लिए लगा था। इसी दौरान खालिस्तानी तत्वों ने वेन्यू के बाहर घेराव किया। यही नहीं इन लोगों ने आगे भी ऐसे ही प्रदर्शन करने की धमकी दी है। भारतीय अधिकारियों ने यह कैंप खालसा दीवान सोसायटी गुरुद्वारा में किया था, जो ब्रिटिश कोलंबिया के एबट्सफोर्ड में स्थित है। इसी दौरान खालिस्तानी तत्व गुरुद्वारे के बाहर जमा हो गए और स्थिति ऐसी बन गई कि अधिकारियों को पुलिस सुरक्षा में बाहर निकालना पड़ा। इस मसले को भारत सरकार सख्ती के साथ कनाडा से उठा चुकी है। इस पर कनाडा ने कहा था कि हम भारतीय राजनयिकों को पूरी सुरक्षा देंगे और किसी भी खालिस्तानी तत्व को हिमाकत नहीं करने देंगे। इसके बाद भी ऐसी घटना चिंता पैदा करने वाली है। एक कैंप गुरुद्वारे में आयोजित किया गया था। इसके अलावा दो कैंप मंदिर में लगे थे। हाल ही में खालिस्तानियों ने एक सिख परिवार पर भी हमला कर दिया था, जिसने भारत के तिरंगे झंडे को उठाया था। वहीं भारतीय राजनयिकों ने कहा कि यहां बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। ऐसे में उन्हें पेंशन, इंश्योरेंस जैसी जरूरतों के लिए दस्तावेजों की जरूरत होती है। उन जरूरतों को पूरा करने के लिए ही हम बीच-बीच में कैंप लगवाते हैं। अधिकारियों ने कहा कि गुरुद्वारे के बाहर करीब 20 खालिस्तानी थे, जो आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। इन लोगों ने यहां दस्तावेज के लिए आए कुछ लोगों से भी बदसलूकी की। दरअसल कुछ महीने पहले कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर मारा गया था। उसकी अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।निज्जर की हत्या के बाद से खालिस्तानी बौखलाए हुए हैं और इसमें भारतीय एजेंट्स का रोल बता रहे हैं। सिख्स फॉर जस्टिस नाम के संगठन ने तो चेतावनी दी है कि भारतीय अधिकारी जहां भी जाएंगे, हम वहां प्रदर्शन करेंगे। सिख्स फॉर जस्टिस का सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू है। वह कई बार भारत को धमकी दे चुका है। हाल ही में उसने एयर इंडिया के विमानों को भी निशाना बनाने की धमकी दी थी। इसी संगठन ने कनाडा में कई जगहों पर पोस्टर भी लगाए थे और भारतीय अधिकारियों को कैंप बंद करने की धमकी दी थी।

इमरान खान की जेल ट्रायल पर रोक 20 नवंबर तक बढ़ी, सिफर मामले में पाकिस्तान की कोर्ट ने दिया फैसला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की अदालत ने सिफर मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल सुनवाई के खिलाफ रोक को 20 नवंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब और न्यायमूर्ति समन रफत इम्तियाज की इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) की पीठ ने जेल मुकदमे के खिलाफ 71 वर्षीय खान की इंट्रा-कोर्ट अपील की सुनवाई के दौरान रोक बढ़ा दी। यह अपील उसी अदालत की एकल सदस्यीय पीठ के खिलाफ दायर की गई थी, जिसने पिछले महीने रावलपिंडी की अदियाला जेल में खान के मुकदमे को बरकरार रखा था, जहां उसे कैद में रखा गया है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अनुसार, आईएचसी ने आधिकारिक गुप्त अधिनियम के तहत सिफर मामले की सुनवाई पर रोक सोमवार, 20 नवंबर तक बढ़ा दी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष को फिलहाल न्यायिक रिमांड पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में रखा गया है। खान के करीबी सहयोगी और पूर्व विदेश मंत्री 67 वर्षीय शाह महमूद कुरेशी, जिन्हें भी सिफर मामले में गिरफ्तार किया गया था, उसी जेल में कैद हैं। खान और कुरैशी ने आरोपों पर खुद को निर्दोष बताया है। कार्यवाहक सरकार ने मार्च 2022 में वाशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास द्वारा एक गुप्त राजनयिक केबल से निपटने के दौरान आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के कथित उल्लंघन के आधार पर मामले में खान और कुरेशी के जेल मुकदमे को मंजूरी दे दी है।

खरीद नीतियों के जरिये भारत ने तेल और गैस बाजारों को नरम किया : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अपनी खरीद नीतियों के जरिये भारत ने तेल और गैस बाजारों को नरम किया है। उन्होंने रूस-यूक्रेन जंग के बीच दुनिया के तेल और गैस बाजारों को स्थिर रखने में भारत की भूमिका पर बात करते हुए कहा कि भारत की रणनीतिक खरीद नीतियों का पूरे विश्व में महंगाई पर काफी असर पड़ा। लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित एक संवाद में जयशंकर ने वैश्विक मामलों में भारत की प्रभावशाली स्थिति पर चर्चा की। इस संवाद का शीर्षक था 'एक अरब लोग दुनिया को कैसे देखते हैं।' जयशंकर ने कहा कि 'तो हमने वास्तव में अपनी खरीद नीतियों के जरिये भारत ने तेल और गैस बाजारों को नरम कर दिया है। जिसके कारण हमने वास्तव में वैश्विक महंगाई पर काबू पा लिया है। मैं इसके लिए धन्यवाद दिए जाने का इंतजार कर रहा हूं। जयशंकर ने कहा कि तेल खरीद के लिए भारत के नजरिये ने वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों को बढ़ने से रोक दिया, जिससे बाजार में यूरोप के साथ संभावित प्रतिस्पर्धा को रोका जा सका। जयशंकर ने कहा कि 'जब खरीदारी की बात आती है तो मुझे लगता है कि वैश्विक तेल की कीमतें अधिक हो गई होती क्योंकि हम भी उसी बाजार में उन्हीं आपूर्तिकर्ताओं के पास गए होते, जिनके पास यूरोप गया होता।

विदेश मंत्री ने कहा कि जैसा कि हमें पता है कि यूरोप ने हमसे अधिक कीमत चुकाई होती।' सीएनजी बाजार के बारे में बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत ने देखा कि वैश्विक एलएनजी बाजार में कई आपूर्तिकर्ता थे। जो परंपरागत रूप से एशिया में आ रहे थे लेकिन उन्हें यूरोप की ओर भेज दिया गया था। 'वास्तव में कम से कम भारत इतना बड़ा देश था कि बाजारों में कुछ सम्मान हासिल कर सकता था। लेकिन कई छोटे देश भी थे, जिन्हें पेरिस में उनके टेंडर पर प्रतिक्रिया भी नहीं मिली क्योंकि एलएनजी आपूर्तिकर्ताओं को अब उनके साथ सौदा करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। उनके पास तलने के लिए बड़ी मछलियां हैं।' जयशंकर ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के संबंध में भारत की स्थिति पर चर्चा करते हुए सिद्धांतों और हितों के बीच नाजुक संतुलन पर जोर दिया। उन्होंने इस वास्तविकता पर कहा कि यद्यपि सिद्धांत अक्सर साफ होते हैं, वे अक्सर राष्ट्रीय हितों से प्रभावित होते हैं। हमने कठिन अनुभवों से सीखा है कि जब लोग सिद्धांतों के बारे में बात करते हैं, तो वे अक्सर हितों से नियंत्रित होते हैं। इस विशिष्ट मामले में रूस के साथ हमारा संबंध बनाए रखना हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित के अनुरूप है।

पूर्व पीएम कैमरून को बनाया ब्रिटेन का विदेश मंत्री, सुनक के फैसले से हर कोई हैरान

बंगोर (ब्रिटेन)(एजेंसी)। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरून को विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। हालांकि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के इस फैसले से हर कोई हैरान है। लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, पहले भी 4 पूर्व पीएम को मंत्री पद दिया गया है। विदेश मंत्री के रुप में कैमरून एक बार फिर राजनीति में लौट आए हैं। वह कभी बेहद जुनियर रहे मौजूदा प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए हैं। वह ब्रिटेन के नए विदेश मंत्री बने हैं। सुनक के मंत्रिमंडल में कैमरून के शामिल होने पर लोगों की राय अलग-अलग है। वह 2016 में राजनीति छोड़ चुके थे। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब किसी पूर्व प्रधानमंत्री ने सरकार में वापसी की हो। बीसवीं सदी में ऐसे पांच उदाहरण हैं, जिनमें से दो ने विदेश मंत्री के रूप में भी सेवाएं दीं। इन सभी को पार्टी या गठबंधन में एकता को बढ़ावा देने और अनुभव प्रदान करने के लिए वापस लाया गया था। कैमरून लगभग 50 वर्षों में अपने किसी उत्तराधिकारी के नीचे काम करने वाले पहले पूर्व प्रधानमंत्री हैं। यह संभवतः रेखांकित करता है कि मौजूदा प्रधानमंत्री को उनकी छवि के तले दबने का डर नहीं है।

दरअसल, कोई पूर्ववर्ती सरकार में तभी लौटता है, जब उसे खतरा नहीं माना जाता है। कैमरून से पहले 1963-64 में 363 दिनों तक शासनाध्यक्ष के रूप में काम करने वाले एलेक्स डगलस-होम ब्रिटिश सरकार में वापसी करने वाले पिछले पूर्व प्रधानमंत्री थे। उन्होंने 1970 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एडवर्ड हीथ की सरकार में विदेश मंत्री के रूप में वापसी की। हीथ खुद डगलस-होम की सरकार में मंत्री रह चुके थे। हीथ की जीवनी लिखने वाले डी आर थोर्प ने बाद में बताया था कि डगलस-होम को नियुक्त करने के पीछे हीथ का यह मकसद था कि ''वह उनके प्रशासन में मजबूती और स्थिरता लाने'' में मददगार साबित हो सकते थे।

इतिहास जहां अक्सर चर्चिल के उदय पर केंद्रित रहा है, वहीं सरकार में चैंबरलेन की लगातार मौजूदगी ने दिखाया कि शुरुआत में युद्धकालीन प्रधानमंत्री की शक्तियां कितनी सीमित थीं। चर्चिल ने एक गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया और किसी भी पार्टी के नेता नहीं थे, जबकि चैंबरलेन, एक पूर्व प्रधानमंत्री थे जिसका नेतृत्व तुष्टिकरण से जुड़ा था, और वह कैबिनेट में बने रहे। यह मामला दिखाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री को सरकार में शामिल करना कभी-कभी प्रधानमंत्री के आत्मविश्वास के बजाय उसकी अंतर्निहित कमजोरी भी जाहिर कर सकता है।

फिलिस्तीन ने भारत से लगाई गुहार, कहा- हमें किसी भी हाल में बचाएं

गाजा(ईएमएस)। हमास के आतंकियों ने 7 अक्टूबर को इजरायलियों पर हमला करके बहुत बड़ी गलती की है। इसकी कीमत फिलिस्तीनी नागरिक चुका रहे हैं। अब तक गाजा में करीब 11 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। 15 लाख से अधिक लोग बेघर और विस्थापित हो चुके हैं। हालात इतने ज्यादा खराब है कि वहां भोजन और पानी के भी लाले पड़े हुए हैं। इतना सब होने के बाद भी इजरायल को तरस नहीं आ रहा है। उसका कारण ये है कि पहला हमला हमास ने किया था,इसलिए इजरायल का संकल्प है कि वो हमास का मटियामेट करके ही दम लेना। जबकि फिलिस्तीन दुनियाभर में खुद को बचाने की गुहार लगाता फिर रहा है,भारत से भी कहा है कि हमें हर हाल में बचा लीजिए। इस सबके बीच फिलिस्तीन ने भारत से मदद की गुहार लगाई है। भारत में फिलिस्तीनी राजदूत अदनान अबू अलहैजा ने फिलिस्तीनी लोगों के लिए अपनी चिंता व्यक्त की और कहा कि भारत को तत्काल युद्धविराम का आह्वान करने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल करना चाहिए।अदनान अबू अलहैजा ने मीडिया में आ रहीं खबरों के मुताबिक अलहैजा ने कहा, मैंने भारत सरकार को कई बार फोन किया है। मैं भारत से फिर आग्रह करता हूं कि वह इजरायल और हमास के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए बड़ी भूमिका निभाए।

ईरान, रूस सहित हमास का सब छोड़ रहे साथ, इजरायल से जंग में नहीं करेंगे सहयोग

तेहरान (एजेंसी)। ईरान, रूस सिहित सभी समर्थित देशों ने हमास का जंग में साथ छोड़ दिया है। ईरान ने तो साफ कर दिया है कि इजरायल और हमास की जंग में वह सीधे नहीं उतरेगा। उधर रूस का कहना है कि वह इलाके में एक बड़ी जंग से बचना चाहता है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस महीने की शुरुआत में हमास प्रमुख इस्माइल हानिया से कहा था कि चूंकि तेहरान को 7 अक्टूबर के विनाशकारी आतंकवादी हमले की पहले से सूचना नहीं दी गई थी, इसलिए वह इजरायल के खिलाफ जंग में शामिल नहीं होगा। बुधवार को 'तीन वरिष्ठ अधिकारियों' का हवाला देते हुए एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि खामेनेई ने हनिया से कहा था कि ईरान हमास को राजनीतिक समर्थन देगा, लेकिन वह लड़ाई में सीधे हस्तक्षेप नहीं करेगा। ईरानी नेता ने कथित तौर पर हनिया से हमास में उन आवाजों को भी चुप कराने के लिए भी कहा, जो ईरान और उसके प्रॉक्सी आतंकी समूह हिजबुल्लाह को पूरी ताकत से इजरायल के खिलाफ युद्ध में सीधे शामिल होने के लिए कह रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हिजबुल्लाह भी इस नरसंहार से घबरा गया है। रॉयटर्स ने लेबनानी चरमपंथी समूह के एक अनाम कमांडर के हवाले से कहा कि 'हम एक जंग को लेकर सचेत हो गए हैं।'

उधर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मीडिया को बताया कि मॉस्को यह नहीं मानता है कि ईरान, लेबनान या हिजबुल्लाह चाहते हैं कि इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में बदल जाए। इस बात को लेकर चिंता बनी हुई है कि इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच लड़ाई से मध्य पूर्व में व्यापक युद्ध छिड़ सकता है। इजरायल के रक्षा मंत्री ने गाजा में इजरायल के अभियान के समान लेबनान की राजधानी बेरूत पर बमबारी करने की धमकी दी है, जबकि कुछ अमेरिकी लोगों ने ईरान पर हमले की अपील की है। हालांकि मॉस्को का मानना है कि लेबनान या ईरान में किसी बड़े संघर्ष की कोई इच्छा नहीं है।

बादशाह ने डेटिंग अफवाह पर तोड़ी चुप्पी

शिल्पा शेट्टी की दिवाली पार्टी में रैपर बादशाह और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर को साथ में देखा गया। मृणाल पेस्टल ग्रीन लहंगे में काफी खूबसूरत नजर आईं। वहीं बादशाह दिवाली पार्टी के लिए ब्लैक कुर्ता-पायजामा में दिखे। पैपराजी के लिए पोज करने के बाद दोनों एक दूसरे का हाथ पकड़कर जाते नजर आए। हालांकि बादशाह और मृणाल ने चंद सेकेंड के लिए ही एक दूसरे का हाथ थामा था। दोनों का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फैंस को लगा कि शायद ये दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। बादशाह ने आज सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा- डियर इंटरनेट, आपको निराश करने के लिए माफी चाहता हूं। जैसा आप सोच रहे हैं वैसा नहीं है। इसके साथ बादशाह ने एक हंसी का इमोजी भी बनाया। बता दें, मृणाल और बादशाह 2021 में साथ में म्यूजिक वीडियो बैड बॉय-बैड गर्ल में साथ काम कर चुके हैं। मृणाल की हाल ही में फिल्म पिप्पा प्राइम वीडियो पर 10 नवंबर को रिलीज हुई है। इस फिल्म में ईशान खट्टर भी हैं। उन्होंने कैप्टन बलराम मेहता की भूमिका निभाई है।

तीन साल पहले हुआ था बादशाह का तलाक

बादशाह ने साल 2012 में जैस्मीन मसीह से शादी की थी। जैस्मीन ने स्ट्रगल के दौर में बादशाह का खूब साथ दिया था। दोनों की एक बेटी जेसेमी ग्रेस मसीह भी है, जिसका जन्म 2017 में हुआ था। इसके तीन साल बाद 2020 में बादशाह और जैस्मीन का तलाक हो गया।

इंटरनेशनल फिल्म में नजर आएंगी कीर्ति कुल्हारी

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी को इंडस्ट्री में 13 साल पूरे हो गए हैं। अभिनेत्री बॉलीवुड फिल्मों और कुछ शानदार ओटीटी प्रोजेक्ट में काम करने के बाद अब इंटरनेशनल फिल्म में काम कर रही हैं। अभिनेत्री की पहली इंटरनेशनल फिल्म का नाम है सच इस लाइफ। इंडस्ट्री में एक दशक से अधिक वक्त गुजार चुकीं कीर्ति का कहना है कि उन्हें यह महसूस नहीं होता कि इंडस्ट्री में उन्हें 13 साल हो गए हैं। ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात है। बता दें कि कीर्ति कुल्हारी ने साल 2010 में आई फिल्म खिचड़ी से डेब्यू किया था। इसमें वह पंजाबी लड़की परमिंदर की भूमिका में नजर आईं। अब खिचड़ी का सीक्वल आ रहा है। कीर्ति का कहना है, फिल्म खिचड़ी 2 को बनाने 12-13 साल लग गए। खुशी है कि फाइनली यह रिलीज होने वाली है। मैं डेब्यू फिल्म में परमिंदर का रोल किया था और अब 13 साल बाद फिर से वह रोल करते हुए बेहद खुशी हो रही है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अब वह अपने आगामी इंटरनेशनल प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह रोमांचक अनुभव है कि मेरा करियर अब इंटरनेशनल स्तर हासिल कर रहा है और आगे बढ़ रहा है। यह अपने आप में होने वाली एक सहज तरक्की है। सही चीजें सही समय पर हो रही हैं। फिल्म सच इज लाइफ में अपने किरदार पर बात करते हुए कीर्ति कुल्हारी ने कहा, इस फिल्म की जो सबसे खास बात मुझे लगी वो यह कि यह वास्तविक कहानी पर आधारित है। मैंने इस किस्म का रोल पहले कभी नहीं किया। यह काफी चुनौतीपूर्ण फिल्म है और हर किरदार में उतार-चढ़ाव हैं।

इंडस्ट्री में आउटसाइडर्स को लेकर बोलीं कृति

कृति ने कहा कि अगर कोई प्रोड्यूसर इंडस्ट्री से जुड़े किसी शख्स को लॉन्च करता है, तो उसे उसका भी सपोर्ट करना चाहिए जो इंडस्ट्री से जुड़ा नहीं है पर टैलेंटेड है। एक इंटरव्यू में कृति ने यह भी कहा कि लोग इन दिनों सुपरस्टार्स और बड़े नामों के बजाय टैलेंट और स्क्रिप्ट की तरफ अट्रैक्ट हो रहे हैं। कृति ने कहा, अगर हम सभी को बराबर मौके देना शुरू कर दें तो यह इंडस्ट्री आउटसाइडर्स के लिए आसान हो जाएगी। यदि आप इंडस्ट्री में से किसी को लॉन्च कर रहे हैं, तो यह भी इंश्योर करें कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को भी जगह देंगे जो भले ही इंडस्ट्री से नहीं है पर ज्यादा टैलेंटेड है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह दुनिया धीरे-धीरे स्टार्स और बड़े नामों के बजाय टैलेंट और स्क्रिप्ट की ओर झुक रही है।' कृति ने आगे कहा, 'मैंने कई ऐसे वीडियो देखे हैं जिनमें इस बात का जिक्र किया जाता है कि अगर आप यकीन करते हैं कि कोई चीज होगी तो वह होती है। हालांकि, मैंने अपने केस में यह करके देखा है। मैंने पूरी शिद्दत से एक माइलस्टोन चेज करने की कोशिश की थी पर वो नहीं हुआ।' पिछले महीने ही कृति को अपने करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड जीता। उन्हें 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में फिल्म 'मिमी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला। यह अवॉर्ड उन्हें एक्ट्रेस आलिया भट्ट के साथ संयुक्त रूप से दिया गया। कृति ने 2014 में फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड डेब्यू किया था। उन्होंने इंडस्ट्री में बिना किसी सपोर्ट के एंट्री ली थी। अब तक करियर में कृति ने 'बरेली की बर्फी' और 'लुका छुपी' जैसी हिट फिल्में दी हैं। एक्ट्रेस जल्द ही शाहिद कपूर के अपोजिट एक अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगी। यह अगले साल 9 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज होगी।

ईशान खट्टर को कैसे मिली पहली फिल्म, घर में कौन देता है एक्टिंग टिप्स!

धड़क में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से लोगों का दिल जीतने वाले एक्टर ईशान खट्टर ने करियर की शुरुआत भले उड़ता पंजाब में डायरेक्टर अनुराग कश्यप के असिस्टेंट के रूप में की, मगर उनकी मंजिल हमेशा से एक्टिंग थी। बियॉन्ड द क्लाउड्स, खाली पीली, फोन भूत जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके ईशान इन दिनों चर्चा में हैं अपनी फिल्म पिप्पा को लेकर। 1971 में इंडिया-पाकिस्तान की जंग पर आधारित इस फिल्म में ईशान असल फौजी कैप्टन बलराम सिंह मेहता की भूमिका में हैं। उनसे एक खास मुलाकात।

आपकी फिल्म पिप्पा देशभक्ति और बहादुरी पर आधारित है, आप अपनी देशभक्ति को कैसे परिभाषित करेंगे?

मेरे लिए देश भक्ति देश प्रेम है। मैं खुद को देशप्रेमी मानता हूं। इसमें आपको देशभक्ति की जो भावना आती है कि हां,मैं देशप्रेमी हूं। वो कमाल की होती है। अपनी मिट्टी पर गर्व करने का जज्बा देश प्रेम से ही पनपता है। मैं अपने सेना का बहुत सम्मान करता हूं। जिस तरह की लंबी और कड़ी ट्रेनिंग से उन्हें गुजरना पड़ता है, उसी के बाद वे इस मानसिक अवस्था तक पहुंच पाते हैं कि अपने प्राणों की बाजी लगा सकें। जाहिर है, खौफ तो उन्हें भी लगता ही होगा।

पिप्पा आपके लिए किस तरह से खास है?

अपने देश प्रेम के जज्बे को मैं अपनी फिल्म पिप्पा से जोड़ना चाहूंगा। मुझे लगा ये इतनी कमाल की कहानी है, जो हमारी युवा ऑडिएंस को देखनी चाहिए। ये इतिहास का ऐसा चैप्टर है, जिस पर हमें गर्व होना होना चाहिए।

आपके अपने घर में मॉम (नीलिमा अजीम) हों या आपके भाई शाहिद कपूर, सभी मंजे हुए कलाकार हैं, आपको उनसे अभिनय के कितने टिप्स मिल पाते हैं?

मुझे बचपन से ही सिखाया गया है कि मेहनत करो और फल की चिंता न करो। मेरी मॉम ने हमेशा मुझसे कहा है कि तालीम पर गौर फरमाओ, तभी आप अपने क्राफ्ट की सचाई तक पहुंच पावोगे। मैंने उनकी बात को कभी भी हलके में नहीं लिया। मैंने घर में देखा है कि कितने साल लगे हैं कलाकार को एक मंजिल पाने में। मैंने देखा है कि कैसे हम अपने शरीर को तोड़कर उस मुकाम तक पहुंचते हैं। मेरी मॉम न सिर्फ एक अभिनेत्री बल्कि डांसर भी हैं। वे कथक की साधिका रही हैं। मैंने अपनी जिंदगी में उनकी तरह की जादुई परफॉर्मेंस नहीं देखी है। उन्होंने पूरे बीस साल तक नृत्य का प्रशिक्षण लिया, इस पॉइंट तक पहुंचने के लिए। अब जाकर वे कहती हैं, हां, अब मैं कुछ जान गई हूं, तो रियाज और उसकी अहमियत मैं समझता हूं। तालीम की अहमियत मुझे हमेशा से पता रही है।

आप अब तक बियॉन्ड द क्लाउड्स, धड़क, खाली पीली, फोन भूत जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। आपको अपनी पहली फिल्म में मौका कैसे मिला?

यह बहुत ही दिलचस्प वाकया है। मुझे माजिद (बियॉन्ड द क्लाउड्स के निर्देशक माजिद मजीदी) सर ने नहीं, कास्टिंग डायरेक्टर हनी त्रेहान ने चुना। मैं उड़ता पंजाब के लिए सहायक निर्देशक का काम कर चुका था और उस सेट पर कास्टिंग डायरेक्टर हनी त्रेहान भी मौजूद थे। एक दिन शूटिंग पर मैं एक 12 फुट की दीवार चढ़ने की कोशिश कर रहा था। कई बार इस कोशिश में नाकाम होने के आधे घंटे बाद मैं इस दीवार पर चढ़ पाया। आखिरकार जब मैं दीवार चढ़ गया, तो मैंने देखा कि हनी त्रेहान तालियां बजे रहे हैं। उड़ता पंजाब के दौरान हनी त्रेहान को मेरा यह जज्बा बहुत बहुत पसंद आया और इसमें उन्हें आमिर की झलक भी दिखी, इसलिए उन्होंने मुझे चुना।

मेरे सक्सेस पर लोगों को शक था

ऋचा चड्ढा की हाल ही में आई फिल्म फुकरे 3 ने कमाल का प्रदर्शन किया है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने अच्छी कमाई की है। खास बातचीत के दौरान ऋचा ने बताया कि लोगों को उनकी सक्सेस पर शक था। उन्होंने ये भी कहा कि वे कभी दूसरे एक्टर्स को काटती नहीं हैं। ऋचा ने संजय लीला भंसाली के साथ आने वाली वेब सीरीज हीरामंडी के बारे में भी बात की।

ऋचा चड्ढा को फिल्मों में दस साल पूरे हो गए हैं। अपने फिल्मों के किस्सों को शेयर करते हुए ऋचा ने कहा, कई बार ऐसे पुराने लोग मिल जाते हैं जैसे गैंग्स ऑफ वासेपुर के कुछ कास्ट मेंबर्स थे, वो कहते थे हमें तो भरोसा ही नहीं था कि तुम्हारा लाइफ में कुछ हो जाएगा, या तुम ग्रूम हो जाओगी, या तुम्हें बात करना आ जाएगा। ऐसा सुनकर मुझे मजा आता है कि अच्छा इन लोगों ने मुझे कम आंका था।

दूसरे सवाल में जब ऋचा से पूछा गया कि क्या आप शुरू से ऐसे थे कि जब-जब लोगों ने दरकिनार करने की कोशिश की है, तब-तब आपने खुद को साबित करने की कोशिश की है? इस पर ऋचा ने कहा, मुझे लगता है जब मेरा काम बाहर आता है तो खुद ब खुद मैं जो कहना चाहती हूं, वो चीजें बाहर आ जाती है। मैं कभी किसी दूसरे एक्टर को काटती नहीं हूं। कभी इनसिक्योरिटी जाहिर नहीं करती। अगर किसी ने किसी के साथ कुछ गलत किया हो तो मैं बहुत जल्दी माफ कर देती हूं, लेकिन कभी भूलती नहीं हूं। ऋचा की प्रोफेशनल लाइफ में मजबूत रिश्तें रहे हैं। इस बात पर उन्होंने कहा, कई बार ऐसे लोग होते हैं, जिनके साथ आपने काम किया है, लेकिन उनको आप एक-आंख नहीं सुहाते हैं। मैं ना दोस्त बनाने जाती हूं और ना दुश्मन। हमारे जैसे क्रिएटिव काम के लिए एक दूसरे को अच्छे मूड में रखना जरूरी है, तभी साथ मिलकर अच्छा काम कर सकते हैं। जहां मुझे लगता है कोई सेल्फिश है, मैं वहां से पुट ऑफ हो जाती हूं, और उन लोगों को अपनी लाइफ से कट ऑफ कर देती हूं। ऋचा ने अपनी आने वाली वेब सीरीज हीरामंडी को लेकर बताया कि संजय लीला भंसाली की फिल्म में बहुत खूबसूरत लाइटिंग होती है। इस फिल्म में रोशनी ही रोशनी है। कभी दिए की रोशनी, कभी मोमबत्ती की रोशनी, कभी चिराग की रोशनी। फिल्म की कहानी के बारे में कहा कि ये 1940 की लाहोर की कहानी है। फिल्म में ज्यादातर फीमेल कास्ट है, लेकिन हर इंसान इस फिल्म से खुद को कनेक्ट जरूर करेगा। बता दें, हीरामंडी से संजय लीला भंसाली ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू कर रहे हैं।

पुष्पा के बाद अल्लू अर्जुन ने 17 गुना बढ़ाई फीस

तेलुगु फिल्म 'पुष्पा' की जबरदस्त सफलता के बाद से सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की डिमांड काफी बढ़ गई। एक रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म के बाद अल्लू ने अपनी ब्रांड एंडोर्समेंट फीस 17 गुना बढ़ा दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म से पहले अल्लू एक दिन के शूट का 35 लाख रुपए चार्ज करते थे। वहीं अब वो किसी प्रोडक्ट को एंडोर्स करने के लिए 6 करोड़ रुपए प्रति दिन चार्ज करते हैं। यह किसी भी साउथ इंडियन एक्टर के लिए सबसे ज्यादा है। अल्लू के अलावा कई दूसरे साउथ एक्टर्स जो इसी तरह पॉपुलर हुए हैं वो भी 2 साल पहले की कीमत से 8 गुना ज्यादा चार्ज कर रहे हैं।

6 नए ब्रांड्स के साथ डील साइन की

पुष्पा की सक्सेस के बाद से अल्लू कई बड़े ब्रांड्स का चेहरा भी बने। इनमें कई नेशनल और इंटरनेशन ब्रांड्स शामिल हैं। एक्टर ने हाल ही में 6 नए ब्रांड्स के साथ डील साइन की है जिसमें कोका-कोल, केएफसी, जोमाटो और रेड बस जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

कई कंडीशंस पर 8 करोड़ भी चार्ज करते हैं एक्टर्स

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कई एक्टर्स ब्रांड एंडोर्स करने के 8 करोड़ रुपए भी लेते हैं। हालांकि, इसमें कई तरह की कंडीशंस होती हैं। इन कंडीशंस के तहत एक्टर्स ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए सिर्फ 3 दिन का ही वक्त देते हैं, जिसमें वो एक दिन 8 घंटे से ज्यादा काम नहीं करते।

पान मसाला ब्रांड की 10 करोड़ की डील ठुकराई थी

इससे पहले अल्लू एक पान मसाला ब्रांड को प्रमोट करने का ऑफर ठुकरा चुके हैं। कंपनी ने उन्हें 10 करोड़ की डील ऑफर की थी जिसे अल्लू ने यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि वो अपने फैंस के बीच किसी भी गलत चीज को प्रमोट नहीं करना चाहते। अल्लू खुद भी पान मसाला का सेवन नहीं करते हैं। इसी वजह से उन्होंने पान मसाला कंपनी का ब्रांड एंडोर्समेंट करने से इनकार कर दिया था।

ब्रांड पार्टनरशिप के 5 करोड़ चार्ज करती हैं नयनतारा

इसी रिपोर्ट में यह जानकारी भी दी गई है कि नयनतारा ब्रांड पार्टनरशिप के 5 करोड़, माधुरी दीक्षित ब्रांड एंडोर्स करने का 1 करोड़ और कियारा आडवाणी डेढ़ से 2 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं। इस डील में फोटोशूट, स्टोर इनॉग्रेशन और ब्रांड से जुटें इवेंट्स भी शामिल होते हैं।